www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...
राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, बुधवार, 27 मार्च, 2024 | वर्ष-16 | अंक -351 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से नकुलनाथ ने भरा नामांकन
02 ■ स्वास्थ्य सेवाओं में नहीं आएगी कोई कमी : सौरभ...
■ कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय उनकी...
03 ■ मॉस्को आतंकी हमले पर अब भी कई सवाल...
■ गाजा के अल-शिफा अस्पताल में मिला हथियारों ...
07 एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी : सारा अली
10

रमजान मुबारक

27 मार्च-16

खत्म सहरी : 4.57
रोजा इफतार : 6.39

सार संक्षेप

बंगलुरु कैफे ब्लास्ट मामले में दो संदिग्ध हिरासत में लिए

बेंगलुरु। एनआईए ने मंगलवार को रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में दो संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया है। जांच एजेंसी ने खुद इसकी पुष्टि की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये दोनों ही संदिग्ध आरोपी हमलावर के संपर्क में थे। एनआईए ने राजधानी बंगलुरु से इस संदिग्ध को पकड़ा है। हालांकि, अभी तक एनआईए ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

बांदा। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रात बांदा मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कड़ी सुरक्षा के बीच अंसारी को अस्पताल लाया गया। अधिकारियों ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया लेकिन एक पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि वह अभी अस्पताल में हैं। पुलिस प्रशासन ने मेडिकल कॉलेज को छावनी में तब्दील कर दिया है। कुछ दिन पहले मुख्तार अंसारी ने कहा था कि उनकी जान को खतरा है।

बीआरएस नेता कविता नौ अप्रैल तक हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति 2021-2022 में कथित घोटाला से संबंधित धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति की विधान पार्षद के. कविता को नौ अप्रैल तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ईडी की हिरासत अवधि पूरी होने के बाद रिश्वतखोरी के इस मामले में कथित रूप से शामिल सुश्री कविता को राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया गया।

कोटा में एक और नीट छात्र ने की आत्महत्या

जयपुर। उत्तर प्रदेश के रहने वाले एक नीट अभ्यर्थी ने राजस्थान के कोटा में आत्महत्या कर ली। उरूज (20) उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के समधन गांव का रहने वाला था। वह पिछले एक साल से कोटा में रह रहा था। वह यहां रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। मंगलवार सुबह उसके परिजनों ने उसे कई बार फोन किया, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस को उरूज का शव पंखे पर लटक मिला।

केजरीवाल के समर्थन में सड़कों पर उतरे लोग

प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे सैकड़ों 'आप' नेता हिरासत में लिए

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और मोदी सरकार द्वारा की जा रही लोकतंत्र की हत्या के विरोध में आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। केजरीवाल के समर्थन में भारी तादात में सड़कों पर उतरे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। दिल्ली पुलिस ने जगह-जगह लोगों को रोकने का प्रयास किया। फिर भी बड़ी संख्या में लोग घेराव में शामिल होने के लिए पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे। पुलिस द्वारा रोके जाने पर समर्थक सड़क पर ही लेट गए और भाजपा व मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने उनको घसीटते हुए गाड़ी में डाल दिया और फिर हिरासत में ले लिया। प्रधानमंत्री आवास का शांतिपूर्वक घेराव करने निकले आम आदमी पार्टी के विधायकों, नेताओं समेत 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत लिया।

आप नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार की कोई भी ताकत अरविंद केजरीवाल के समर्थन में शुरू हुई इस क्रांति को रोक नहीं पाएगी। इस प्रोटेस्ट में पंजाब सरकार में शिक्षा मंत्री और विधायक हरजोत सिंह बैंस भी शामिल हुए। पुलिस ने उनको भी हिरासत में ले लिया और उनको घसीटते हुए गाड़ी में डालकर ले गई। आम आदमी पार्टी के विधायक और लोकसभा प्रत्याशी सोमनाथ भारती और विधानसभा उपाध्यक्ष और विधायक राखी बिड़ला भी धरना करने पहुंचे, उनको भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके अलावा 'आप' विधायक और एससी/एसटी विंग के अध्यक्ष विशेष रवि, यूथ विंग के प्रेसिडेंट पंकज गुप्ता, महिला विंग की प्रेसिडेंट सारिका चौधरी, वरिष्ठ नेता आदिल खान और रीना गुप्ता समेत पार्टी के कई नेता पीएम आवास का घेराव करने के लिए पटेल चौक मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे, जिन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं-समर्थकों ने जमकर 'अरविंद केजरीवाल जिंदाबाद, अरविंद केजरीवाल तुम संघर्ष करो-हम तुम्हारे साथ हैं, ईडी-सीबीआई मुर्दाबाद, जब-जब मोदी डरता है-पुलिस को आगे करता है, मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी, ईडी-सीबीआई के दम पर यह सरकार नहीं चलेगी' के नारे लगाए। वहीं, दिल्ली पुलिस ने 'आप' के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को धरना स्थल पर पहुंचने से पहले ही रोक दिया।

■ मोदी सरकार की तानाशाही के खिलाफ नारेबाजी की

■ पंजाब सरकार में शिक्षा मंत्री भी प्रदर्शन में हुए शामिल

> सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद व लड़ाईयां होती हैं, लेकिन चुने हुए मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करके तानाशाह सरकार ने संदेश दिया है कि हम किसी लोकतंत्र को नहीं मानते : **गोपाल राय, आप नेता**

पुलिस ने मीडिया कर्मियों से भी की बदसलूकी

प्रदर्शन को कवर कर रही मीडिया के कई पत्रकारों के साथ पुलिस ने बदसलूकी की। पुलिस ने पत्रकारों को रोकने का प्रयास किया और केजरीवाल के समर्थन में दिल्ली के कोने-कोने से आए समर्थकों से बात करने वाले पत्रकारों के साथ बदसूली शुरू कर दी। पार्टी ने अपने ट्वीटर हैंडल पर कुछ फोटो जारी करते हुए कहा कि तानाशाह मोदी सरकार ने कानून के हाथ इतने लंबे कर दिए हैं कि अब ये हाथ मीडिया की गर्दन तक पहुंच चुका है।

केजरीवाल की याचिका पर आज हाई कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि उत्पाद शुल्क नीति मामले वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और इस सिलसिले में एक ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित रिमांड आदेश के खिलाफ दायर उनकी याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। अदालत ने मंगलवार को कहा कि याचिका में दलील दी गई है कि गिरफ्तारी और ट्रायल कोर्ट द्वारा पारित रिमांड आदेश अवैध था और केजरीवाल तुरंत हिरासत से रिहा होने के हकदार हैं। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा करेंगी।

पंजाब में भाजपा व अकाली दल में नहीं बनी बात

सभी 13 लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी भाजपा

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा की शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के साथ बातचीत बेनतीजा रही। इसके बाद भाजपा ने मंगलवार को पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर 1 जून को होने वाले चुनाव में अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि भाजपा ने राज्य में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमने लोगों, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद यह फैसला लिया। इस फैसले का उद्देश्य पंजाब के युवाओं, किसानों, व्यापारियों और पिछड़े वर्गों का भविष्य उज्ज्वल बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब के लिए किए गए कार्य स्पष्ट हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जाखड़ ने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में, पंजाब के किसानों की उपज का हर दाना खरीदा गया है। उचित एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) एक सप्ताह के भीतर किसानों के बैंक खातों में भेज दिया गया है। पंजाब एक सुरक्षित और संरक्षित सीमावर्ती राज्य है और मुझे यकीन है कि लोग 1 जून के चुनाव में भाजपा का समर्थन करेंगे।'

भाजपा की छठी सूची जारी

तीन उम्मीदवारों का किया ऐलान

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की छठी सूची मंगलवार को जारी कर दी। इसमें राजस्थान से दो और मणिपुर से एक लोकसभा उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया गया है। पार्टी ने राजस्थान के करौली-धौलपुर से वर्तमान सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काटकर इंदु देवी जाटव को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, दौसा से भी मीना जसकौर का टिकट काटकर कन्हैया लाल मीणा को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने मणिपुर के इनर मणिपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह का टिकट काटकर थौनाओजम बसंत कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत का आदेश पलटा

समाचार प्रकाशन के खिलाफ प्री-ट्रायल निषेधाज्ञा गलत

■ लेख का प्रकाशन रोकने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को भी निरस्त किया

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने बड़ा आदेश पारित किया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग से जुड़ी अवमानना याचिका के मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने कहा, अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर किसी समाचार लेख के प्रकाशन के खिलाफ एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देना चाहिए। अदालत ने साफ किया कि लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने देश की मशहूर मीडिया समूह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक समाचार लेख का प्रकाशन रोकने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को भी निरस्त कर दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग पर जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ अपमानजनक लेख लिखने का आरोप है। निचली अदालत ने लेख को हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन शीर्ष अदालत ने कहा कि सामग्री के प्रकाशन के खिलाफ निषेधाज्ञा मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद ही दी जानी चाहिए।

राहुल गांधी का युवाओं से वादा

सत्ता में आते ही रोजगार क्रांति लाएगी कांग्रेस

> 'कांग्रेस ने युवा न्याय के तहत रोज़गार क्रांति का संकल्प लिया है।

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्र में पार्टी की सरकार बनने पर युवा न्याय के तहत सबके लिए अवसर उपलब्ध कराके देश में रोजगार क्रांति लाई जाएगी।

श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'नरेंद्र मोदी जी, क्या आपके पास रोज़गार के लिए कोई योजना थी भी। यही सवाल आज हर युवा की ज़ुबान पर है। गली-गली, गांव गांव भाजपा वालों से पूछा जा रहा है - आखिर हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का झूठ क्यों बोला गया था।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने युवा न्याय के तहत रोज़गार क्रांति का संकल्प लिया है। हमारी गारंटी है कि हम सरकार में आते ही - 30 लाख सरकारी पदों को भरेंगे। हर शिक्षित युवा को 'पहली नौकरी पक्की' योजना के तहत 1 लाख रुपए सालाना की नौकरी देंगे। कानून बना कर पेपर लीक से मुक्ति दिलाएंगे।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह वक्त दो विचारधाराओं की नीतियों के फर्क को पहचानने का है। कांग्रेस युवाओं का भविष्य बनाना चाहती है और भाजपा उन्हें भटकाना।

भाजपा ने पीलीभीत से वरुण गांधी को नहीं दिया है टिकट

अधीर का वरुण को कांग्रेस में शामिल होने का न्यौता

पीलीभीत लोकसभा सीट से भाजपा ने सांसद वरुण गांधी को टिकट नहीं दिया है। उनकी जगह जितिन प्रसाद को पीलीभीत का उम्मीदवार बनाया है। पीलीभीत से वरुण गांधी का टिकट काटने पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वरुण गांधी को कांग्रेस में शामिल होने का प्रस्ताव दिया है। बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने कहा, उन्हें (वरुण गांधी) यहां आना चाहिए। हमें बहुत खुशी होगी। वह एक पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं। उनकी एक साफ-सुथरी छवि है। गांधी परिवार से ताल्लुक रखने के कारण भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

बिहार में 'उधार' के नेताओं के भरोसे सभी दल

■ बाहरी नेताओं को भी देना पड़ रहा है टिकट

■ जदयू का बाहरी उम्मीदवारों पर सबसे ज्यादा भरोसा

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बिहार के सभी सात चरणों में मतदान होना है। सभी दल इस चुनावी समर में योद्धाओं को उतारने में जुटे हैं। ऐसे में देखा जाए तो इस चुनाव में कोई भी दल अकेले उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। दीगर बात है कि सभी दल पिछले पांच वर्षों में एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं।

इतना ही नहीं, इन दलों को दूसरे दल से आए 'उधार' (बाहरी) के नेताओं को भी टिकट देना पड़ रहा है। इस चुनाव में भी बिहार में मुख्य मुकाबला एनडीए और राजद नीत महागठबंधन के बीच माना जा रहा है। एनडीए के घटक दलों में भाजपा, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा तथा जदयू समेत करीब सभी दलों ने अपने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इधर, महागठबंधन ने औपचारिक रूप से अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। देखा जाए तो सभी दलों को चुनावी मैदान में उतरने के लिए 'उधार' के योद्धाओं की जरूरत पड़ी है। इसमें सबसे आगे जदयू नजर आ रही है। जदयू ने राजद से आई पूर्व सांसद लवली आनंद को शिवहर से उम्मीदवार बनाया है। कुछ ही दिन पहले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह कुशवाहा अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के साथ जदयू में शामिल हुए। विजयलक्ष्मी सिवान से जदयू उम्मीदवार हैं। विधानसभा में सबसे बड़े दल राजद को भी दूसरे दलों से उम्मीदवार लेना पड़ रहा है। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अली अशरफ फातमी और युवा जदयू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभय सिंह कुशवाहा राजद में शामिल हो गए। फातमी के मधुबनी से चुनाव लड़ने की संभावना है। कुशवाहा को राजद ने औरंगाबाद से सिंबल दे दिया है। जदयू विधायक बीमा भारती राजद में शामिल हो गई है, कहा जा रहा है कि भारती पूर्णिया से चुनाव लड़ सकती हैं। पप्पू यादव भी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

21 दिन से भूख हड़ताल पर हैं सोनम वांगचुक

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 26 मार्च(देशबन्धु)। पूर्ण राज्य सहित विभिन्न मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक सहित अन्य आंदोलनकारियों को 21वें दिन दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज का समर्थन मिला जो अपने जन्मदिन के अवसर पर लेह में पहुंचे थे।

उन्होंने वंगचुक से मुलाकात की और उनके इस आंदोलन का समर्थन किया। प्रकाश राज ने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ लद्दाख के लिए नहीं है, सिर्फ सोनम वांगचुक के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के हित के लिए है। उन्होंने कहा कि पानी, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए जो संघर्ष यहां किया जा रहा है, वो किसी एक लिए नहीं है, बल्कि सारी जनता के लिए है। सरकार कुछ पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लद्दाख के लोगों की मांगों को पूरा नहीं कर रही है।

जानकारी के लिए लद्दाख को 6ठी अनुसूची में शामिल करने व राज्य का दर्जा दिलाने की मांग के समर्थन में वांगचुक का अनशन आज 21वें दिन में प्रवेश कर गया।

■ हड़ताल को अभिनेता प्रकाश राज का भी मिला समर्थन

पंजाब से कांग्रेस सांसद रवनीत भाजपा में शामिल

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं रवनीत

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। पंजाब में लुधियाना से कांग्रेस के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और उन्होंने पंजाब के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, नौजवानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के मिशन से जोड़ने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, पार्टी में चुनाव समिति के प्रमुख ओम पाठक और राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख ने श्री बिट्टू को सदस्यता पर्ची सौंपी तथा गुलदस्ते के साथ अंगवस्त्र पहना कर भाजपा में उनका स्वागत किया। ऐसा अनुमान है कि श्री बिट्टू लुधियाना से भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। श्री तावड़े ने कहा कि श्री बिट्टू के दादाजी सरदार बेअंत सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री रहे।

चुनाव *बसपा ने कई मुस्लिम बहुल सीटों पर उतारे हैं हिंदू उम्मीदवार*

भाजपा पर भारी पड़ सकती मायावती की रणनीति

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। वैसे तो विपक्षी दल खासकर सपा आरोप लगाती है कि बसपा अब भाजपा की बी टीम बन गई है। लेकिन लोकसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती ने टिकटों के बंटवारे को लेकर जो रुख दिखाया है, इससे सपा का यह आरोप खारिज होता नजर आ रहा है। बसपा की रणनीति भाजपा पर ज्यादा भारी पड़ सकती हैं।

बसपा ने अभी तक यूपी में 25 उम्मीदवारों की घोषणा की है। बसपा की यह सूची पश्चिम से लेकर पूर्वांचल तक इंडिया गठबंधन से ज्यादा भाजपा की सियासी गणित को कमजोर करती नजर आ रही है। बसपा ने कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मेरठ, बागपत, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, फिरोजाबाद, अकबरपुर, फतेहपुर सिकरी और अयोध्या जैसी सीटों पर भाजपा के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। बसपा ने कई मुस्लिम बहुल सीटों पर हिंदू उम्मीदवार उतार दिए हैं, जिससे भाजपा का गणित गड़बड़ा सकता है। कैराना सीट पर बसपा ने राजपूत समुदाय से श्रीपाल सिंह राणा पर दांव लगाया है तो सपा ने मुस्लिम गुर्जर इकरा हसन और भाजपा ने हिंदू गुर्जर प्रदीप चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। यहां बसपा ने सपा के बजाय भाजपा की मुसीबत ज्यादा बढ़ाई है।

■ बसपा ने उप्र में अभी तक 25 उम्मीदवारों की घोषणा की

भाजपा मतों में कर सकते हैं सेंधमारी

मेरठ में बसपा ने त्यागी समुदाय, सपा ने दलित और भाजपा ने रामायण के अरुण गोविल को उम्मीदवार घोषित किया हैं। यहां भी बसपा के त्यागी भाजपा मतों में सेंधमारी कर सकते हैं। बागपत में बसपा ने वैश्य, सपा और रालोद ने जाट उम्मीदवार उतारा है। इसके अलावा बसपा ने मथुरा, फतेहपुर सिंकरी, फिरोजाबाद, अकबरपुर, कानपुर, इटावा और अयोध्या ब्राह्मण या सवर्ण उम्मीदवार उतारा है, जो भाजपा का ही खेल बिगाड़तें दिख रहे हैं।

देश

उवाच "मुख्य चुनाव आयुक्त लोकसभा चुनाव में संघीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ हस्तक्षेप करें। समान अवसर सुनिश्चित करना न केवल एक प्रशासनिक कर्तव्य है बल्कि लोकतंत्र के लिए एक नैतिक अनिवार्यता है।

–जी निरंजन, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	22.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	30.0	24.0
चेन्नई	30.0	27.0

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए लोस चुनाव में करो या मरो जैसी स्थिति

■ पिछले लोस चुनाव में कांग्रेस को 6.36 फीसदी वोट हुए थे हासिल ■ 2022 के विस चुनावों में पार्टी का वोट शेयर घटकर 2.33 प्रतिशत रह गया

लखनऊ, 26 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश को एक समय कांग्रेस पार्टी का गढ़ माना जाता था। अमेठी और रायबरेली निर्वाचन क्षेत्रों ने हमेशा गांधी-परिवार के लोगों को संसद भेजा। हालांकि, कांग्रेस अब लोकसभा में केवल एक सांसद और 403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधान सभा में केवल दो विधायक तक सिमट कर रह गई है। इस लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी में आत्मविश्वास और नेतृत्व की कमी है, साथ ही उम्मीदवार भी नहीं मिल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद में फिलहाल कांग्रेस का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यूपी में 6.36 फीसदी वोट मिले थे। इन चुनावों में सबसे बड़ा झटका यह था कि पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को अमेठी में हार का सामना करना पड़ा, जहां पिछले चुनाव में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी विजयी हुई थीं। कार्यकर्ता निराशा में डूब गए और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों में पार्टी का वोट शेयर घटकर मात्र 2.33 प्रतिशत रह गया।

उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य जिसने देश को नौ प्रधानमंत्री दिए

अगर इस बार पार्टी का प्रदर्शन और गिरता है तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई प्रतिनिधित्व नहीं रह जाएगा। यह एक ऐसा राज्य है, जिसने देश को 9 प्रधानमंत्री दिए हैं। कांग्रेस की किस्मत 2009 से ख़राब होती जा रही है जब पार्टी ने 21 सीटें जीतीं थी। 2014 में उसे केवल दो सीटें और 2019 के लोकसभा चुनाव में एक सीट मिली। यूपीसीसी के एक पूर्व अध्यक्ष, जिन्होंने नाम न छापने की शर्त पर आईएएनएस से बातचीत में कहा कि समस्या यह है कि यूपी में उम्मीदवारों का मार्गदर्शन करने या उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए कोई नहीं है। यूपीसीसी अध्यक्ष अजय राय खुद एक उम्मीदवार हैं।

साथ ही अभियान की कोई दिशा भी नहीं है। अन्य सभी पार्टियों ने अपना प्रचार अभियान तैयार कर लिया है, लेकिन हमारे उम्मीदवार अंधेरे में भटक रहे हैं। हर चुनावी अंकगणित में सबसे पुरानी पार्टी के खिलाफ खड़े होने के साथ, क्या कांग्रेस असंभव काम कर सकती है और देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य में अपनी स्थिति को पुनर्जीवित कर सकती है।

उप्र में अपनी सीटें बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती

कांग्रेस को राजनीतिक समीकरणों को साधने और जीतने की क्षमता का मूल्यांकन करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वह 2024 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है।

कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती न केवल रायबरेली को बचाना है, बल्कि उत्तर प्रदेश में अपनी सीटें बढ़ाना भी है। पार्टी को अभी दो प्रमुख संसदीय (अमेठी और रायबरेली) निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करना बाकी है। अभी तक यह पता नहीं चला है कि गांधी परिवार का कोई सदस्य इन सीटों पर चुनाव लड़ेगा या नहीं। सोनिया गांधी 2019 में उत्तर प्रदेश में जीतने वाली एकमात्र कांग्रेस उम्मीदवार थीं। उन्हें रायबरेली में 55.78 प्रतिशत वोट मिले। राहुल गांधी 43.84 फीसदी वोटों के साथ अमेठी में स्मृति ईरानी से हार गए थे। ईरानी ने 49.69 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की।

महा विकास अघाड़ी का सीटों का आबंटन लगभग पूरा : पाटिल

कोल्हापुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद पवार (राकांपा-सपा) के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने मंगलवार को कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सहयोगियों राकांपा (सपा), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच सीटों के आबंटन को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है। पाटिल ने कहा कि एमवीए में अब भी दो से तीन लोकसभा सीटों को लेकर सहमति नहीं बन सकी है और एक-दो दिन में इस पर फैसला ले लिया जाएगा। वंचित बहुजन अघाड़ी प्रमुख प्रकाश अंबेडकर की ओर से दिए गए अल्टीमेटम पर उन्होंने कहा कि एमवीए चाहता है कि वीबीए उनके साथ आए और इस मुद्दे पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आगामी लोस चुनावों के लिए महायुति के नारे '45 प्लस' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे संबंधित पार्टी कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों का विश्वास जीतने के लिए इस नारे के साथ आये हैं, हालांकि, कोल्हापुर और सतारा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की धारणा को भांपते हुए एमवीए को इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत हासिल करने का भरोसा है। ऐसे में महाराष्ट्र में '45 प्लस' सीटें हासिल करने की महायुति की उम्मीदों पर पानी फिर जाएगा। राकांपा (सपा) प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी श्रीमंत छत्रपति शाहू महाराज को पूरा समर्थन देगी, जो कांग्रेस पार्टी के टिकट पर कोल्हापुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

बिहार में जीत की हैट्रिक लगाने उतरेंगे भाजपा के पांच सांसद

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पांच सांसद चुनावी रणभूमि में हैट्रिक लगाने के लिए उतरेंगे वहीं तीन सांसद जीत का चौका लगाने की फिराक में हैं। बिहार के लिए भाजपा ने अपने सभी 17 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार महाराजगंज संसदीय सीट से जनार्दन सिंह सिग्रीवाल सारण से राजीव प्रताप रूडी, उजियारपुर से नित्यानंद राय, पाटलिपुत्र से राम कृपाल यादव और आरा से आर. के. सिंह सियासी पिच पर हैट्रिक लगाने की जुगत में हैं। इन सभी उम्मीदवार ने भाजपा के टिकट पर लगातार 2014 और वर्ष 2019 में जीत का परचम लहराया था। इन सबके साथ ही राजग के प्रमुख घटक दल जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के टिकट पर पूर्णिया से संतोष कुशवाहा जीत की हैट्रिक लगाने के लिए चुनावी समर में उतरेंगे। संतोष कुश्वाहा ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में लगातार दो बार जदयू के टिकट पर जीत का परचम लहराया था। वहीं, भाजपा के टिकट पर पश्चिम चंपारण से डॉ. संजय जयसवाल, पूर्वी चंपारण से राधा मोहन सिंह और औरंगाबाद से सुशील कुमार सिंह जीत का चौका लगाने की जुगत में हैं। पश्चिम चंपारण से डॉ. संजय जयसवाल और पूर्वी चंपारण से राधा मोहन सिंह ने लगातार तीन बार भाजपा के टिकट पर 2009, 2014 और 2019 में जीत हासिल की। हालांकि औरगांबाद से सुशील कुमार सिंह वर्ष 2009 में जदयू और वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुए। नालंदा संसदीय सीट से जदयू के टिकट पर नालंदा से कौशलेंद्र कुमार सियासी पिच पर जीत का चौका लगाने की फिराक में हैं। कौशलेन्द्र कुमार वर्ष 2009, 2014 और 2019 में लगातार तीन बार जदयू के टिकट पर विजयी बने थे। सीटों के तालमेल के तहत लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के कोटे से भाजपा के हिस्से में आई नवादा सीट पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सी.पी.ठाकुर के पुत्र और राज्यसभा सासंद विवेक ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। विवेक ठाकुर पहली बार लोकसभा के चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

■ जीत का चौका लगाने की फिराक में हैं पार्टी के तीन सांसद

सार संक्षेप

अजित ने की राकांपा के पहले उम्मीदवार की घोषणा

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-अजित (राकांपा-अजित) प्रमुख एवं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के पहले उम्मीदवार के रूप में मौजूदा सांसद सुनील तटकरे के नाम की घोषणा की। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को यहां हुई राकांपा की बैठक में अजित पवार ने यह घोषणा की। तटकरे रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से आम चुनाव लड़ेंगे।

पौड़ी से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने किया नामांकन

पौड़ी। उत्तराखंड की गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी ने मंगलवार को नामांकन पत्र भरा। राज्य की सभी पांच सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। अनिल बलूनी ने पौड़ी के कलेक्ट्रेट ऑफिस में नामांकन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और राज्य में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत समेत उत्तराखंड भाजपा के कई बड़े नेता मौजूद रहे। नामांकन से पहले एक रोड़ शो भी किया। इसमें केंद्र व राज्य के नेताओं ने जमकर शक्ति प्रदर्शन किया।

बसंत कुमार बने आंतरिक मणिपुर से भाजपा उम्मीदवार

इंफाल। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को मणिपुर के शिक्षा मंत्री बसंत कुमार सिंह को आंतरिक मणिपुर लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार नामित किया। भाजपा ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री आरके रंजन को हटा दिया और आंतरिक मणिपुर सीट से चुनाव लड़ने के लिए भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी बसंत को चुना। वैसे इसी सीट के लिए नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं कांग्रेस के डॉ. अकोइजाम बिमोल, एमपीपी के आरके सोमेंद्र, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सोतिनकुमार व आरपीआई के महेश्वर पहले ही चुनाव प्रचार शुरु कर चुके हैं। भाजपा बाहरी मणिपुर सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी लेकिन एनपीएफ उम्मीदवार जिमिक का समर्थन करेगी।

स्टार प्रचारकों के साथ बातचीत कर रही भाजपा : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि भाजपा लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारकों के साथ बातचीत कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को चुनाव प्रचार के दौरान हंगल तालुक के मसानाकट्टे गांव में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप के अभियान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सुपरस्टार के साथ बातचीत चल रही है। पार्टी जल्द ही सब कुछ तय कर लेगी। हम अन्य हस्तियों से भी बातचीत कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से नकुलनाथ ने भरा नामांकन

छिंदवाड़ा, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की सबसे हॉट सीट में से एक छिंदवाड़ा से कांग्रेस के उम्मीदवार नकुलनाथ ने मंगलवार को नामांकन भर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने छिंदवाड़ा की जनता पर विश्वास जताते हुए कहा है कि कांग्रेस ने दूसरी बार नकुलनाथ को उम्मीदवार बनाया है, यह उनका परिवार है।

■ दूसरी बार चुनावी मैदान में आजमा रहे भाग्य

उन्होंने मंगलवार की सुबह अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के साथ शिकारपुर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। उसके बाद नकुलनाथ अपने पिता कमलनाथ के साथ निर्वाचन कार्यालय पहुंचे और नामांकन दाखिल किया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें छिंदवाड़ा की जनता पर विश्वास है। यह उनका परिवार है। छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र कमलनाथ और उनके परिवार का गढ़ माना जाता है। वर्ष 1980 के बाद हुए लोकसभा के 12 चुनाव में सिर्फ एक बार हार का सामना करना पड़ा है। कमलनाथ यहां से नौ बार निर्वाचित हुए हैं, वही उनकी पत्नी अलका नाथ तथा नकुलनाथ एक-एक बार निर्वाचित हुए हैं। नकुलनाथ दूसरी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ ने नथन शाह को 37 हजार से ज्यादा वोटों से परास्त किया था। इस बार चुनाव में नकुलनाथ का मुकाबला भाजपा के विवेक बंटी साहू से है जो विधानसभा चुनाव में हारे हैं।

चुनाव से पहले बंगाल में सीएपीएफ की तैनाती

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) टीम की गतिविधियों की रिपोर्ट इस माह के अंत से निर्वाचन आयोग को रोजाना भेजी जाएगी। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि 29 मार्च से पहले तैनात कर्मियों की गतिविधियों की रिपोर्ट रोजाना सुबह 10 बजे ईसीआई के कार्यालय में पहुंच जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों के लिए चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक अपनी रिपोर्ट सीईओ के कार्यालय को भेजेंगे और सीईओ उन्हें संकलित कर ईसीआई को भेजेंगे। सीईओ कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए दैनिक रिपोर्ट मांगी जा रही है कि पहले से तैनात सीएपीएफ कर्मी अच्छी तरह से काम करें ताकि किसी भी समय उत्पन्न होने वाली स्थिति में उनका सर्वोत्तम उपयोग किया जा सके। सूत्रों ने यह भी कहा कि दैनिक रिपोर्ट के प्रस्तावित अभ्यास का उद्देश्य राजनीतिक दलों के एक वर्ग की शिकायतों से बचना भी है कि सीएपीएफ कर्मियों को निष्क्रिय रखा गया था और चुनाव पूर्व हिंसा से बचने के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया गया था।

■ निर्वाचन आयोग को रोजाना भेजी जाएगी रिपोर्ट

सात चरण में होने हैं चुनाव

पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं और इनके लिए सात चरणों में मतदान होगा। 19 अप्रैल को पहले चरण में उत्तर बंगाल की कूचबिहार, अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी सीटों पर चुनाव होंगे। दूसरे चरण में 26 अप्रैल को दार्जिलिंग, रायगंज और बालुरघाट निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा। 7 मई को तीसरे चरण में मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर और मुर्शिदाबाद लोकसभा सीट पर मतदान होगा।

13 मई को चौथे चरण में बहरामपुर, कृष्णानगर, राणाघाट, बर्धमान पूर्व, बर्धमान-दुर्गापुर, आसनसोल, बोलपुर और बीरभूम लोकसभा सीट पर वोट डाले जाएंगे। 20 मई को पांचवें चरण में बनगांव, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेरिया, श्रीरामपुर, हुगली और आरामबाग सीट पर चुनाव होंगे।

25 मई को छठे चरण में तमलुक, कांथी, घाटल, झाड़ग्राम, मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुरा और बिष्णुपुर सीट पर वोट डाले जाएंगे। 1 जून को सातवें और अंतिम चरण में दमदम, बारासात, बशीरहाट, जयनगर, मथुरापुर, डायमंड हार्बर, जादवपुर, कोलकाता दक्षिण और कोलकाता उत्तर सीट पर वोटिंग होगी।

इस सप्ताह अन्य 27 कंपनियों को किया जाएगा तैनात

पश्चिम बंगाल में पहले से ही सीएपीएफ कर्मियों की 150 कंपनियां विभिन्न इलाकों में तैनात हैं और चालू सप्ताह के दौरान अन्य 27 कंपनियां राज्य में आने वाली हैं। 27 कंपनियों में से, अधिकतम तैनाती 15 कंपनियों के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की होगी। इसके बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सात और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पांच कंपनियां होंगी। चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए पहले ही पश्चिम बंगाल में सीएपीएफ की 920 कंपनियों की तैनाती निर्धारित कर दी है। ये सभी भारतीय राज्यों (जम्मू और कश्मीर सहित) में सबसे अधिक है। आयोग ने इस महीने की शुरुआत में चुनाव और मतगणना की तारीखों की घोषणा होने से पहले ही सीएपीएफ कंपनियों की तैनाती शुरू कर दी थी।

झारखंड में नोटा का रहा अहम किरदार

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में पिछले दो लोकसभा चुनावों के वोटिंग ट्रेंड में नोटा% एक बड़े किरदार के तौर पर उभरा है। वर्ष 2019 में राज्य में मताधिकार का इस्तेमाल करने वालों में 1.26 फीसदी ने नन ऑफ द एबव (नोटा) के विकल्प को चुना था। इस कारण 69 फीसदी प्रत्याशी पिछड़ गए थे। इससे पहले 2014 के चुनाव में 57 फीसदी प्रत्याशी नोटा से पिछड़ गए थे। 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मतदाताओं के सामने यह विकल्प भी है कि अगर वह चुनाव में खड़े प्रत्याशियों में से किसी को वोट न देना चाहें तो वह ईवीएम पर नोटा बटन दबा सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 सीटों में चार सीटों गोड्डा, गिरिडीह, खूंटी और सिंहभूम में विजेता और उपविजेता के बाद नोटा को सबसे अधिक वोट मिले थे। इस चुनाव में कुल 229 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें से कुल 159 को नोटा की तुलना में कम वोट मिले थे। इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में चुनाव लड़ने वाले 240 में से 137 प्रत्याशी ऐसे थे जो नोटा से पिछड़ गए थे। झारखंड में सबसे ज्यादा सिंहभूम सीट पर 2.7 फीसदी मतदाताओं ने नोटा बटन का इस्तेमाल किया था। इससे पहले 2014 के चुनाव में इस सीट पर 3.4 फीसदी मतदाताओं ने यह विकल्प चुना था। यह सीट आदिवासियों के लिए आरक्षित है। चतरा, गिरिडीह, गोड्डा और कोडरमा सीट में 2014 की तुलना में 2019 में नोटा के वोट शेयर में इजाफा देखा गया, जबकि बाकी दस सीटों पर इसमें गिरावट दर्ज की गई।

2019 में 69 फीसदी प्रत्याशी पिछड़े

कोडरमा सीट पर सबसे ज्यादा 31,164 ने चुना था नोटा

संख्या के लिहाज से देखें तो पिछले चुनाव में राज्य में सबसे ज्यादा कोडरमा सीट पर सबसे ज्यादा 31,164 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया था। इसके बाद सिंहभूम में 24,270 और खूंटी में 21245 मतदाताओं ने यही विकल्प चुना था। रांची और धनबाद में सबसे कम 0.35 फीसदी वोटरों ने नोटा बटन दबाया था।

बीजद के पूर्व विधायक भाजपा में शामिल

भुवनेश्वर, 26 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व विधायक पूर्ण चंद्र सेठी मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। खलीकोट विधानसभा सीट से दो बार बीजद विधायक रहे सेठी ने बीजद और राज्य परिषद की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया।

बीजद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद, वह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हो गए। सेठी ने वर्ष 2009 और 2014 में खलीकोट विधानसभा सीट से बीजद के टिकट पर जीत दर्ज की थी। इसके बावजूद, उन्हें 2019 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के टिकट से वंचित कर दिया गया था, लेकिन आश्वासन दिया गया था कि 2024 के विधानसभा चुनावों में उनकी उम्मीदवारी पर विचार किया जाएगा।

भोपाल में कांग्रेस ने नौवीं बार नए चेहरे पर लगाया दांव

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीते नौ चुनाव से भारतीय जनता पार्टी लगातार जीत दर्ज करती आ रही है। वहीं, कांग्रेस भाजपा के विजय अभियान को रोकने के लिए लगातार नए चेहरों पर दाव लगा रही है। बीते दो चुनाव की तरह इस बार भी नए चेहरे को राजधानी का नेतृत्व करने का मौका मिलना तय है क्योंकि दोनों ही प्रमुख दलों भाजपा और कांग्रेस ने नए चेहरे पर दांव लगाया है।

आगामी लोकसभा चुनाव के लिए इस सीट से भाजपा ने जहां आलोक शर्मा को मैदान में उतारा है, वही कांग्रेस की ओर से अरुण श्रीवास्तव मैदान में हैं। दोनों पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इनके बीच सीधी टक्कर तय है। भोपाल संसदीय क्षेत्र के इतिहास पर गौर करें तो वर्ष 1991 से हुए आठ चुनावों के नतीजों से एक बात साफ हो जाती है कि इन सभी चुनावों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। कांग्रेस लगातार नए चेहरों को सामने लाई, मगर उसके खाते में हार ही आई। कांग्रेस ने 1991 से हुए चुनाव में नए चेहरे के तौर पर मंसूर अली खान पटौदी, कैलाश अग्निहोत्री, आरिफ बेग, सुरेश पचौरी, साजिद अली, सुरेंद्र सिंह ठाकुर, पी.सी. शर्मा, दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेताओं को मैदान में उतारा और यह सभी पहली बार भोपाल से भाजपा के खिलाफ मुकाबला करने उतरे। सभी को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भाजपा ने 2014 के बाद लगातार नए चेहरों को मौका दिया है।

■ कांग्रेस से अरुण श्रीवास्तव व भाजपा से आलोक शर्मा चुनाव मैदान में

प्रक्रिया *उधमपुर-डोडा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार*

कोई भी क्षेत्रीय पार्टी इस सीट पर नहीं बजा पाई जीत का डंका

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 26 मार्च (देशबन्धु)। आपको यह जानकर हैरानगी होगी की प्रदेश में उधमपुर-डोडा लोकसभा सीट से अभी तक जीत हासिल करने वालों का संबंध इन दो जिलों से कभी नहीं रहा है बल्कि वे या तो कठुआ जिले के निवासी थे या फिर जम्मू जिले के।

चूंकि उधमपुर-डोडा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र पर चुनाव प्रक्रिया जारी है और उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं, इतिहास बताता है कि उधमपुर और डोडा जिलों से एक भी उम्मीदवार ने इस सीट से संसदीय चुनाव नहीं जीता है। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, जीतने वाले उम्मीदवार या तो कठुआ जिले से या जम्मू से इसलिए रहे हैं क्योंकि राजनीतिक दल इन क्षेत्रों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते रहे हैं। हालांकि कभी-कभी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस जैसी पार्टियों ने पूर्ववर्ती जिले डोडा से अपने उम्मीदवार उतारे थे लेकिन वे जीतना तो दूर मुकाबला भी नहीं कर पाए हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र कठुआ जिले के लखनपुर से लेकर किश्तवाड़ जिले के मारवाह और वारवान इलाकों तक फैला हुआ है। यह क्षेत्रफल के लिहाज से सबसे बड़े लोकसभा क्षेत्रों में से एक है और यहां 10 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। वर्तमान में इसमें पांच जिले कठुआ, उधमपुर, रामबन, डोडा और किश्तवाड़ शामिल हैं जबकि इसमें 20 विधानसभा क्षेत्र हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र की स्थापना 1957 में हुई थी और जम्मू से इंद्रजीत मल्होत्रा कांग्रेस पार्टी के टिकट पर विजयी हुए थे। इसके बाद 1967 में पूर्व सदर-ए-रियासत और कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार करण सिंह ने जीत हासिल की. वह भी जम्मू से थे। वर्ष 1968 में एक और लोकसभा चुनाव हुआ और कांग्रेस पार्टी जीएस ब्रिगेडियर, जो जम्मू से थे, को मैदान में उतारकर यह सीट जीतने में कामयाब रही।

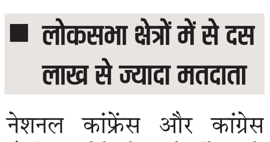

■ लोकसभा क्षेत्रों में से दस लाख से ज्यादा मतदाता

अगर लोकसभा चुनावों के रिकार्ड को देखें तो 1971, 1977 और 1980 के चुनावों के दौरान, करण सिंह फिर से सीट हथियाने में कामयाब रहे, लेकिन इसके बाद 1984 में कांग्रेस पार्टी ने कठुआ के हीरानगर क्षेत्र से गिरधारी लाल डोगरा को जनादेश दिया और वह विजयी हुए। 1989 में, कांग्रेस पार्टी के एक अन्य उम्मीदवार धर्म पाल ने इसे जीता और वह भी जम्मू से थे। इसी तरह से 1996 के चुनावों के बाद, उधमपुर सीट पर लोकसभा चुनाव देश के आम चुनावों के साथ नहीं हुए क्योंकि इन्हें अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया गया था। जब केंद्र में भाजपा की सरकार सिर्फ 13 दिन ही चली थी, तब उधमपुर सीट पर वोटिंग हुई और भाजपा के चमन लाल गुप्ता ने जीत हासिल की। फिर वे वर्ष 1998 और 1999 में होने वाले चुनावों में फिर से विजयी हुए। गुप्ता जम्मू के ही निवासी थे।

यह सिलसिला थमा नहीं था और 2004 में, कांग्रेस पार्टी ने मुफ्ती मुहम्मद सईद के नेतृत्व वाली कांग्रेस-पीडीपी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री चौधरी लाल सिंह को इस सीट से मैदान में उतारा और उन्होंने जीत हासिल की। सिंह ने 2009 में इसे फिर से जीता।

उल्टा पुल्टा

टीचर ने गधे के सामने एक दारू की और एक पानी की बाल्टी रख दी। गधा पानी पी गया। टीचर स्टूडेंट से : तुमने इससे क्या सीखा ?
स्टूडेंट्स : जो दारू नहीं पीता वो गधा होता है।

दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाएं होंगी बेहतर, सीएम ने ईडी रिमांड से दिया दूसरा आदेश

स्वास्थ्य सेवाओं में नहीं आएगी कोई कमी : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाओं को जल्द ठीक कर दिया जाएगा। इन समस्याओं को दूर करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रिमांड से आदेश दिया है। दिल्ली में पानी और सीवर की समस्या के बाद यह उनका दूसरा आदेश हैं। उनके आदेश के बाद दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया।

मंगलवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीएम केजरीवाल को ऐसी सूचना मिली कि कई जगह पर मोहल्ला क्लीनिक की सुविधा प्रभावित हो रही है। यहां पर दवा व जांच प्रभावित हो रही हैं। इस समस्याओं को जल्द दूर करने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री के आदेश के बार विभाग की पूरी टीम इस दिशा में काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से दिल्ली की जनता को आश्वस्त कर देना चाहता हूं, कि दिल्ली की जनता को स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री समय-समय पर दिल्ली के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के संबंध में मुझ से जानकारियां लेते रहते थे। समय-समय पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के संबंध में उनको जो शिकायतें मिलती थी, उन शिकायतों को दुरुस्त करने के निर्देश उनकी ओर से पहले भी मिलते रहते थे ।

सीएम केजरीवाल को ऐसी सूचना मिली कि कई जगह पर मोहल्ला क्लीनिक की सुविधा प्रभावित हो रही है : सौरभ भारद्वाज

चूक नहीं होगी बर्दाश्त

भारद्वाज ने कहा कि किसी भी प्रकार की कोताही स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बर्दाश्त नहीं होगी। सीएम औचक निरीक्षण से संबंधित वीडियो वह लगातार देखते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री आज जेल में है, परंतु आज भी उनको खुद से ज्यादा दिल्ली की जनता की चिंता है, दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य की चिंता है।

विधानसभा का विशेष सत्र आज

दिल्ली सरकार ने बुधवार को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दिल्ली विधानसभा का सत्र बुलाया है। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्य सचिव को आदेश दिए। इसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में मुफ्त दवाइयां, जांच सहित अन्य की पूरी जानकारी देने को कहा है। साथ ही यदि किसी जगह पर मुफ्त दवा या जांच की सुविधा नहीं मिल रही तो उन समस्याओं को दूर करने के लिए पूरा प्लान भी देने को कहा है। इस दौरान दिल्ली विधान सभा में दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधा को लेकर चर्चा होगी। चर्चा के बाद स्वास्थ्य मंत्री अपना पक्ष व विधायकों के सवाल का जवाब देंगे।

केजरीवाल के अपने मंत्रियों को दिए गए सभी तथाकथित निर्देश अवैध : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं अधिवक्ता अभय वर्मा और मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शासन के मुद्दों पर दिल्ली के मंत्रियों को आदेश देने पर दिल्ली सरकार के मंत्रियों को दिल्ली की जनता को गुमराह करना बंद करना चाहिए। बीजेपी नेताओं ने कहा है कि सीएम केजरीवाल कोर्ट द्वारा जांच एजेंसी को दी गई हिरासत में हैं इसलिए कानूनी तौर पर वह संबंधित कोर्ट की अनुमति के बिना नोट या पत्र नहीं लिख सकते हैं। सीएम के पास सरकारी खजाने के खर्च पर वकीलों की एक फौज है और वह उन वकीलों से मंत्रियों को लिखे अपने तथाकथित नोट्स और पत्रों की संवैधानिक वैधता पर स्पष्टीकरण मांग सकते हैं, जो हमारी जानकारी के अनुसार कानून के तहत सभी अवैध हैं। दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख ने कहा है कि मंत्री सौरभ भारद्वाज का यह बयान कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में पैथोलॉजिकल परीक्षण सुविधाओं और दवाओं की अनुपलब्धता पर चिंता व्यक्त की है।

केजरीवाल के पास बहुमत व विश्वासमत दोनों, बने रहेंगे मुख्यमंत्री : राय

■ आज आप नेता प्रत्येक पोलिंग बूथ पर करेंगे लोगों से संपर्क

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने नैतिकता के आधार पर दिल्ली के मुख्यमंत्री के इस्तीफे की भाजपा की मांग ठुकराते हुए मंगलवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रिमांड, या उसके बाद जेल जाने की स्थिति में भी, अरविंद केजरीवाल पद पर बने रहेंगे। दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय एजेंसी सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार कर चुकी है और फिलहाल वह रिमांड पर हैं।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अभी हाल ही में विधानसभा के अंदर विश्वास मत हासिल किया था। जिसके पास पूर्ण बहुमत हो और पूरा विश्वासमत हो उसका इस्तीफा आज तक कभी नहीं हुआ। इसके साथ ही राय ने एक बार फिर यह इशारा दिया कि अरविंद केजरीवाल जेल में ही रहकर सरकार चलाएंगे। सीएम केजरीवाल द्वारा ईडी की रिमांड से दिल्ली सरकार के लिए निर्देश भेजे जाने का मुद्दा भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को दूसरा निर्देश रिमांड में रहते हुए जारी किया है। इस बीच दिल्ली सरकार की योजना सचिव निहारिका राय ने एक आधिकारिक नोट जारी किया है। इस नोट में कहा गया है कि दिल्ली के अंदर वेलफेयर के काम जारी रहेंगे। गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली सरकार की अधिकारी के नोट का आश्रय यह है कि मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद भी सरकार जैसी चल रही थी, वैसी ही चलती रहेगी और जनता के काम होते रहेंगे। आप का कहना है कि गिरफ्तारी के खिलाफ 31 मार्च तक वे पूरी दिल्ली में 2,500 से अधिक स्थान पर बैठक करेंगे।

सार संक्षेप

रसना ने तमन्ना भाटिया को बनाया ब्राण्ड एम्बेसडर

नई दिल्ली। गर्मी के साथ ही, हर साल की तरह इस साल भी रसना एक नए अभियान के साथ सामने आई है, जो न केवल उनके 21 विटामिन और मिनरल्स पर प्रकाश डालता है जो हमें ऊर्जावान बनाते हैं, बल्कि उन भावनाओं को भी उजागर करता हैं जो प्यार, खुशी, जोश और सफलता के विटामिन हैं। व्यापक अनुसंधान और उत्पाद स्वाद परिणामों के आधार पर, रसना को वास्तविक फलों के एक्सट्रैक्ट (अर्क) के साथ एक विटामिन, मिलरल और ग्लूकोज पेय के रूप में पुनः तैयार किया गया है। रसना के नए ब्राण्ड अभियान के अनावरण के अवसर पर रसना ग्रुप के चेयरमैन पिरुज खंबाटा ने कहा की हमें बहुत गर्व है कि तमन्ना भाटिया जैसी सेलिब्रिटी भी रसना को अपने बचपन की पसंदीदा होने का समर्थन करने के लिए इतनी उत्सुक थी। इस साझेदारी पर बोलते हुए, अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा कि रसना ब्राण्ड हैं और फिर विरासत है, रसना भारत के दिल से एक ऐसा अच्छा उदाहरण है। मुझे देश के सबसे प्रतिष्ठित ड्रिंक ब्रांड के साथ जुड़ने पर बहुत गर्व है।

पिज्जा हट ने किया अपना बैस्टसैलर मैल्ट्स लॉन्च

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद पिज्जा ब्रांड ने अपने बैस्टसैलर मैल्ट्स को अब भारत में लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारतीय बाजार में इस ब्रांड ने एक नई श्रेणी में कदम रख दिया है। तेज रफ्तार जिंदगी जीने वालों के लिए मैल्ट्स उचित पेशकश है, इसे किसी भी समय कहीं भी खाया जा सकता है। पिज्जा हट इंडियन सबकॉन्टिनेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर मेरिल पेरेरा ने कहा कि मैल्ट्स एक ऐसा प्रोडक्ट है जैसा अब तक भारत में पेश नहीं किया गया है और इसके साथ हमने एकदम नई श्रेणी में कदम रखा है। ऐसा जायकेदार प्रोडक्ट पेश करते हुए हम बेहद रोमांचित हैं जो खाने में इतना सुविधाजनक है कि हमारे जो ग्राहक तेज रफ्तार जिन्दगी जीते हैं वे इसे किसी भी वक्त , कहीं भी खा सकते हैं। स्वादों की विविधता और आकर्षक कीमत के साथ यह मैल्ट्स बेशक पिज्जा हट प्रेमियों को चकित और खुश करेगा। हमें उनकी प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार है।

कौशल आधारित प्रशिक्षण केंद्रों की शुरुआत

नई दिल्ली। एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ ने फेडरेशन यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया के गठजोड़ से फ्यूचर ऑफ वर्क सेंटर प्रोग्राम चलाने के लिए 7 भारतीय विश्वविद्यालयों को शॉर्टलिस्ट किया है। यह कार्यक्रम अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जो वैश्विक कॉर्पोरेट मांगों के अनुरूप स्नातक कर रहे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करता है। यह केंद्र चंडीगढ़, बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में स्थापित किए जा रहे हैं। डॉ. मनीष मल्होत्रा सीईओ एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ के अनुसार फेडरेशन यूनिवर्सिटी और एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ मिलकर भारतीय शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले हजारों छात्र-छात्राओं को नए सिरे से विशेषज्ञता प्रदान कर रहे हैं। यह साझेदारी भारत के अतिरिक्त ऑस्ट्रेलियाई शिक्षण संस्थाओं को भी आगे आने के लिए प्रेरित कर रही है। ऑस्ट्रेलिया की फेडरेशन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर डंकन बेंटले ने कहा कि आज ये एक सच्चाई है की पारंपरिक शिक्षा मॉडल में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाबजूद भी बहुत सारे छात्र किसी वर्कप्लेस पर नौकरी करने के लिए सम्पूर्ण रूप से तैयार नहीं होते।

कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय उनकी नौकरी लेने में तुली है आप सरकार : राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने डोमेस्टिक ब्रीडिंग चेकर्स डीबीसी कर्मचारियों की पीठ में छुरा घोंपने वाला करार दिया है। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों को बिना किसी शर्त के नियमित किया जाना चाहिए था लेकिन आप सरकार उनकी नौकरी लेने में तुली हुई है। उन्होंने कहा कि पहले तो भाजपा के दबाव में आप सरकार ने इनके पदों को डीबीसी की बजाया एमटीएस मल्टी टास्किंग स्टाफ के तौर पर तब्दील करना पड़ा लेकिन अपनी कर्मचारी विरोधी नीति के चलते अब उनकी नियुक्ति में ऐसी शर्तें लगा दी है जिससे इन कर्मचारियों पक्की नौकरी तो क्या इनकी नौकरी भी सुरक्षित नहीं रहेगी। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि भाजपा इसका विरोध करती हैं और महापौर को चेतावनी देती है कि कर्मचारी विरोधी शर्तों को वापस लें नहीं तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी।

कर्मचारी विरोधी शर्तों को वापस लें नहीं तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी : इकबाल सिंह

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि तीन हजार के करीब डीबीसी कर्मचारी हैं, जो अपनी जान जोखिम पर डालकर घर-घर जाकर मच्छरों की उत्पत्ति रोकने में मदद करते हैं। इन कर्मचारियों ने कोरोना के दौरान घर-घर जाकर आपात स्थिति में सैनिटाइजर का छिड़काव भी किया था साथ ही क्वरांटाइन सेंटरों पर भी अपनी सेवाएं दी थी। लेकिन, ठेकेदारी प्रथा को खत्म करने का वादा करके निगम की सत्ता हासिल करने वाली आप सरकार इन कर्मचारियों को नियमित नहीं कर रही है बल्कि उनसे नियुक्ति के लिए जो एफिडेविट लिया जा रहा है उसमें उनसे उनकी वरिष्ठता सूची को समाप्त करने की बात कही जा रही है उन्होंने कहा कि भाजपा शासित नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एनजीएमसी हैं जिसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 4500 से अधिक कर्मचारियों को न केवल नियमित किया है बल्कि उन अनुबंधित कर्मचारियों के लिए भी नियम बनाया है कि उनके स्थान पर कोई स्थायी नियुक्ति नहीं होगी।

■ होली पर्व के अवसर पर शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच करते पुलिसकर्मी।
छाया : इम्तियाज खान

मंगोलपुरी इलाके में संपत्ति विवाद में घायल व्यक्ति ने तोड़ा दम, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर हमलावरों ने जिस व्यक्ति को गोली मारी थी, उसने मंगलवार को दम तोड़ दिया। घटना के दौरान मृतक की मां और बहन को भी गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि उन्होंने इस हमले के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

विनोद, उसकी मां व बहन को गोली लगी है। तीनों को गंभीर हालत में अस्पताल रेफर किया गया : पुलिस उपायुक्त

जिनकी पहचान विवेक और उमेश देवी के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि पहली नजर में यह मामला संपत्ति से संबंधित लगता है, क्योंकि हमले को अंजाम देने के आरोपी ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं। पुलिस ने कहा कि सोमवार सुबह 8.42 बजे मंगोलपुरी पुलिस स्टेशन में रामलीला पार्क के पास एफ-ब्लॉक में गोलीबारी और झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल आई, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को एक व्यक्ति घायल अवस्था में मिला, जिसकी पहचान विनोद के रूप में हुई। उसकी मां मालती और उसकी बहन भी गंभीर रूप से जख्मी हैं।

केजरीवाल का इस्तीफा मांग रहे बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछार

बीजेपी कार्यकर्ता सुबह से ही आईटीओ पर कर रहे थे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर बीजेपी कार्यकर्ताओं को तितर-बितर कर दिया है। बीजेपी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा सहित अन्य कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया है। बीजेपी कार्यकर्ता सुबह से ही आईटीओ पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकोड को तोड़ने के बाद कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय सचिवालय की ओर से रूख किया, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन का उपयोग किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी गई है। हमने कई लोगों को भी हिरासत में लिया है, जिन्हें अभी पास के पुलिस स्टेशनों में भेज दिया गया है। वहीं सभी संवेदनशील इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मकसद से पुलिसबलों को भी तैनात कर दिया गया है।

एक व्यक्ति की हत्या के आठ साल बाद दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में हत्या के एक मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों 2016 से पुलिस की गिरफ्तारी से बच रहे थे। आरोपियों की पहचान कबीर नट उर्फ खलीफा (25) और बब्लू नट (27) के रूप में हुई है। दोनों बिहार के समस्तीपुर जिले के रहने वाले हैं। 2018 में कोर्ट ने दोनों को अपराधी घोषित कर दिया था।

3 जुलाई 2016 को रणहौला पुलिस स्टेशन में सैम बाजार गोमती गार्डन में बरामद हुए शव के संदर्भ में केस दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मृतक की पहचान बंधु राय के रूप में हुई, जो विकास नगर इलाके का रहने वाला था। यह दिल्ली में ठेकेदार के रूप में काम करता था। वहीं परिजनों के बयान के मुताबिक, तीन व्यक्ति, जिनके नाम बब्लू नट, कबीर नट और मोहम्मद असलम है, मृतक के गांव से ही ताल्लुक रखते हैं। दिल्ली में मजदूरी के काम के लिए इन्होंने बंधु राय से मदद मांगी थी।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या–01, सैक्टर नॉलेज पार्क–4, ग्रेटर नोएडा–201310
जिला गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सैक्टर/ग्राम–बिसरख जलालपुर की प्रस्तावित आबादी में आरक्षित भूखण्ड क्षेत्रफल–1030 वर्ग मीटर श्री सत्यपाल पुत्र श्री खडक सिंह, निवासी–ग्राम–बिसरख जलालपुर, गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० को आरक्षित किया गया था। आवंटी श्री सत्यपाल पुत्र श्री खडक सिंह की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री मनोज, अशोक कुमार, सविन्द्र पुत्रगण स्व० श्री सतपाल, निवासी–ग्राम–बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला–गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री मनोज, अशोक कुमार, सविन्द्र पुत्रगण स्व० श्री सतपाल, निवासी–ग्राम–बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला–गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ–पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस सर्वश्री मनोज, अशोक कुमार, सविन्द्र पुत्रगण स्व० श्री सतपाल, निवासी–ग्राम–बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला–गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

मांग

रोमी भाटी ने किया भिखु राम इदाते कमीशन की सिफारिशों को मेनिफेस्टो में शामिल करने की मांग, बोले

जिसकी जितनी संख्या हो उतनी भागीदारी सुनिश्चित करें पार्टियां

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय गुर्जर परिषद ने भिखु राम इदाते कमीशन की सिफारिशों को सभी राजनीतिक दलों से अपने चुनावी मेनिफेस्टो में शामिल करने की मांग की है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश लोहिया ने मंगलवार को कहा कि इदाते कमीशन की सिफारिशों पर सालों से वादा खिलाफी झेल रही है। उन्होंने कहा कि आज भी हम सरकारों से लड़ रहे हैं की हमें अपना हक मिल सके। भारतीय गुर्जर परिषद ने ये भी कहा की सभी राजनैतिक पार्टियों को संख्या बल के आधार पर टिकट बांटनी चाहिए।

वहीं, परिषद के राष्ट्रीय सचिव रोमी भाटी ने कहा कि अभी तक के टिकट बटवारे में गुर्जर समाज की बहुत ज्यादा अनदेखी हुई है। जिन भी लोकसभा सीट पर गुर्जर समाज के लोग बहुतायत में हैं उन सीटों पर गुर्जर प्रत्याशी देना तो दूर, गुर्जर समाज को भरोसे में भी नहीं लिया गया है।

भाटी ने कहा कि पार्टियां जिसकी जितनी संख्या हो उतनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गुर्जर समाज को इस अधिकार की लड़ाई में लंबी लड़ाई लड़नी है और इसके लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा,

आज भी हम सरकारों से लड़ रहे हैं कि हमें अपना हक मिल सके : जगदीश लोहिया

अभी तक के टिकट बटवारे में गुर्जर समाज की बहुत ज्यादा अनदेखी हुई है : रोमी भाटी

हम सरकारों को चेता देना चाहते हैं की उन्हें गुर्जर समाज को अनदेखा करने पर भारी कीमत चुकानी होगी। भाटी ने कहा की गुर्जर बाहुल्य राज्य जैसे की राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, हिमाचल जैसे 13 राज्यों में टिकट बंटवारे पर नजर डालें तो गुर्जर समाज के भागीदारी को नजरअंदाज किया गया है। उधर, परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मवीर बसोया ने कहा की इदाते कमीशन तो पहले भी राजनैतिक दलों ने मेनिफेस्टो में वादे किए थे, लेकिन उसे लागू नहीं किया। हमारी कोशिश रहेगी की फिर से इसे चुनावों में मुद्दा बनाया जाए और अगले पांच साल इसे लागू करने पर सरकारों को विवश किया जाए। बसोया ने कहा कि मैं सभी सरकारों को चेतावनी देना चाहता हूं की अगर यही हालात रहे तो आगामी लोकसभा चुनावों में राजनीतिक दलों को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या 230-TRS-GZB-2023-24-07 के आधार पर ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

कार्य का विवरण	'Dismantling and Overhauling of ELGI make RR20100 and RR20100 CG(M) type compressor of 3-phase locomotive for a period of 24 months at Electric Loco Shed, Ghaziabad.
कार्य की अनुमानित लागत	Rs.46,02,490.80
धरोहर राशि	Rs.92,100.00
निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समय	05.04.2024 (11:00 Hrs.)
निविदा खोलने की तिथि और समय	05.04.2024 (After 11:00 Hrs.)
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

नोट (i) निविदाकर्ता को ई–निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट प्रणाली **(IREPS)** साइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत होना चाहिए।
(ii) सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
(iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नही है।
संख्या : **230-TRS-GZB-2023-24-07 दिनांक: 14.03.2024** 922/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "इस तरह से वीडियो वायरल करना और स्टंट करना अपनी जिंदगी को खतरे में डालने जैसा है। थाना सेक्टर-113 में पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही स्कूटी नंबर के आधार पर इनकी तलाश की जा रही है : **विद्या सागर मिश्र, डीसीपी**

24 घंटे बाद भी धधक रही डंपिंग ग्राउंड की आग

15 गाड़ियां 225 बार लगा चुकी चक्कर, फिर भी आग पर नहीं काबू

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा के सेक्टर-32 डंपिंग ग्राउंड में लगी आग 24 घंटे से ज्यादा बीतने के बाद भी धधक रही है। इस मैदान के लेवल को बराबर करने के लिए इसे कूड़े से पाटा गया था। यहां बड़े-बड़े गड्ढ़ों में कूड़ा भरकर उसे पाटा गया था। इन्हीं गड्ढ़ों में आग लगी। आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। अब तक 15 गाड़ियां 225 बार चक्कर लगा चुकी है।

आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। इस आग की वजह से आस-पास में रहने वाले लोग भी काफी परेशान हो गए हैं। जनता को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार शाम 7 बजे से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं। रात में आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन अब तक कूड़ा सुलग रहा है। यहां से धुआं उठ रहा है। इससे आस-पास के लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

- यहां होर्टिकल्चर वेस्ट को किया जाता है डंप
- पिछले साल भी इसी समय लगी थी आग, बुझाने में लगे थे 6 दिन

पूरी तरीके से काबू करने में लग सकता है समय

चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे का कहना है कि नोएडा की टीम मौके पर है। अभी तक करीब 15 से ज्यादा गाड़ियां 225 बार चक्कर लगा चुकी है। लगातार आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। कूड़ा होने की वजह से एक स्थान पर बुझाते है, दूसरे स्थान पर चिंगारी उठ जाती है। इसलिए गड्ढ़ों के अंदर तक पानी का छिड़काव किया जा रहा है। ताकि आग को पूरी तरह से बुझाया जा सके।

आग बुझाने में लग सकते है दो दिन

इस आग को बुझाने में दो दिन और लग सकते है। दरअसल यहां गड्ढ़ों में हार्टिकल्चर का वेस्ट डाला जाता है।

इसी वेस्ट में आग लगी है। तेज हवा चलने से एक बार आग बुझाने के बाद चिनगारी से दोबारा यहां आग पकड़ रही है। इसलिए बार बार पानी का छिड़काव किया जा रहा है।

सात जेसीबी और पानी के टैंकर मंगवाए गए

आग को बुझाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से यहां सात जेसीबी लगाए गए है। इनकी मदद से गड्ढ़ों को खोदा जा रहा है। ताकि आग को अंदर से बुझाया जा सके। इसके अलावा पानी के टैंकर लगाए गए है। सीएफओ ने बताया कि ये आग लगाई गई है। क्योंकि पिछले साल भी इसी समय लग लगी थी और उसे बुझाने मे करीब एक सप्ताह का समय लग गया था।

इन सेक्टरवासियों को हो रही दिक्कत

सिटी सेंटर के पास सेक्टर- 34, 35, 25,जलवायु विहार सेक्टर-41,50 के अलावा और कई सेक्टर है। धुआं इतना ज्यादा है कि यहां खड़े तक दूभर है। वेस्ट होने की वजह से धुआं घरों के अंदर जा रहा है। इससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे गाजियाबाद

गाजियाबाद, 26 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर-प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गाजियाबाद आएंगे। वह भाजपा आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सम्बोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों को लेकर नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में गाजियाबाद से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग भी पहुंचे। उनके कार्यालय पर प्रथम आगम पर पुष्प वर्षा के साथ कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। भाजपा अध्यक्ष संजीव शर्मा ने पटका पहनाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। बैठक में महानगर पदाधिकारी मंडल के अध्यक्ष और मंडल प्रभारी सभी से अपने अपने क्षेत्र के डॉक्टर इंजीनियर सीए, व्यापारी आदि की सूची के बाबत गहन चर्चा वार्ता की गई। कार्यक्रम की सफलता के लिए बैठक में व्यवस्थाओं का आवंटन भी किया गया। जिसमें महानगर पदाधिकारी मोर्चा एवं मंडल के प्रमुख कार्यकर्ताओं को कार्यभार सौंपा गया। संजीव शर्मा ने बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को बताया कि सम्मेलन में कोई भी बिना पास के एंट्री नहीं होगी और सभी को 2:30 बजे से पहले ही प्रवेश करना होगा। लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं के साथ परिचय करते हुए अपने संबोधन में कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने आप को भाजपा का प्रत्याशी अतुल गर्ग समझे। ये टिकट कार्यकर्ता का सम्मान है। आपको अपने मोहल्ले अपने क्षेत्र में खड़े होकर खुद ही अतुल गर्ग बनकर चुनाव को संभालना है। मतदान कराना है।

- आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यालय पर हुई बैठक, प्रत्याशी अतुल गर्ग का किया स्वागत

बैठक में लोकसभा चुनाव संयोजक अजय शर्मा, जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान, सुशील गौतम, गोपाल अग्रवाल, राजेश त्यागी, रनिता सिंह, बॉबी त्यागी, संदीप त्यागी, राजेन्द्र यादव, सुनील यादव, संजीव चौधरी, विनय चौधरी, मोनिका पंडिता, चमन चौहान, कुलदीप त्यागी, संजय रावत, बीएल गौतम संजय कांत शर्मा, रेनू चंदेला, भक्ति सिंह, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी सहित समस्त मोर्चा अध्यक्ष सहित सभी मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक का समापन जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ने किया।

सार संक्षेप

जिला बदर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

नोएडा। तमंचा और कारतूस के साथ जिला बदर हिस्ट्रीशीटर को फेज दो पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्त में आए आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थाने में 18 केस दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर एसके 2 सोसाइटी के अंदर जाने वाले रास्ते से विक्की उर्फ बिल्ली उर्फ मानिकचंद्र को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। विक्की को अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था की कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2023 को नोटिस तामील कराकर जिला बदर किया था। न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए आरोपी विक्की गौतमबुद्ध नगर जिले की सीमा में मौजूद मिला। वह वर्तमान में गांव गेझा में रह रहा था।

मकान पर अवैध कब्जा करने से रोकने पर युवक को पीटा

नोएडा। निठारी गांव स्थित मकान पर अवैध रूप से कब्जा करने का विरोध करने पर आरोपियों ने दंपती के साथ मारपीट की और नकदी और गहने समेत अन्य सामान लूटकर फरार हो गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत सेक्टर-20 पुलिस से की है। शिकायत में निठारी गांव की पूनम ने बताया कि उसके पड़ोस में आपराधिक प्रवृत्ति के गिरवर और ब्रिजेश रहते हैं। आरोप है कि ये लोग उसके घर पर कब्जा करना चाहते हैं। कुछ दिन पहले आरोपियों ने पीड़िता के घर पर कब्जा करने का प्रयास किया था। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़िता और उसके पति के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी थी। यही नहीं 18 मार्च को आरोपियों के साथ कपिल और क्रिस अपने हाथ में डंडा, लोहे का सरिया व रॉड लेकर आ गए। चारों ने पूनम और उसके पति सोनू पर जानलेवा हमला कर दिया। महिला का आरोप यह भी कि आरोपियों ने उससे पति के गले की चेन, मोबाइल और जेब में रखी दस हजार रुपये की नकदी भी लूट ली। इस मामले में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई करने की बात पुलिस कह रही है।

फ्लैट दिलाने का झांसा देकर 1.25 लाख ऐंठे

नोएडा। फ्लैट दिलाने का झांसा देकर जालसाजों ने एक व्यक्ति के साथ एक लाख 25 हजार रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत सेक्टर-49 पुलिस से की है। सेक्टर-47 के शिखर नारंग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 23 मार्च को एक वेबसाइट पर एक बीएचके का फ्लैट खरीदने के लिए सर्च कर रहे थे। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति की कॉल आई। कम बजट में फ्लैट दिलाने का झांसा देकर कॉलर ने धोखाधड़ी करके 1,25,498 रुपए कई बार में ट्रांसफर करा लिए। रुपए देने के बाद पीड़ित को अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है। पीड़ित ने तुरंत 1930 पर काल करके ठगी की शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात जालसाज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्कूटी से स्टंट कर रही युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज

- कल ही ट्रैफिक पुलिस ने किया था 33 हजार का चालान
- एक ही इंस्टाग्राम से पोस्ट किए दोनों वीडियो

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा में स्कूटी पर दो युवतियों का रंग लगाने का वीडियो वायरल होने के बाद अब एक और वीडियो वायरल हो रहा है। दोनों वीडियो एक ही इंस्टाग्राम मीडिया से पोस्ट किए गए है। दोनों वीडियो में स्टंट करने वाली युवती और युवक एक ही है। दरअसल नया वीडियो करीब 30 सेकेंड का है। जिसमें एक युवती स्कूटी के पीछे खड़े होकर स्कूटी चालक युवक को रंग लगा रही है। जिसके बाद वो अचानक स्कूटी से गिर जाती है। गनीमत रही कि युवती को चोट नहीं लगी। दोनों वीडियो सोशल मीडिया तेजी से वायरल हो रहे है। लोगों ने पुलिस को टैग कर कार्रवाई की मांग की। डीसीपी विद्या

सागर मिश्र ने बताया कि इस तरह से वीडियो वायरल करना और स्टंट करना अपनी जिंदगी को खतरे में डालने जैसा है। थाना सेक्टर-113 में पुलिस ने इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही स्कूटी नंबर के आधार पर इनकी तलाश की जा रही है। दोनों वीडियो में वायरल होने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने स्कूटी मालिक का 33 हजार का चालान किया था। बता दे इसी इंस्टाग्राम मीडिया से मेट्रो में रंग लगाती दोनों युवतियों का भी वीडियो पोस्ट किया गया था। हालांकि मेट्रो ने इस वीडियो में एआई के जरिए एडिट किया हुआ वीडियो बताया गया। फिलहाल डीसीपी ने पब्लिक से अपील की है रोड पर यातायात नियमों का पालन किया जाए ताकि आप और दूसरे लोग सुरक्षित रहे।

नोएडा में होली पर किए 12.284 हजार चालान

- शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गए 67 वाहन चालक
- बिना हेल्मेट के मिले 8110 चालक

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। होली का हुड़दंग करने वालों के खिलाफ नोएडा पुलिस ने विषेश अभियान चलाया। होली के दिन कुल 12 हजार 284 चालान किए गए। इसमें सबसे ज्यादा चालान बिना हेलमेट के 8110 चालान किए गए। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने वाले में 67 वाहन चालकों के चालान किए गए। ये

चालान 44 स्थानों विशेष अभियान चलाया गया। यहां ब्रेथ एनलाइजर से वाहन चालकों की जांच की गई।

इसके अलावा आईएसटीएमएस के जरिए भी वाहनों पर नजर रखी गई। इस तरह कुल ई चालान 12284 किए गए। इसके अलावा 18 वाहनों को सीज किया गया। दो स्कूटी में स्टंट करने पर 33 हजार का चालान भी किया गया। डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने बताया कि होली के दिन बिना सीट बेल्ट के 372, तीन सवारी के 906, मोबाइल फोन का प्रयोग के 82,नो-पार्किंग के 402, विपरीत दिशा के 633, ध्वनि प्रदूषण के 79, वायु प्रदूषण के 32, दोषपूर्ण नम्बर प्लेट के 337, रेड लाइट उल्लंघन के 441, बिना डीएल के 172 , ओवर स्पीड के 306 चालान किए गए। इसके अलावा 412 चालान अन्य मामलों में कुल 18 गाड़ियो को सीज किया गया।

सड़क हादसे में बच्चे की मौत

- ब्रेजा कार ने बाइक में मारी टक्कर
- हिरासत में चालक, घायलों का चल रहा इलाज

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में होली की शाम तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने एक बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घायल एक शख्स बच्चे का मामा है जबकि एक अन्य रिश्तेदार है।

पुलिस के मुताबिक सोमवार शाम सेक्टर 62 इंडस वैली चौराहे के पास तेज रफ्तार ब्रेजा कर ने बाइक में टक्कर मार दी। वहां से गुजर रहे लोगों ने कार चालक को पकड़ घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेते हुए तीनों घायलों को नजदीक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 7 साल के वंश पुत्र अमरीश निवासी ग्राम बेहरामपुर छिजारसी की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं घायल दोनों लोगों की भी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतक मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि ब्रेजा कार चालक इतनी स्पीड में था कि उसने घटनास्थल पर खड़ी एक वैगनआर कार में भी टक्कर मार दी। हादसे में वैगनआर कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वैगनआर कार चालक ने भी आरोपी चालक के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक को हिरासत में लेते हुए कार को जब्त कर लिया गया है। घटना में 7 साल के मासूम की मौत हो गई है और दो लोग घायल हुए हैं।

नोएडा में ईको फ्रेंडली होली मना कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में धूमधाम से होली मनाई गई। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को जमकर गुलाल और रंग लगाकर होली की बधाई दी। साथ ही सौहार्द का संदेश भी दिया गया। इसके साथ ही लोगों ने हर्बल गुलाल लगाकर ईको फ्रेंडली होली खेली, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसायटी में धूमधाम से कम्युनिटी होली मनाई गई। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाते हुए शुभकामनाएं दीं। रेन डांस में लोगों ने जमकर मस्ती की। इसके साथ ही ईको फ्रेंडली गुलाल लगाकर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। उधर, एसकेए मेट्रोविले, एसकेए ग्रीन आर्क व एसकेए दिव्या टावर्स सोसायटी में भी लोगों ने कम्युनिटी होली खेलकर एक दूसरे को बधाई दी। इस दौरान लोगों ने ईको फ्रेंडली हर्बल गुलाल और रंगों का प्रयोग किया। एसकेए ग्रुप के डायरेक्टर संजय शर्मा ने बताया कि हर त्योहार मनाना जितना जरूरी है, उतना ही पर्यावरण का ख्याल रखना भी जरूरी है। ऐसे में सभी सोसायटी में ईको फ्रेंडली होली मनाई गई है। उधर, स्पेक्ट्रम मॉल में होली के उपलक्ष्य में डीजे नाइट्स का आयोजन किया गया। इस दौरान लोग गीतों पर जमकर झूमते दिखाई दिए।

युवती से अभद्रता करने का विरोध करने पर युवक को पीटा

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। युवती से अभद्रता करने का विरोध करने पर आरोपियों ने एक युवक को लाठी और डंडे से पीटकर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित ने सात नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ फेज दो थाने में केस दर्ज कराया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। गेझा गांव के संदीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 मार्च को रात साढ़े आठ बजे के करीब वह खाना खाने के बाद घर से बाहर टहलने के लिए निकले थे। आरोप है कि पार्क के अंदर चीनू और हिमांशु एक लड़की के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे थे। संदीप ने यह सब देखा तो उन लड़कों को धमका कर वहां से भगा दिया। शिकायतकर्ता जब पार्क से वापस आ रहा था तभी रास्ते में चीनू और हिमांशु अपने साथी नीरज, धीरज, धर्मेंद्र, अंकित, हर्ष और 10-15 अज्ञात के साथ मिल गया।

आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। भागते समय आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की भी धमकी संदीप को दी। लहूलुहान संदीप को उधर से गुजर से रहे राहगीरों ने उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

लापता युवक की हत्या के मामले में छह पर मामला दर्ज

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। लापता युवक की हत्या के मामले में उसकी मां ने छह लोगों को नामजद करते हुए सेक्टर-63 थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मृतक युवक के खिलाफ नोएडा और गाजियाबाद के अलग-अलग थाने में 15 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। ऋतिक का शव 16 मार्च को फरीदाबाद स्थित यमुना में झाड़ियों से अटका मिला था। शव का पोस्टमार्टम कराया, लेकिन हत्या का कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा प्रिजर्व कर लिया गया है।

सेक्टर-63 थाना प्रभारी ने बताया कि छिजारसी निवासी 22 वर्षीय रितिक 11 मार्च 2024 को घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। उसके पिता की पूर्व में मौत हो चुकी है। काफी तलाश करने के बाद भी जब रितिक नहीं मिला तो उसकी मां शशि ने सेक्टर-63 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर युवक का अपहरण करने का आरोप लगाया। युवक की सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस की एक टीम गठित की गई। युवक के मोबाइल की अंतिम लोकेशन गाजियाबाद में मिली। इसके बाद मोबाइल बंद आने लगा। युवक की मां के मुताबिक उसके बेटे रितिक का गांव के ही छह युवकों से 10 मार्च को झगड़ा हुआ था। इनमें रवि, सूरज, धीरज शर्मा, बिन्नी, जोगेंद्र और विकास तिवारी शामिल हैं। आरोप है कि ये लोग उसके पुत्र का अपहरण करके ले गए और कहीं ले जाकर उसकी हत्या कर दी है। बीते बुधवार को फरीदाबाद पुलिस से सेंट्रल नोएडा पुलिस को सूचना मिली कि वहां के छायसा थाना क्षेत्र स्थित यमुना में एक युवक का शव मिला है। जिसका डाक्टरों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। इसलिए बिसरा प्रिजर्व कर लिया गया है। सूचना पर परिवार के लोगों के साथ पुलिस फरीदाबाद पहुंची। शव की शिनाख्त के बाद सुपुर्दगी में लिया। युवक की मां ने कपड़े से बेटे के शव की पहचान की। रितिक का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि मृतक युवक के परिजनों की शिकायत पर छह युवकों के खिलाफ हत्या की धारा में केस दर्ज किया गया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन कार्यों की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने की बैठक

गाजियाबाद, 26 मार्च (देशबन्धु)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने चेतावनी दी है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिंह मंगलवार को अपने कैम्प कार्यालय पर निर्वाचन के प्रभारी/सह प्रभारी अधिकारियों की समीक्षा बैठक कर रहे। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न प्रभारों जैसे कार्मिक एवं प्रशिक्षण, स्वीप, टेन्टेज व्यवस्था, मतदाता सूची सम्बंधी समस्त कार्य, स्ट्रांग रूम, मानचित्रों की तैयारी, लेखन सामग्री/लाजिस्टिक व्यवस्था, मतपत्र व्यवस्था, पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएमएस व्यवस्था, ईवीएम व्यवस्था, प्राप्ति एवं प्रेषण निर्वाचन सामग्री, आदर्श आचार संहिता/कानून एवं शान्ति व्यवस्था/सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, प्रेषक व्यवस्था, वीडियोग्राफी/वेबकास्टिंग/ सीसीटीवी, निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण, कन्ट्रोल रूम/कॉल सेन्टर/निर्वाचन संबंधी शिकायत प्रकोष्ठ/सी-विजिल, सूचना सेल/मीडिया/ एससीएमसी, कम्यूनिकेशन प्लान एवं रूट चार्ट, मतदान केन्द्रों/मतदेय स्थल का निर्माण एवं मतदान सम्बंधी समस्त व्यवस्थाएं, साफ सफाई एवं पेय जल व्यवस्था, पोल डे मॉनिटरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सिक्योरिटी एवं आई0टी0 सेल सम्बंधी व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, यात्रा भत्ता/मानदेय वितरण, खानपान व्यवस्था, अग्निशमन, कार्मिक कल्याण, दिव्यांगजन कल्याण व्यवस्था, विधि प्रकोष्ठ की तैयारियों के बारे में प्रभारी/सह प्रभारियों से विस्तृत जानकारी ली। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समय से पूर्व ही सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए और प्रोग्रेस रिर्पोट प्रतिदिन समक्ष अधिकारी को प्रस्तुत की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिये कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों को दिशा-निर्देशों के अनुसार नोटिस भेजते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में अनुपस्थित रहने वालों को स्पष्टीकरण के नोटिस दिए।

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : इन्द्र विक्रम सिंह

कैम्प कार्यालय पर तीन घंटे चली क्रमवार व सांय को हुई बैठकों में अपर जिलाधिकारी प्रशासन रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट, मुख्यकोषाधिकारी पुष्पांजलि, जिला पूर्ति अधिकारी डॉ. सीमा बालियान, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुधीर कुमार सहित अन्य प्रभारी/सह प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नारकोटिक्स टीम गौतमबुद्धनगर व थाना सेक्टर-126 पुलिस ने संयुक्त रूप से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग के दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 56 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

नारकोटिक्स टीम को लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना मिली की कुछ लोग बड़ी मात्रा में गांजा सप्लाई करने जा रहे है। पुलिस ने जाल बिछाया और सेक्टर-127 पुश्ता रोड के पास चेकिंग बढ़ा दी। यहा पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह और जयदेव गइन पुत्र प्रफुल्ल हुई। इन लोगों ने पुश्ता रोड के किनारे ही मॉल रखा था।

दोनों तस्कर नशीले पदार्थ गांजा को बोरों में लेकर पुश्ता रोड पर होली के त्यौहार का फायदा उठाकर ओखला की तरफ ले जाने की फिराक में थे। इसमें प्रताप सिंह के कब्जे से बोरे में 34 किलो 200 ग्राम व जयदेव गइन के कब्जे से बोरे में 22 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया। एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि दोनों काफी लंबे से गांजा की तस्करी कर रहे है। ये दोनों एक अंतरराज्यीय गैंग से जुड़े है। इनके साथी गांजा लेकर नोएडा आते है इसके बाद ये दोनों मिलकर नोएडा और दिल्ली एनसीआर के अन्य इलाकों में गांजा तस्करी करते थे। इनके बाकी सदस्यों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

- 56 किलो गांजा बरामद, 15 लाख है कीमत
- दिल्ली एनसीआर में करते थे सप्लाई

उवाच

मंगलवार को कस्बा स्थित कैम्प कार्यालय पर आयोजित बैठक में किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत का साथ छोड़कर विश्वास नागर ने संगठन में वापिसी की :

प्रमोद शर्मा, राष्ट्रीय किसान यूनियन लोकशक्ति तहसील जेवर मीडिया प्रभारी

लीजबैक व शिफ्टिंग के मामले में अब एसडीएम से नहीं लेनी होगी अनुमति

- यमुना प्राधिकरण के सीईओ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित
- नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ होंगे सदस्य
- प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पर लगी मुहर
- अब अगली बोर्ड बैठक में पास होगी पॉलिसी
- तीनों प्राधिकरणों के हजारों किसानों को होगा फायदा
- फाइल पर हस्ताक्षर करने से बचते थे एसडीएम लटका रहता था मामला

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। आबादी की लीजबैक और शिफ्टिंग के प्रकरणों में अब एसडीएम से अनुमति नहीं लेनी होगी। इसका रास्ता निकालते हुए सीईओ यमुना प्राधिकरण की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी में नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सदस्य होंगे। इस प्रस्ताव पर बीते 12 मार्च को हुई यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में मुहर लग चुकी है। प्राधिकरण की अगली बोर्ड बैठक में इससे संबंधित पॉलिसी पास होगी। इससे लीजबैक व शिफ्टिंग के प्रकरणों के निस्तारण में आसानी होगी और ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के 2500 से अधिक किसानों को फायदा होगा। दरअसल प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आने वाले गांवों में जमीन अधिग्रहण करते समय कई बार कुछ किसानों की घर के पास स्थित आबादी भी अधिग्रहण की चपेट में आ जाती है। ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण में उक्त आबादी की लीजबैक करने का नियम है। इसको लेकर क्षेत्र के किसानों को लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। परियोजना के लिए बहुत ज्यादा जरूरी होने पर प्राधिकरण दूसरी जगह भी भूखंड शिफ्ट कर देता है। लीजबैक व शिफ्टिंग की प्रक्रिया पूरी करने के लिए डीएम के प्रतिनिधि के रूप में एसडीएम से अनुमति लेनी होती है। अक्सर यह देखा गया है कि एसडीएम फाइल पर हस्ताक्षर करने से बचते हैं। जिससे समस्या का निस्तारण नहीं हो पाता है। किसान इधर-उधर भटकते रहते हैं। जिला प्रशासन (एसडीएम) से अनुमति न लेना पड़े, इसका रास्ता निकाल लिया गया है। सीईओ यमुना प्राधिकरण की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एक कमेटी गठित की गई है, जो लीजबैक और शिफ्टिंग के प्रकरणों को अंतिम रूप देगी। इससे लीजबैक और शिफ्टिंग के प्रकरणों के निस्तारण में आसानी होगी।

यमुना प्रधिकरण में वर्तमान में लीजबैक के 368 और शिफ्टिंग के 88 मामले हैं। वहीं ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में लीजबैक के करीब 2300 मामले हैं। बता दें कि लीजबैक व शिफ्टिंग को लेकर भारतीय किसान यूनियन सहित विभिन्न संगठन आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहते हैं।

विश्वास नागर ने कार्यकर्ताओं संग बीकेयू टिकैत का साथ छोड़ बीकेयू लोकशक्ति में की वापसी

जेवर, 26 मार्च (देशबन्धु)। झाझर रोड स्थित कैम्प कार्यालय पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भाकियू टिकैत के प्रदेश मीडिया प्रभारी में कार्यकर्ताओं के संग बीकेयू लोकशक्ति में वापिसी की घोषणा की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी मनोनीत किया। राष्ट्रीय किसान यूनियन लोकशक्ति के तहसील जेवर मीडिया प्रभारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि मंगलवार को कस्बा स्थित

कैम्प कार्यालय पर आयोजित बैठक में किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत का साथ छोड़कर विश्वास नागर ने संगठन में वापिसी की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्योराज सिंह ने उन्हें राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी से नवाजते हुए संगठन को मजबूत करने व किसानों के हित में कार्य करने की अपील की। विश्वास नागर के अलावा अरुण चौधरी, हरिंदर चौधरी व ललित गोयल ने भी संगठन में वापिसी की। अरुण चौधरी को प्रदेश सचिव बनाया गया। इस मौके पर राकेन्द्र, रविंद्र चौधरी, प्रवीण अत्री, रामू शर्मा व पप्पू नागर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केन्द्र में बनने वाली सरकार से सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्यमियों की बड़ी अपेक्षा

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। केन्द्र में बनने सरकार से उद्यमियों को बहुत अपेक्षा है कि जो भी सरकार बने लघु व सूक्ष्म उद्यमियों के हित के लिए काम करे। देश के समुचित विकास में सूक्ष्म व लघु उद्यमियों का योगदान बहुत बड़ा है। लघु व सूक्ष्म उद्यम में बहुत कम आय वाले कर्मचारी काम करते हैं, इन उद्योगों में देश के बड़े हिस्से का परिवार चलता है। छोटे उद्योग फलते फूलते हैं तो बहुत बड़े तपके को लाभ मिलता है। सभी की अपेक्षा होती है कि देश में बनने वाली सरकार उनके हित के लिए काम करे। उद्यमियों का क्या कहना है, देखते हैं उन्हीं की जुबानी।

- साफ-सुथरी व उद्यमियों के हित में काम करने वाला हो जनप्रतिनिधि

शिक्षा में हो सुधार, उद्यमी को वोटबैंक ने समझें

आगामी लोकसभा चुनाव में बनने वाली सरकार को प्राइमरी शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देने कि जरुरत है, इस स्तर पर अभी भी व्यापक सुधार की जरुरत है, जैसे की किताब और ड्रेस के मनमाने रेट और हर साल किताब का परिवर्तन ये सब बंद होना चाहिए, एनसीईआरटी बुक हर स्कूल में चलनी चाहिए। देश के चहुंमुखी विकास के लिए स्थिर और मजबूत सरकार चाहिए सही और मजबूत सके और सख्ती से उसका क्रियान्वन करवा सके। हमारा प्रत्याशी ऐसा होना चाहिए, जो जमीनी हकीकत को समझता हो। समाज या और वर्ग से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता उठाये और उनका समापन करवाये जनता या उद्यमी को सिर्फ वोट बैंक ना समझे।

- दर्शन शर्मा, सेक्टर सेक्रेट्री- इकोटेक 3

छोटे उद्यमी को सस्ते दर पर जमीन की हो उपलब्धता

औद्योगिक क्षेत्र में सबसे प्रमुख समस्या है जगह की, आज बहुत सारे उद्यमी हैं जो किराए की फैक्ट्री अपना उद्यम चला रहे हैं। छोटे उद्यमी मशीनरी और मटेरियल में पैसा लगाए या फैक्ट्री स्थापित करने के लिए जगह के लिए। जमीन का भाव इतना महंगा है कि उनकी पहुंच से बहुत दूर है। हमारा सुझाव है कि जो किराए पर अपना उद्यम चला रहे हैं, उन्हें सस्ते दर पर जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। अपने उद्यम को बढ़ा सके और देश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके। आज देश के एक्सपोर्ट में 29 प्रतिशत से ज्यादा योगदान एमएसएमई इंडस्ट्रीज का है। सरकार के मझले इंडस्ट्रीज के लिए सुलभ और आसान योजनाएं लानी चाहिए जो धरातल पर दिखे ना की पेपरों में। सरकार को एमएसएमई इंडस्ट्रीज को सस्ते दर पर कर्ज की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।

-अमित उपाध्याय, अध्यक्ष आईईए

उद्यमियों की समस्या का समाधान करने वाली हो सरकार

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमी चाहता है कि केन्द्र में जो भी सरकार बने वह उनके हित के लिए काम करे। देश के विकास में छोटे उद्यमियों का बहुत बड़ा योगदान है, केन्द्र में बनने वाली सरकार छोटे उद्यमियों को नजर

अंदाज नहीं कर सकती है। स्थानीय स्तर पर उद्यमियों की बहुत समस्या है, जिसका संज्ञान जनप्रतिनिधि को लेना चाहिए। जिला प्रशासन के साथ उद्यमियों की बैठक होती है, समस्याएं प्रशासन के सामने रखी जाती है, लेकिन प्राधिकरण के स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है। देश में जो भी सरकार बने वह स्थायी हो, जनप्रतिनिधि ऐसा हो जो उद्यमियों की समस्याओं को उठाए ताकि सरकार उद्यमियों की समस्या का निस्तारण प्रमुखता से करे।

-सुनील दत्त, सदस्य आईईए

किसानों की तरह छोटे उद्यमियों को दी जाए वरियता

छोटे उद्यमी जमीन लेने जाए तो बोली लगती है, जमीन बहुत महंगी हो गई है, एमएसएमई में कटेगरी बनाई है, माइक्रो स्मॉल को सुविधाएं देनी होगी, ड्रा के आधार पर जमीन मिलनी चाहिए। लोन लेने के दौरान कागजी कार्रवाई इतनी होती है कि उद्यमी परेशान हो जाता है। हमारा लोक सभा प्रत्याशी साफ-सुथरे छवि का हो, पढ़ा लिखा हो, जिनका विजन क्लियर हो और औद्योगिक विकास के लिए समय दे सके। समस्या को लेकर जाते हैं तो अधिकारी सुनते नहीं, हमारा प्रत्याशी ऐसा होना चाहिए जो अधिकारियों को मजबूर करें कि उद्यमियों की समस्या का समाधान हो।

-एडी पाण्डेय, पूर्व चेयरमैन आईआईए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मार्च को प्रबुद्ध सम्मेलन में होंगे शामिल

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। भाजपा लोकसभा चुनाव संचालन समिति की एक बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता

जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की। बैठक में मुख्यतिथि लोकसभा प्रभारी अनिल शिसोदिया व लोकसभा संयोजक प्रणीत भाटी रहे। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव व संगठनात्मक कार्यों को लेकर आयोजित की गई। बैठक में लोकसभा प्रभारी अनिल शिसोदिया व लोकसभा संयोजक प्रणीत भाटी ने बताया कि आगामी 30 मार्च को लोकसभा प्रबुद्ध सम्मेलन जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी दोपहर 2 बजे जीएल बजाज कॉलेज ग्रेटर नोएडा में प्रबुद्ध शिक्षक, वकील, पत्रकार, डॉक्टर, इंजीनियर आदि प्रबुद्धजनों के प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। 3 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद डॉ. महेश शर्मा जिला मुख्यालय पर नामांकन करेंगे जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बैठक को सम्बंधित करते हुए कहा कि 27 मार्च व 28 मार्च को बूथ पर टिफिन मीटिंग का आयोजन जिसमें सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता जन प्रतिनिधि टिफिन भोजन साथ साथ करके बूथ पर बैठक करेंगे। इस अवसर पर मुख्यरूप से नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, लोकसभा सह संयोजक राकेश राणा, पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी, बिजेंद्र प्रमुख, दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, सुनील भाटी, धर्मेन्द्र कोरी, सेवानन्द शर्मा, पवन नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, रवि जिन्दल, दीपक दुलेहडा, वरुण धीमान, जगभूषण गर्ग, सुनील आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर भाजपा संचालन समिति की हुई बैठक

मतदाताओं को मिले प्रलोभन तो सी-विजिल ऐप पर करें शिकायत

- जिला निर्वाचन मतदाताओं को सोशल मीडिया, सिनेमाहाल, आरडब्ल्यूए व एनजीओ के माध्यम से हो रहा है प्रचार

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र, पूर्ण पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में वोटर्स को जागरूक करने हेतु निर्वाचन प्रक्रिया में लगे अधिकारीगण सी-विजिल ऐप के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि वोटर्स को जागरूक करने हेतु मीडिया, सोशल मीडिया, सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स, अथॉरिटी की स्क्रीन, आरडब्ल्यूए, एनजीओ आदि में सी-विजिल ऐप का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की कोई भी शिकायत भारत निर्वाचन आयोग के सी-विजिल ऐप पर दर्ज की जा सकती है। ऐप पर की गई शिकायत पर मात्र 100 मिनट में कार्रवाई होगी। अगर आमजन को चुनाव में कहीं मदिरा या धन बांटने की जानकारी मिलती है। कोई फेक या पेड न्यूज दिखाई दे, मतदाताओं को प्रलोभन के लिए नि:शुल्क उपहारों का वितरण, डराना-धमकाना, सार्वजनिक प्रॉपर्टी पर विज्ञापन से संबंधित शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आमजन को सिर्फ एक फोटो या वीडियो बनाकर चुनाव आयोग के सी-विजिल ऐप पर अपलोड करनी है, शिकायत मिलने के महज 100 मिनट के अंदर उस पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शिकायतकर्ता के चाहने पर उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि वह बिना किसी डर, भय एवं प्रलोभन के अपने मत का प्रयोग करें और लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में हिस्सा लें।

समाज के लिए लाभकारी परियोजनाओं पर चर्चा के लिए सामाजिक संस्था की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। सीआरडीजी फाउंडेशन ने ग्रेटर नोएडा बैठक में राष्ट्रीय समिति के सदस्यों के बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वयं की अवधारणा पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। बैठक में विजयपुर, मध्य प्रदेश के राजेंद्र लोढ़ा ने सीआरडीजी फाउंडेशन को 3 एकड़ जमीन देने का वादा किया था। इसके अतिरिक्त, धरमपुरी, तमिलनाडु के सी. मणि ने भी फाउंडेशन के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए इमारतों में योगदान देने की घोषणा की। चर्चा के बाद समिति ने स्वर्गीय डॉ. अंजुला शुक्ला मेमोरियल स्कॉलरशिप की स्थापना की घोषणा की, जिसका उद्देश्य बहादुर और आर्थिक रूप से जरूरतमंद महिला छात्रों का समर्थन करना है, जो शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के प्रति फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैठक में डॉ. अरविंद तिवारी, अध्यक्ष एवं संस्थापक निदेशक ने एनजीओ की 5 महत्वपूर्ण परियोजनाओं और अवधारणाओं के दूरदर्शी पर चर्चा की। डेरिल डिसूजा, उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य देखभाल और प्राकृतिक खेती के प्रमुख, अमीत पी पोरेड्डीवार, संस्थापक निदेशक ने विलास नेताजी जॉज को जोड़ा, जो एनजीओ के लिए फंड इन्फ्लुएंसर बनने के लिए सहमत हुए। रंजना तिवारी, संस्थापक निदेशक शामिल हुई।

बैठक में विलास एन जोडगे नागपुर, रवीन्द्र सिंघल, मुंबई एवं महाराष्ट्र प्रमुख, राष्ट्रीय प्रमुख-संचार, अशोक शुक्ल, गोरखपुर जिला प्रमुख, सुदर्शन कुमार राव, सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारी निकाय, चंद्र भूषण शर्मा, जिला हरिद्वार और उत्तराखंड आदि शामिल हुए।

धूमधाम से शहर व गांवों में मनाया गया होली का त्योहार

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, जिसमें लोग एक दूसरे को रंग लगाकर प्रेम व सौहार्द का संदेश दिया। होली का पर्व होलिका दहन से शुरु हो गया, सोमवार को सुबह से लोग अपने घरों से निकलना शुरु कर दिया। होली के त्योहार को लेकर बच्चों बहुत ही उत्साह रहा। शहर के सेक्टर व सोसाइटी में डीजे लगाकर उत्सव का आयोजन हुआ तो वहीं गांवों में बड़े ही उत्साह के साथ होली खेली गयी। सेक्टर अल्फा-एक, अल्फा-

दो, डेल्टा, गामा, सेक्टर-36, तुगलपुर, रामपुर के साथ सोसाइटियों में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। सेक्टर के आरडब्ल्यूए की तरफ से सामुदायिक केन्द्रों में होली का आयोजन किया गया था, जिसमें सेक्टर के लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान हुड़दंगियों से निपटने के लिए पुलिस की टीम हर संवेदनशील स्थानों पर लगी रही।

हर आने जाने वालों के वाहनों को रोकर कर जांच कर रही थी। लोक सभा चुनाव को लेकर गोल चक्करों पर पुलिस की तैनाती रही ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हवेलिया वैलेनोवापार्क सोसायटी में होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्या बच्चे, जवान, बुजुर्ग या महिलाएं सभी उत्साह से भरपूर रंगों के इस त्यौहार का खूब आनंद उठाया। रेनडांस से रंगों की बारिश-फुहार ने इस वातावरण को और भी मनोरंजक बना दिया। बच्चों की मंडली ने खूब धूम मचाई। डीजे के संगीत की थाप में लोगों ने भरपूर डांस किया। पूरावातावरण रंग व गुलाल से रंगीनमयी हो गया।

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय

209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें

खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता

फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु

समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें

क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा

Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises

सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता

Mob.: 9910280173

Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

जीबीयू में बौद्ध भिक्षुओं ने धूमधाम से खेली होली

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जीबीयू के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में होली के उत्सव की विशेष व्यवस्था की, जिसमें संकाय

सदस्यों और कर्मचारियों के अलावा छात्रों के साथ होली मिलन में गुलाल और मिठाई बांट कर इस पर्व को मनाया। उत्सव की शुरुआत उनके द्वारा सभी को संबोधित किया और एक साथ मिलकर विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। संबोधन के पश्चात मिठाई वितरण और साथ ही सभी मौजूद लोगों के चेहरों पर गुलाल लगाया गया। होली मनाने के इसीक्रम में विश्वविद्यालय परिसर में एक और कार्यक्रम ब्लॉक-ए में आयोजित किया गया था, जिसमें विदेशी छात्र-छात्राओं जो मुख्य रूप से बौद्ध अध्ययन विभाग के छात्र शामिल हुए। विदेशी छात्रों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक इस पर्व में शामिल हुए और उसके बाद सभी लोगों के शांति और समरसता के लिए मंगल सुत्त का पाठ किया। ब्लॉक-डी में शिक्षकों एवं उनके परिवार के लोगों ने जम कर रंगों, गुलाल और पानी के साथ जम कर होली मनाई। विभिन्न हॉस्टलों में छात्रों ने भी एक दूसरे के साथ होली मनाई और इसके बाद विशेष खाने का आनंद उठाया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने आवासीय ब्लॉक में होली का जश्न मनाया। कुलपति ने इस अद्वितीय समारोह में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को एक साथ मिलकर खुशी मनाने और समृद्धि की शुभकामनाएं दीं।

गौर पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मना, खेली गई फूलों की होली

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। इस्कॉन ने तीन दिवसीय गौरपूर्णिमा उत्सव धूमधाम से मनाया, यह उत्सव चैतन्य महाप्रभु के प्राकट्य उत्सव के रूप में मनाया जाता है। तीन दिवसीय उत्सव में मथुरा व वृदावन के कलाकारों की तरह से मनमोहक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में नौका विहार व फूलों की होली विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। अचिन्य गोविन्द दास ने बताया कि गौरांग महाप्रभु का प्राकट्य उत्सव दिवस है, गौरांग महाप्रभु मायापुर में अवतरित हुए, कृष्ण के भक्त के रुप में आए, उन्होंने पूरी दुनिया में भक्ति व प्रेम का संदेश दिया। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें शहर के लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ हिस्सा लिया। दूसरे दिन भगवत भजन के साथ भगवान का नौका विहार आयोजित किया गया, जो भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम स्थल पर एक कुंड बनाया गया और सुन्दर पुष्प-रंगोली से सजाया गया था, जिसमें पुष्प बहुत ही रहस्मय तरीके से जल के ऊपर तैरते हुए अभिकल्पित रचना बना था। नौका विहार के दौरान भगवान के छप्पन भोग लगाए थे, इस दौरान कीर्तन मंडली द्वारा लगातार कीर्तन जारी रहा और लोग भगवान पर पुष्पों की वर्षा करते हुए आनन्द की अनुभूति कर रहे थे। अतुल्य कृष्ण दास ने बताया कि यह वार्षिक आयोजन इस्कॉन मंदिर की तरफसे किया गया, जिसमें पवित्र नाम का कीर्तन, भगवान का भव्य अभिषेक और गौर कथा आकर्षण रहा है। पहले दिन मथुरा से आए कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी और रॉक बैंड ने भक्तिपूर्ण प्रस्तुति से सभी को नृत्य करने के लिए मजबूर कर दिया। अंतिम दिन होली के दिन बच्चों द्वारा भगवान चौतन्य महाप्रभु के जीनव पर आधारित नाटिका स्थानीय बच्चों द्वारा प्रस्तुत दी गई, जिसकी सभी ने सराहना की। इस दौरान फूलों की होली मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। सभी ने बड़े ही उत्साह के साथ फूलों की होली खेली। अंत में सभी को भगवान का प्रसाद वितरण किया गया, जिसे लोगों ने बहुत ही प्रेम से ग्रहण किया।

- नौका विहार के साथ चौतन्य महाप्रभु जीवन पर नाटिका की हुई प्रस्तुति

व्यापारियों ने भाजपा प्रत्याशी महेश शर्मा संग फूलों से खेली होली

रबूपुरा, 26 मार्च (देशबन्धु)। मंगलवार को व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान (रजि) व्यापार मंडल के तत्वाधान में कस्बे की अग्रवाल धर्मशाला में होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों ने होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा भाजपा प्रत्याशी के साथ फूलों की होली खेली तथा उन्हें पगड़ी बांधकर उनका भव्य स्वागत किया गया।

डॉ. महेश शर्मा ने भी व्यापारियों के ऊपर फूलों की वर्षा कर उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि मोदी जी द्वारा 400 पर का जो नारा दिया गया है। मोदी को देश की जनता पर अटूट विश्वास है। मोदी को देश से जितना प्यार है उतना ही प्यार देश की जनता को मोदी से है। मोदी ने 2047 में देश को पूर्ण विकसित का जो नारा दिया है उसके पीछे इस देश की जनता है। इसका सहयोग पिछले 10 साल से भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार को गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र के कार्यों में भरपूर सहयोग मिलता रहा है। उसी तर्ज पर जेवर विधानसभा और गौतम बुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र की अन्य विधानसभा में किए गए। जल उपयोगी कार्य जो अब देख रहे हैं उनका जब पूर्ण रूप से परिणाम आएगा तो पूरे क्षेत्र में खुशहाली होगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि सतपाल तालान, जिला अध्यक्ष दीपक कुमार, ओमवीर सिंह, चंद्र प्रकाश जैन, जितेंद्र दीक्षित, हरिओम शर्मा, हेमंत मित्तल, अश्वनी कौशिक, बिजजी तायल, सुशील शर्मा (एड), सुभाष चंद्र, रूपलाल कौशिक, मोनू सिंघल घनश्याम दास, दीपक शर्मा, छोटू सोनी, पिंटी गोयल, सतीश शर्मा, सुनील तायल, कुलदीप शर्मा, ब्रजकिशोर शर्मा, समेत काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, बुधवार 27 मार्च 2024
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

वरूण फैक्टर को लेकर भाजपा में असमंजस

देश के प्रथम राजनैतिक परिवार के एक सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरूण गांधी को लेकर इन दिनों कयास और असमंजस का दौर जारी है। दरअसल पीलीभीत लोकसभा का पिछले दो बार से प्रतिनिधित्व करने वाले वरूण का टिकट इस बार भाजपा ने काट दिया है। उनकी मां मेनका गांधी का सुलतानपुर का टिकट बरकरार रखा है जहां की वे पहले से सांसद हैं। पहले मेनका पीलीभीत की नुमाइंदा हुआ करती थीं परन्तु 2009 में उन्होंने वह सीट अपने बेटे को सौंप दी। चार लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज कर गांधी परिवार से अलग हो चुके एक अन्य सदस्य ने अपना तूफानी आगाज़ किया था। याद हो कि इंदिरा गांधी के एक तरह से तयशुदा वारिस माने जाने वाले दूसरे पुत्र संजय गांधी की आपातकाल के दौरान एक जहाज दुर्घटना में जब मौत हो गयी थी तो बड़े बेटे राजीव पायलट की नौकरी छोड़कर राजनीति में आये थे। पारिवारिक मतभेदों के कारण मेनका अपने पुत्र के साथ अलग रहने लगी थीं। पहले जनता दल व बाद में वे भाजपा में आ गयीं। विश्वनाथ प्रताप सिंह एवं अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वे मंत्री भी बनीं। उन्होंने कई सीटों पर हार-जीत दोनों का ही स्वाद चखा।

नरेन्द्र मोदी की 2014 में बनी सरकार में भी मेनका मंत्री बनीं लेकिन दूसरी बार (2019) में पुनः निर्वाचित होने के बावजूद उन्हें यह मौका नहीं मिला। इस साल के चुनाव प्रचार में वरूण के उग्र बयानों से उम्मीद थी कि उन्हें या वरूण को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मोदी-2 सरकार में मिल सकती है लेकिन ऐसा न हुआ। इतना ही नहीं, जब वरूण ने पिछले कुछ समय से अपने बयानों को संयमित एवं सर्वस्पर्शी बनाना शुरू किया तो भाजपा नेतृत्व के कान खड़े हो गये। विशेषकर उन्होंने शासकीय सुविधाएं अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों तक पहुंचाने की ज़रूरत बतलाई। उन्होंने लखीमपुर खीरी में किसानों को एक केन्द्रीय राज्यमंत्री के पुत्र द्वारा कुचले जाने की भी आलोचना की जिसमें करीब आधा दर्जन किसान मारे गये थे। वरूण लेखन भी करते हैं। उन्होंने एक लेख में शासकीय योजनाओं की असफलताओं पर भी लेख लिखा जिसके कारण केन्द्र सरकार की फज़ीहत हुई थी। इसी से आभास हो गया था कि मां-बेटे पर संकट आ सकता है। ऐसा ही हुआ जब बारम्बार मंत्रिमंडल के विस्तार या उसमें फेरबदल के बावजूद दोनों में से किसी को भी स्थान नहीं मिला। उल्टे, सांगठनिक फेरबदल के अंतर्गत मेनका को राष्ट्रीय कार्यकारिणी से भी निकाल बाहर किया गया। अंदेशा तो यहां तक था कि दोनों के टिकट कट सकते हैं तथा पीलीभीत व सुलतानपुर सीटों से अन्य प्रत्याशी आजमाये जायेंगे। यह आशंका आधी खरी उतरी। मेनका की सीट तो परिवार ने बचा ली लेकिन वरूण की जगह पर दूसरे को उतारा गया।

सियासी पेंच यहीं से शुरू होता है। कयासों एवं अनुमानों की गुंजाइशें भी यहीं से खुलती हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पहले ही कह दिया कि अगर वरूण अपनी सीट से लड़ते हैं, या किसी भी सीट से तो सपा उन्हें समर्थन देगी। अगर उनकी चाही किसी सीट पर उम्मीदवार भी घोषित हो गया हो तो वह खाली करा दी जायेगी। वरूण-मेनका को लेकर अनुमान थे कि यदि उन्हें टिकटें न मिलीं तो दोनों पार्टी छोड़ सकते हैं। अब वह स्थिति तो भाजपा हाईकमान ने टाल दी है लेकिन वरूण के निर्दलीय चुनाव लड़ने या सपा या कांग्रेस में जाने तक के विकल्प खुले हैं। हालांकि अब साफ है कि वे अपनी मां की स्थिति को खराब नहीं करेंगे क्योंकि उनके ऐसे कदम से मेनका की जीत की सम्भावना भीतरघात से धूमिल हो सकती है। हालांकि एक-एक सीट के लिये तरसते मोदी, जो तीसरी मर्तबा पीएम बनने का सपना संजोये हुए हैं, ऐसा नहीं होने देंगे लेकिन स्थानीय नेतृत्व या कार्यकर्ता क्या कर सकते हैं, भला इसकी गारंटी कौन ले सकता है? वैसे कोई शक नहीं कि मेनका की इतनी लोकप्रियता तो है कि पार्टी के सम्भावित अंदरूनी विरोध के बाद भी वे अपने दम जीत सकती हैं। तो भी माना जा रहा है कि पुत्र की ओर से ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाया जायेगा जो मां को अड़चन में डाले।

अब बात रहती है कि क्या वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे, तो यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि वे अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। बात तो कांग्रेस के राहुल गांधी के भी वहां से लड़ने की होती रही है, पर साफ है कि जब देश ऐसे नाजुक मोड़ पर खड़ा है जिसमें राहुल की मौजूदगी बहुत ज़रूरी है, तो वे अपनी सुरक्षित सीट वायनाड (केरल) के ही जरिये आएंगे। यहां तक माना जाता है कि वर्तमान सांसद एवं केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के लिये राहुल के मुकाबले वरूण कहीं बड़ी चुनौती होंगे। यह अलग बात है कि मेनका गांधी ने 1982 में सक्रिय राजनीति में आने के बाद इसी सीट पर अपना पहला चुनाव अपने जेठ राजीव गांधी के खिलाफ लड़ा था परन्तु वे बुरी तरह पराजित हुई थीं। वैसे तब से अब तक का सियासी परिदृश्य काफी बदल चुका है। अब दोनों स्थापित नेता हैं।

एक और उम्मीद यह भी जताई जा रही है कि वरूण कांग्रेस में आ सकते हैं। हालांकि उनके पुराने बयान कांग्रेस की नीति के खिलाफ जाते हैं। लगभग एक साल पहले स्वयं राहुल कह चुके हैं कि उनके विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रभावित होने के कारण उन्हें यहां (कांग्रेस में) दिक्कत होगी। तो भी चुनावी रणनीति के तहत कुछ भी मुमकिन है। जो भी हो, वरूण का टिकट काटकर भाजपा कई तरह की दिक्कतों का सामना कर सकती है क्योंकि इस युवा सांसद का किसी पार्टी की टिकट पर या निर्दलीय लड़ना लगभग तय है। वे चुनाव प्रपत्र पहले ही खरीद चुके हैं। देखना होगा कि भाजपा वरूण फैक्टर से कैसे निपटेगी?

एकजुट विपक्ष और मोदी का 370-400 सीटों का लक्ष्य

देश होली मना चुका है। लोगों के शरीरों पर लगा रंग तो उतर रहा है, पर अब सही मायनों में सियासी रंग चढ़ने लगा है। वह इसलिये क्योंकि सवा-डेढ़ माह दूर रह गये लोकसभा के चुनावी मैदान में उतरे सभी दल या तो अपने प्रत्याशी तय कर चुके हैं या फिर उस प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं। जहां तक गठबन्धन की बात है, तो सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के साथ कथित रूप से तीन दर्जन से अधिक राजनीतिक दल एनडीए के हिस्से हैं। वहीं प्रमुख चुनौती बनकर उभरी कांग्रेस ने अपने इंडिया गठबन्धन में दो दर्जन पार्टियों को शामिल कराकर भाजपा एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिंताएं बढ़ा दी हैं जो अपने लिये तीसरा कार्यकाल तय मानकर चल रहे थे। सीटों का बंटवारा भी अपने-अपने लिहाज से हो रहा है। कांग्रेस जहां पांच न्याय एवं 25 गारंटियों के ईर्द-गिर्द अपना घोषणापत्र लगभग बना चुकी है, वहीं भाजपा मोदी के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये एक बार और सत्ता चाहती है। हालांकि वे कौन से काम हैं जो पूरे किये जाने हैं, यह अस्पष्ट, अपराभाषित व अव्याख्यायित है। उल्टे, उनके 10 साल के कामों को देखते हुए तो वह बड़ी हद तक आशंका पैदा करने वाले हैं।

इस चुनावी चरण से निकलकर अब कयासों का दौर शुरू हो चुका है कि अगली सरकार किसकी बनने जा रही है। भारत के मानचित्र को सामने रखकर जब इस पर विचार होता है तो लोगों के सामने यह आश्चर्य बनकर उभरता है कि मोदी ने जो लक्ष्य बनाया है, वह कैसे पाया जा सकता है। विभाजित प्रतिपक्ष के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा की स्थिति ऐसी कतई नहीं थी कि वह पहले से भी बड़ा बहुमत लेकर सत्ता में लौट सके। वह तो ऐन वक्त पर घटा पुलवामा कांड था जिसकी आड़ में मोदी दूसरी बार पीएम बने। उन्होंने शहीदों के नाम पर सहानुभूति और वोट दोनों बटोरे। पहले दौर की ही तरह मोदी का दूसरा कार्यकाल भी असफलताओं से भरा साबित हुआ। 2014 से 2019 के बीच नोटबन्दी लोगों के लिये जानलेवा साबित हुई तो 2019 से अब खत्म होने जा रहे कार्यकाल के दौरान कोरोना ने देश को तबाह कर दिया। देश चाहे आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका हो परन्तु मोदी के चंद पूंजीपति मित्र अमीरों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये। साफ था (और है भी) कि मोदी का वरदहस्त उन पर था। इसके खिलाफ़ संसद के भीतर व बाहर जमकर आवाजें उठीं, भ्रष्टाचार के पर्दाफाश भी हुए लेकिन इस पर सरकार ने मौन साधे रखा। उल्टे, अपनी ताकत का इस्तेमाल कर विरोधी आवाजों को बन्द करने के संगठित, सुनियोजित एवं राज्य प्रायोजित उपक्रम हुए। कुछ में सरकार कामयाब हुई तो कुछ आवाजों को वह दबा न सकी।

वैसे तो 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के लिये मोदी-भाजपा ने तैयारियां काफी पहले से शुरू कर दी थीं, लेकिन सबसे बड़ा दांव अयोध्या स्थित राममंदिर का था जिसमें रामलला की मूर्ति की 22 जनवरी को आनन-फानन में प्राण-प्रतिष्ठा तो हुई लेकिन उसका खास फायदा होता नज़र नहीं आया क्योंकि श्रद्धा की जो लहर उठाई गयी थी, वह हफ्ते भर में ही विलीन हो गयी। फिर, नागरिकता संशोधन कानून का भी अपेक्षित फायदा मिलता नहीं दिख रहा है। चूंकि कामों के बारे में किसी भी तरह का उल्लेख करने की स्थिति में भाजपा और मोदी हैं ही नहीं, तो मोदी अपनी रैलियों व भाषणों में भावनात्मक मुद्दे उभारने की कोशिशें कर रहे हैं, जिनमें कभी वे संदेशखाली (पश्चिम बंगाल) की महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न पर आंसू बहाते हैं तो कभी बताते हैं कि राहुल गांधी युवाओं को 'नशेड़ी' बतला रहे हैं। ऐसे ही, राहुल गांधी द्वारा दिये गये इस बयान को भी उन्होंने हास्यास्पद ढंग से तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश की जिसमें राहुल ने कहा था कि वे (राहुल) एक 'शक्ति' के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने मोदी की दमनात्मक शक्तियों की ओर ईशारा किया था लेकिन मोदी ने उसे बड़े ही बचकाना तरीके से 'स्त्री शक्ति' से जोड़ने की नाकाम कोशिश की। वे साबित करना चाहते थे कि राहुल व कांग्रेस महिला तथा हिन्दू विरोधी हैं। उनकी ऐसी चालें बेअसर हो रही हैं क्योंकि लोग अब जान गये हैं कि जो मोदी संदेशखाली की महिलाओं की स्थिति को लेकर इतने द्रवित हैं वे मणिपुर और महिला पहलवानों के मामलों में चुप्पी साधे बैठे हैं। उनके दोनों ही आचरण उनकी राजनीति के हिस्से हैं।

डॉ. दीपक पाचपोर

इस चुनावी चरण से निकलकर अब कयासों का दौर शुरू हो चुका है कि अगली सरकार किसकी बनने जा रही है। भारत के मानचित्र को सामने रखकर जब इस पर विचार होता है तो लोगों के सामने यह आश्चर्य बनकर उभरता है कि मोदी ने जो लक्ष्य बनाया है, वह कैसे पाया जा सकता है। विभाजित प्रतिपक्ष के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा की स्थिति ऐसी कतई नहीं थी कि वह पहले से भी बड़ा बहुमत लेकर सत्ता में लौट सके। वह तो ऐन वक्त पर घटा पुलवामा कांड था जिसकी आड़ में मोदी दूसरी बार पीएम बने। उन्होंने शहीदों के नाम पर सहानुभूति और वोट दोनों बटोरे।

2014 में वे कांग्रेस के कथित भ्रष्टाचार, परिवारवाद आदि के जिन मुद्दों को लेकर जीते थे, आज भी वे ही उनके मुख्य सियासी राग हैं। इसका कारण यही है कि पीएम के पास उनके कथित आर्थिक मॉडल और विकास सम्बन्धी कोई भी बात बतलाने के लिये है ही नहीं। ऐसे में कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन अपने कुछ आंतरिक दिक्कतों के बावजूद लगातार मजबूत हो रहा है। असली बात यह है कि वह एकजुट बना हुआ है जिसके बारे में भाजपा ने उम्मीद ही नहीं की थी। यह तो सही है कि कई राज्यों या सीटों पर इंडिया के भागीदार दलों के बीच मतभेद हैं लेकिन उन पर परस्पर चर्चाएं हो रही हैं। बड़ी बात नहीं कि कुछ पर विवाद बने रहें और उनके आखिर तक हल न ढूंढे जा सकें पर सवाल यह है कि मोदी ने अबकी बार जो भाजपा की 370 व एनडीए की 400 सीटों का लक्ष्य रखा है वह क्या प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह लक्ष्य पाना कठिन दिखता है। इसके कई कारण हैं। पहला तो यह है कि यह इसलिये व्यवहारिक नहीं हो सकता क्योंकि भाजपा का दावा है कि उनके एनडीए में 38 दल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भाजपा अपनी सहयोगी 37 पार्टियों से सिर्फ 30 सीटों की उम्मीद रखती है। फिर, अपने चरमोत्कर्ष काल में भाजपा 303 सीटें ही जीत सकी थी तो इनमें लगभग 70 का इज़फ़ा वह कैसे करेगी? कुछ का कहना है कि यह केवल मनोवैज्ञानिक युद्ध है जो मोदी लड़ रहे हैं। वे ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे है जिससे लोगों को लगे कि भाजपा सरकार ज्यादा बड़े बहुमत से जीतकर आ रही है। दूसरे, वे विपक्ष का मनोबल गिराना चाहते हैं।

नया घटनाक्रम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी का है जिसके कारण भाजपा और भी फंस गयी है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार करने से इंडिया गठबन्धन और भी एकजुट हो गयी है। आप की मौजूदगी दिल्ली के अलावा सरकार के रूप में पंजाब में है। इसके साथ ही चंडीगढ़ में उसका मेयर है तथा गोवा, गुजरात, हरियाणा के अलावा कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में भी उसकी उपस्थिति है। इस गिरफ्तारी से भाजपा की 'बी' टीमें कहलाने वाली पार्टियां भी सतर्क हो गयी हैं। बड़ी बात नहीं कि वे चुनाव के पहले या बाद में इंडिया से जुड़ जायें क्योंकि उन्होंने देख लिया है कि जो केजरीवाल अक्सर भाजपा के लिये मददगार साबित हुए हैं, वे भी असुरक्षित हैं, फिर तो किसी पर भी गाज गिर सकती है। उधर भाजपा के कई लोग चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं। कई ने पार्टी टिकटें तक लौटा दीं। साफ है कि लोग भाजपा की टिकट पर लड़ना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। कुछ भाजपायी सांसदों ने तो राजनीतिक संन्यास का ऐलान तक कर दिया है। ये सारे ही स्पष्ट संकेत हैं कि 370-400 पार का भाजपायी नारा छलावा मात्र है।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

क्या रामलीला मैदान अपना 1977 का इतिहास दोहराएगा!

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि शराब घोटाले के आरोपों में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सर्वोच्च नेता, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी, ठीक उस समय हुई है जब चुनावी बांड महाघोटाले की परतें बाकायदा उधड़नी शुरू हो चुकी हैं। इसी का नतीजा है कि आम आदमी पार्टी की इस दलील का लोगों के बीच काफी हद तक असर हो रहा है कि कथित रूप से 100 करोड़ रु0 के दिल्ली के शराब घोटाले में अगर कोई ''मनी ट्रेल'' है भी तो, वह तो सीधे भाजपा तक जाती है, जिसके सबूत बांड घोटाले से संबंधित रहस्योद्घाटनों के हिस्से के तौर पर सामने आ चुके हैं। याद रहे कि जिस स्थापित दवा कारोबारी, शरतचंद्र रेड्डी की उक्त घोटाले के मुख्य अभियुक्त के रूप में गिरफ्तारी के बाद, वादामाफ गवाह बनाकर रिहाई के बाद, मुख्यत: उसकी गवाही की ही बिनाह पर मनीष सिसोदिया तथा संजय सिंह के बाद, अब खुद अरविंद केजरीवाल की भी गिरफ्तारी की जा चुकी है, उससे जुड़ी कंपनियों ने इसी दौरान, बांड के जरिए भाजपा को पूरे 55 करोड़ रु0 का चंदा दिया था। इसमें 5 करोड़ रु0 का चंदा तो रेड्डी की जमानत पर रिहाई के फौरन बाद दिया गया था और बाकी 50 करोड़ का चंदा अलग-अलग किस्तों में बाद में दिया गया। अगर वाकई 100 करोड़ रु0 का घोटाला हुआ था, जैसाकि ईडी का आरोप है, तो इसे बेशक घोटाले की अवैध कमाई के प्रवाह की मुख्य धारा माना जाना चाहिए। हां! अगर कोई यह दलील देने लगे तो बात दूसरी है कि भाजपा को बांड के जरिए दिया गया 55 करोड रु0 तो ईडी द्वारा इस दवा व्यापारी से केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के लिए, सीधी-साधी हफ्ता वसूली या एक्सटॉर्शन का मामला है!

इस पूरे मामले से इसका कुछ अंदाजा तो लग ही सकता है कि चुनावी बांड घोटाले का भूत, भाजपा की सारी कोशिशों के बावजूद, आसानी से उसका पीछा छोड़ने वाला नहीं है। यह घोटाला इतना बड़ा और इतनी अवैधताओं को समेटे हुए है कि कम से कम इस आम चुनाव तक तो, इसकी नयी-नयी परतें खुलती ही रहेंगी। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इस मामले में मोदी सरकार और सत्ताधारी पार्टी के बचाव के लिए, संघ-भाजपा की ओर से अमित शाह तथा निर्मला सीतारमण से लेकर, खुद आरएसएस के महासचिव, होसबले को उतारे जाने के बावजूद, घोटाले से लेकर हफ्तावसूली तक के आरोपों को जवाब देना तो दूर रहा, उन्हें भोंथरा तक नहीं किया जा सका है। और तो और संघ-भाजपा का इसका प्रचार भी खास काम नहीं आया है कि बांड के जरिए अगर अवैध तरीके से पैसा इकट्ठा किया गया है, तो इस तरह अकेले भाजपा ने ही पैसा थोड़े ही जुटाया है, दूसरी पार्टियों ने भी तो बांड से पैसा उठाया है और तृणमूल कांग्रेस, टीआरएस, एसआरसीपी, बीजेडी आदि क्षेत्रीय पार्टियों ने तो खासतौर पर उल्लेखनीय मात्रा में इस रास्ते से पैसा उठाया है।

प्रचार की सारी ताकत लगाए जाने के बावजूद, इस दलील को एक तो इस तथ्य ने बेअसर कर दिया है कि दूसरी तमाम पार्टियों को मिलकर बांड से जितना पैसा मिला था, उससे ज्यादा पैसा अकेले भाजपा ने बटोरा था। दूसरे कुछ क्षेत्रीय सत्ताधारी पार्टियां स्थानीय रूप से कुछ बड़े उद्योगपतियों को उपकृत करने के बदले में उनसे बांड से चंदा लेने की स्थिति में रही भी हों तब भी, केवल केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा ही केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर के हफ्ता वसूली करने और इन्फास्ट्रक्चर, खनन आदि क्षेत्रों की भीमकाय कंपनियों को ठेकों, मंजूरियों आदि के जरिए उपकृत करने के बदले में चंदा बटोरने की स्थिति में थी। और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा ही, यह जानने की स्थिति में थी कि कौन सा उद्योगपति, उसके अलावा भी किस पार्टी को, कितना चंदा दे रहा था? इस जानकारी को हथियार बनाकर, केंद्रीय एजेंसियों के जरिए आसानी से यह सुनिश्चित किया जा सकता था कि चंदे का यह दरवाजा, सिर्फ और सिर्फ सत्तापक्ष के लिए खुला रहे, विरोधियों के लिए नहीं। कांग्रेस का चुनावी बांड से कमाई में तृणमूल कांग्रेस से भी पीछे, बहुत दूर तीसरे नंबर पर रह जाना और बांड से मिले कुल चंदे के दस फीसद से भी कम और भाजपा को मिले चंदे से चौथाई से भी कम में सिमट जाना, इसी की ओर इशारा करता है।

इसीलिए, संघ-भाजपा और उनका सेवादार मीडिया, ध्यान बंटाने के जरिए, इस महाघोटाले को ज्यादा से ज्यादा अनदेखा करने की ही कार्यनीति का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से इस घोटाले के संबंध में, स्वतंत्र संगठनों तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा सामने लाया जा रहा मसाला इतना विस्फोटक है कि मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से को, खासतौर पर मुख्यधारा के प्रिंट मीडिया के एक हिस्से को भी, इन रहस्योद्घाटनों को जगह देनी ही पड़ रही है। मिसाल के तौर पर लीगेसी मीडिया भी पूरी तरह से इस तरह की कहानियों को कैसे अनदेखा कर सकता है कि बांड से करीब 1,000 करोड़ रु0 का चंदा देने वाली 32 दवा कंपनियों में, 7 ऐसी दवा कंपनियां भी शामिल थीं, जिनके खिलाफ घटिया दवाएं बनाने के लिए, सरकारी मशीनरी द्वारा जांचें/ कार्रवाइयां की जा रही थीं! या यही कि कुख्यात सिलक्यारा टनल, जिसके बैठ जाने से, इकतालीस मजदूर कई हफ्ते तक फंसे रहे थे और इसके बावजूद उसे बनाने वाली कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी थी, उसने भी भाजपा को 55 करोड़ रु0 का चंदा बांड के जरिए दिया था! और यह भी कि बीसियों कंपनियों ने अपने मुनाफे से कई-कई गुना ज्यादा चंदा बांड के जरिए दिया था और इनमें एक दर्जन से ज्यादा ऐसी कंपनियां शामिल थीं, जिन्होंने अपनी स्थापना के साथ ही यानी कोई मुनाफा आने से पहले ही चंदा देना शुरू कर दिया था या जिनके सारे लक्षण शैल या खोखा कंपनियों के थे।

इस सब के सामने आने से, मीडिया पर मुकम्मल नियंत्रण और अधिकतम संभव प्रचार के बल पर, गढ़ी गयी मोदी राज की ''न खाऊंगा, न खाने दूंगा'' की छवि, भरभरा कर गिरनी शुरू हो गयी है। इसके स्वाभाविक परिणाम के रूप में, विपक्षी नेताओं को ''भ्रष्ट'' बनाकर पेश करने की संघ-भाजपा की मुहिम, भोंथरी होती जा रही है। ऐसे में और खासतौर पर चुनाव से ऐन पहले, केंद्रीय एजेंसियों के सहारे विपक्ष के खिलाफ कोई भी कार्रवाई, नरेंद्र मोदी के प्रचार के लिए उल्टी ही पड़ सकती है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में ठीक यही होता नजर आ रहा है। इससे पहले, जनवरी की आखिरी तरीख को, ऐसे ही गढ़े हुए मामले में, झारखंड के मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था; तब भी संघ-भाजपा अपना मनचाहा हासिल नहीं कर पाए थे। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के संदर्भ में जिस तरह, सरकार का वैकल्पिक नेतृत्व सामने आ गया, जिसने आसानी से बहुमत साबित कर दिया और जिस तरह हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के खिलाफ खासतौर पर झारखंड के आदिवासी गोलबंद हुए, उसने मोदी राज के मंसूबों पर कम से कम झारखंड के स्तर पर पानी फेर दिया। आम चुनाव के संदर्भ में इसका एक इशारा, राज्य से कांग्रेस की इकलौती सांसद को और हेमंत सोरेन की भाभी को दलबदल करा के, हाथ के हाथ लोकसभा के लिए भाजपा का टिकट दे दिया जाना है।

राजेन्द्र शर्मा

इसीलिए, संघ-भाजपा और उनका सेवादार मीडिया, ध्यान बंटाने के जरिए, इस महाघोटाले को ज्यादा से ज्यादा अनदेखा करने की ही कार्यनीति का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। लेकिन, उनके दुर्भाग्य से इस घोटाले के संबंध में, स्वतंत्र संगठनों तथा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों द्वारा सामने लाया जा रहा मसाला इतना विस्फोटक है कि मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से को, खासतौर पर मुख्यधारा के प्रिंट मीडिया के एक हिस्से को भी, इन रहस्योद्घाटनों को जगह देनी ही पड़ रही है।

बहरहाल, केजरीवाल की गिरफ्तारी के मामले में मोदी राज के मंसूबों की विफलता, और दूर तक जाती नजर आती है। अगर, चुनाव से ठीक पहले इस तरह की कार्रवाई के पीछे यह विचार था कि केजरीवाल को जेल में डालने से, उनकी पार्टी पंगु हो जाएगी, चुनाव अभियान चलाने में असमर्थ हो जाएगी, तो साफ तौर पर यह विचार गलत साबित होने जा रहा है। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार से लेकर, केजरीवाल की पार्टी के चुनाव प्रचार तक पर, शायद ही कोई असर पड़ता नजर आता है। उल्टे आम आदमी पार्टी कहीं लड़ाकू तेवर में नजर आती है और चुनाव प्रचार के मंच से केजरीवाल की अनुपस्थिति से जो कमी रह भी जाएगी, उससे ज्यादा की भरपाई केजरीवाल के मोदी राज के जुल्म-ज्यादती के शिकार बनाए जाने की छवि कर देने वाली है।

वास्तव में इसका असर सिर्फ दिल्ली और इसके अलावा हरियाणा व पंजाब तक ही सीमित रहे, यह भी जरूरी नहीं है, हालांकि दिल्ली और हरियाणा में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच सीटों पर तालमेल हो चुका है। केजरीवाल की गिरफ्तारी पर, उनकी अपनी पार्टी ने ही नहीं बल्कि समूचे विपक्ष ने जिस तरह से प्रतिक्रिया की है, उसमें इस गिरफ्तारी के देश भर में मोदी राज की तानाशाही के प्रतीक के रूप में देखे-पहचाने जाने की संभावनाएं नजर आती हैं। केरल, तमिलनाडु आदि समेत, देश के अनेक हिस्सों में हुई विरोध कार्रवाइयां, इसी की ओर इशारा करती हैं। 31 मार्च को बुलायी गयी रामलीला मैदान की विरोध रैली, जिसमें इंडिया गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों के नेताओं के शामिल होने की ही उम्मीद नहीं की जा रही है, जिसके लिए वामपंथ तथा कांग्रेस समेत सभी पार्टियां सक्रिय रूप से गोलबंदी कर रही हैं, इसी सिलसिले को और आगे ले जाएगी।

इस संदर्भ में 1977 के आम चुनाव की पूर्व-संध्या में दिल्ली के रामलीला मैदान में ही हुई विपक्ष की संयुक्त रैली की याद आना स्वाभाविक है, जिसने इमर्जेंसी के लिए जिम्मेदार श्रीमती गांधी की विदाई की पटकथा लिख दी थी। रामलीला मैदान एक बार फिर अपना यह इतिहास दोहरा पाता है या नहीं, नरेंद्र मोदी की विदाई की पटकथा लिख पाता है या नहीं, यह तो आने वाले हफ्तों और दो महीनों में पता चलेगा। लेकिन, इतना तय है कि स्थितियां उसी ओर बढ़ती नजर आती हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी, नरेंद्र मोदी निजाम की बढ़ती तानाशाही को तेजी से बहस के केंद्र में ला रही है। यही वह धुरी है, जहां से नरेंद्र मोदी की गाड़ी को बेपटरी किया जा सकता है। पहले, ओडिशा में बीजू जनता दल और अब पंजाब में अकाली दल का भाजपा के गठबंधन के न्यौते को ठुकरा देना, इसी दिशा में एक और इशारा लगता है।

पावन प्रसंग

मानसिक और वैचारिक चिकित्सा

स्वाध्याय की उपयोगिता असाधारण एवं अद्भुत है। यह मानसिक आरोग्य एवं वैचारिक संवर्द्धन के लिए अत्यावश्यक है। क्योंकि मन और विचार के शुद्ध परिष्कृत हुए बगैर स्वस्थ शरीर एवं शालीन व्यवहार की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वाध्याय के द्वारा पहले मन स्वस्थ होता है, फिर जीवन। सोच-विचार के तंत्र में प्रकृति बनी रहने पर शारीरिक एवं व्यवहारिक परेशानियां तथा समस्याएं बनी रहती हैं। स्वाध्याय इन सबको ठीक करने के लिए सर्वप्रथम विचारतंत्र को परिष्कृत परिमार्जित करता है और अपने स्व अर्थात अस्तित्व का बोध कराता है। अत: अध्यात्म जगत में इसे चिकित्सा का स्थान दिया गया है, परंतु विडंबना यह है कि वर्तमान समय में स्वाध्याय की प्रवृत्ति घटी है और यहां तक कि अध्ययन के प्रति सम्मान में भी कमी आई है। अध्ययन और पढ़ने में अंतर होता है तथा इन दोनों से स्वाध्याय का स्थान पर्याप्त ऊंचा और श्रेष्ठ है। अखबार और पत्र-पत्रिकाओं को उलटना-पलटना पढ़ने की कोटि में आता है। पढ़ना एक प्रकार से सूचना संग्रह करने की प्रक्रिया है। अध्ययन के अंतर्गत श्रेष्ठ साहित्य, दर्शन, विज्ञान आदि आते हैं, जिनमें विषय की गहराई होती है। अध्ययन में मनन-चिंतन का पर्याप्त स्थान होता है; क्योंकि इसके बिना विषय की गहराई में उतर पाना संभव नहीं है। स्वाध्याय में ऐसे साहित्य आते हैं,जो हमारे अस्तित्व को बताने के लिए सहायक होते हैं। इन साहित्य के माध्यम से ऐसे सूत्र प्राप्त किए जाते हैं जिनसे हमारी स्वचेतना के विकसित होने की अवस्था में एक नई दिशा-दशा उपलब्ध हो सके। स्वाध्याय स्वयं को जानने की विधा है, जीवन को पढ़ने की कला है। जीवन के मर्मज्ञ एवं द्रष्टा मानते हैं कि जीवन इस संसार की सर्वश्रेष्ठ रोमांचक पुस्तक है। स्वाध्याय से इसके रहस्य परत दर परत खुलते चले जाते हैं और हम रहस्य के क्षेत्र में प्रवेश करते चले जाते हैं।

मन को अपने अनुरूप मनोरंजन की आवश्यकता है। अत: यदि इसे श्रेष्ठ विचारों से युक्त साहित्य नहीं मिलेगा तो वह निम्नस्तरीय साहित्य के प्रति आकर्षित होगा ही। इसी स्तरीय साहित्य के सुबोध और सरल भाषा में लिखे होने के अभाव में ही ऐसी मानसिक विपन्नता फैली है, बढ़ी है। स्वाध्याय चिकित्सा के द्वारा इस मानसिकता को परिष्कृत कर स्वस्थ एवं श्रेष्ठ विचारों से संपन्न किया जा सकता है। सोच विचार या बोधतंत्र को निरोग करने की सार्थक प्रक्रिया स्वाध्याय से बढ़कर और कुछ नहीं है। ध्यान देने योग्य बात है कि स्वाध्याय अध्ययन नहीं है और न इसका पयार्य ही है। अध्ययन केवल बौद्धिक विकास तक सीमित रहता है, जबकि स्वाध्याय अपने बोध को संवारने,तराशने की महान प्रक्रिया है।

मानवीय चेतना के गंभीर जानकार एवं मनीषी इस बोध के दो आयाम बताते हैं। पहला है- बाह्य बोध और दूसरा है- आंतरिक बोध। बाह्य बोध इंद्रियों की सहायता से होने वाला बोध है और आंतरिक बोध अर्थात बौद्धिक विवेचन विश्लेषण एवं आंतरिक अनुभूतियों से होने वाला ज्ञान है। बोध के दोनों आयाम आपस में जुड़े एवं हुए हैं। जो इंद्रियां अनुभव करती हैं बुद्धि उस पर विचार किए बिना नहीं रहती। इसी प्रकार से हमारी आंतरिक सोच में जो विचार, भावनाएं, विश्वास, आस्थाएं, अपेक्षाएं व आग्रह समाये रहते हैं, वे इंद्रिय अनुभूतियों को अपने रंग में रंगे बिना नहीं रहते। यदि दृष्टिकोण को स्वस्थ बना लिया जाए तो जीवन के सभी आयाम अपने आप ही स्वस्थ हो जाते हैं। स्वाध्याय इस दृष्टिकोण की चिकित्सा करता है, देखने के नजरिए को बदल देता है।

स्वाध्याय सूक्ष्म अध्ययन की श्रेष्ठ प्रविधि है। इस विधि के चार मुख्य बिंदु हैं। इस क्रम में सबसे पहले ऐसे ग्रंथों का चयन किया जाता है, जो 'स्व' की अनुभूति से संपन्न महामानवों द्वारा सृजित किए गए हों, इनके लिए उपनिषद,गीता, श्री अरविंद, स्वामी विवेकानंद आदि के लिखे ज्ञान की बातें पढ़ी जा सकती हैं।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

उस दौर में जनता की जबान पर एक ही मांग ,हैंडपम्प लगवा दे

यूपी,बिहार ,ओडिशा और ऐसे अनेक राज्यो में पेयजल की समस्या से झुझते लोगों की एक ही मांग रहती थी कि हमारे मोहल्ले में एक हैंडपंप लगा दीजिए। वोट मांगने वाले ज्यादातर ऐसे लोगों को मतदाताओं की इसी ख्वाहिश से दो-चार होना पड़ता था। हमारे दरवाजे पर एक इंडिया मार्क हैंडपंप लगवा दीजिएगा।

दरअसल, करीब पांच दशक पहले ईजाद हुआ यह हैंडपंप देश में पेयजल का सबसे बड़ा साधन बन गया था और खासकर ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में इसे अपने दरवाजे पर लगवाने के लिए मारामारी मची रहती थी। गहराई से खींचे जाने के कारण इसी का पानी सबसे स्वच्छ और प्रदूषणरहित रहता था। इसलिए हर कोई इसकी मांग करता था। यह हैंडपंप लगवाने की ख्वाहिश जरूरत ज्यादा हो गई थी कि यह ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत प्रमुख, पंचायत समितियों के सदस्य, विधानसभा सदस्य तथा संसद सदस्यों तक हर जनप्रतिनिधि की लोकप्रियता को काफी हद तक प्रभावित कर रहा था इसलिए उसकी हार-जीत का कारण बन रहा था। अनेक जनप्रतिनिधियों के मुताबिक हर कोई यही उम्मीद करता था कि उसके दरवाजे पर भी एक हैंडपंप लग जाए, मांग न पूरी होने पर उसकी नाराजगी भुगतनी पड़ती थी। विधायको के पास रोज आने वालों में 80 फीसदी से ज्यादा लोग पानी की समस्या लेकर जाते थे। उनमें बहुतायत लोग हैंडपंप मांगते थे घर, स्कूल- कॉलेज,मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारे, कब्रिस्तान-श्मशान जगह के लिए लोग नल मांगते थे।

ऐसा तजुर्बा अकेला एक राज्य का नहीं था। 1980 के दशक में लोग बिजली आदि के लिए आते थे लेकिन दो दशक पहले जनता की एक ही जरूरत सबसे बड़ी रहती थी वह था- पानी। रोजाना जो लोग आते पंचायतों से आते थे। उनमें से आधे लोग नल मांगने जाते थे। पानी की कमी और उसके चलते जनता का यह कष्ट क्षेत्र और अंचलों की सीमाओं से परे था। पानी की कमी से हर आदमी पीड़ित था लेकिन उस दौर में कांग्रेस समाजवादी बहुजन समाज पार्टी जनता की जरूरत पूरी नहीं कर पाते थे। कमजोर आदमी तक ये सुविधाएं पहुंच नहीं पातीं थी पर जिसके घर में एक हैंडपम्प लगा है वह दूसरा अपने आंगन में लगवाना चाहता था। गांवों से जो लोग जनप्रतिनिधियों के पास जाते थे गरीब आदमी जाता था वह अक्सर हैंडपंप की ही मांग को लेकर जाता था। दरअसल, पानी की समस्या देशव्यापी थी इसलिए इंडिया मार्क हैंडपंप की मांग भी देशव्यापी थी। प्रदेश के किसी भी गांवों में उस समय औसत आदमी की कोई समस्या अगर थी तो वह पानी की समस्या थी । विकासशील भारत में जल जीवन मिशन पूरे शबाब पर है। हर घर नल से जन की योजना से कोई व्यक्ति कोई भी घर बाकी नहीं रह सकता है। आज और पूर्व की तुलना से ज्ञात हो जाता था कि जनता के पास पूर्ववृति सरकारें कैसा सौतेला व्यवहार करती थी। हैंडपम्प की व्यवस्था जिस गांव या मोहल्ले में हो जाती थी वहा से प्रत्याशी जीत जाता था।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण पर काबू पाया, पूरी तरह से नियंत्रण नहीं

सिडनी, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में बड़े पैमाने पर लगी आग में आठ संपत्तियां पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी आग पर पूरी तरह से नियंत्रण नहीं पाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रांत के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग (डीएफईएस) ने कहा कि वापस लौटना अभी सुरक्षित नहीं है। अग्निशमन दल आग को पूरी तरह से बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं। पूरे दिन धुआं ही धुंआ बने रहने की आशंका है।

मॉस्को आतंकी हमले पर अब भी कई सवाल बरकरार : पुतिन

मॉस्को, 26 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल में आतंकवादी हमला कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा किया गया था, लेकिन कई सवाल अभी भी बने हुए हैं।

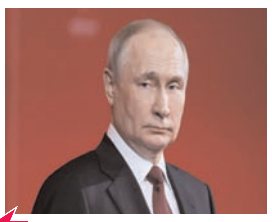

यह पहले से ही पता है कि आतंकवादी हमले को किसने अंजाम दिया, लेकिन अब हमें ये जानने में दिलचस्पी है कि हमले का आदेश किसने दिया : पुतिन

पुतिन ने सोमवार को आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए कदमों पर एक बैठक में कहा कि हम जानते हैं कि अपराध कट्टरपंथी इस्लामवादियों ने किया, जिनकी विचारधारा से इस्लामी दुनिया खुद लड़ रही है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यह पहले से ही पता है कि आतंकवादी हमले को किसने अंजाम दिया, लेकिन अब हमें ये जानने में दिलचस्पी है कि हमले का आदेश किसने दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सभी को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि नरसंहार में कीव का कोई हाथ नहीं है।

पुतिन का मानना है कि सवाल अभी भी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई सवालों के जवाब पाना जरूरी है। उदाहरण के लिए, क्या कट्टरपंथी, यहां तक कि आतंकवादी, इस्लामी संगठन वास्तव में रूस पर हमला करना चाहते थे।

पुतिन ने यह भी कहा कि इस सवाल का जवाब देना जरूरी है कि क्रोकस हॉल में हमले के बाद आतंकवादियों ने यूक्रेन जाने की कोशिश क्यों की और वहां उनका कौन इंतजार कर रहा था। पुतिन ने हमले को डराने-धमकाने की कार्रवाई बताते हुए कहा कि सवाल है कि इससे किसे फायदा होना था।

खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमले में 5 चीनी नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के बेशम शहर में एक आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई। आतंकियों ने उस वाहन को निशाना बनाया जिसमें वे यात्रा कर रहे थे। जियो न्यूज ने मंगलवार को पुलिस के हवाले से कहा कि हमलावरों ने विस्फोटकों से भरे अपने वाहन से चीनी इंजीनियरों की कार को टक्कर मार दी। इंजीनियर इस्लामाबाद से कोहिस्तान में दासू शिविर जा रहे थे। कार का ड्राइवर, जो एक पाकिस्तानी नागरिक था, ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने और इलाके की घेराबंदी के बाद संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है।झ चीन की गेझोउबा ग्रुप कंपनी दासू क्षेत्र में एक जलविद्युत बांध का निर्माण कर रहे हैं, जो आतंकियों के लिए पहले भी एक टारगेट रहा है। इस क्षेत्र में 2021 में एक बस विस्फोट में नौ चीनी नागरिकों सहित 13 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका के वीटो रोकने पर यूएनएससी ने गाजा युद्धविराम का किया आह्वान

संयुक्त राष्ट्र, 26 मार्च (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका जब इजरायल के साथ अपने खराब रिश्तों के संकेत के रूप में प्रस्ताव पर रोक लगाने को सहमत गया, उसके बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गाजा में तत्काल बिना शर्त युद्धविराम का आह्वान किया, ताकि ध्रुवीकरण पर काबू पाया जा सके और हमास का पीछा किए जाने से हो रही भारी जनहानि को रोका जा सके।

अन्य सभी 14 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया, साथ ही प्रस्ताव में यह भी मांग की गई कि हमास 7 अक्टूबर को इज़रायल पर आतंकवादी हमले में बंधक बनाए गए बंधकों को रिहा कर दे, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इसने रमज़ान के महीने के लिए युद्धविराम का आह्वान किया, जो पहले से ही चल रहा है और गाजा के लोगों के लिए मानवीय सहायता बढ़ाने के लिए।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने गाजा में अकाल की हालत बनने की चेतावनी दी है, जिसके लिए खाद्य आपूर्ति सीमित कर दी गई है। गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल के निरंतर

■ संरा ने दी गाजा में अकाल के हालत बनने की चेतावनी

प्रतिशोध के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन के समर्थन की बढ़ती आलोचना के कारण अमेरिका ने दूर रहने का फैसला किया, जहां लगभग 32,000 लोग मारे गए हैं, जिनमें से कई महिलाएं और बच्चे हैं। अमेरिका द्वारा प्रायोजित एक प्रस्ताव को चीन और रूस ने शुक्रवार को वीटो कर दिया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसमें स्पष्ट रूप से युद्धविराम की मांग नहीं की गई थी, लेकिन यह एक सुझाव की तरह लग रहा था, जिसमें केवल यह कहा गया था कि यह अनिवार्य है।

सोमवार से पहले, छह प्रस्तावों को वीटो किया गया था, तीन अमेरिका द्वारा, दो संयुक्त रूप से चीन और रूस द्वारा और एक अकेले रूस द्वारा। जब ये प्रस्ताव पारित हुए तो परिषद कक्ष में तालियां गूंज उठीं।

सुडोकू 6506

3		9			4		6	
	8			2				
6	7	1						
8			5			7		
5								1
		3			6			5
						9	3	8
				8			7	
	9		3			5		6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे से प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 27 मार्च, 2024 चैत कृष्ण पक्ष 2

राशिफल

मेष - आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। धन की बेहतर आवक होगी। पारिवारिक और दांपत्यजीवन में सुख और संतोष का अनुभव होगा। वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ - शारीरिक मानसिक स्वस्थता के साथ आप अपने काम निर्धारित रूप से पूरे कर सकेंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे। ननिहाल पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे।

मिथुन - आज का दिन मध्यम रहेगा। नए काम की शुरुआत न करना हितकर रहेगा। जीवनसाथी और संतान के विषय में चिंता रहेगी। इस कारण मन में चिंता बनी रहेगी। अपच के कारण स्वास्थ्य भी कुछ नरम-गरम रहेगा।

कर्क - आप में आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मन में खिन्नता रहेगी। छाती में दर्द या किसी कारण से तकलीफ होगी। अनिद्रा सताएगी। सार्वजनिक रूप से स्वाभिमान भंग न हो, इसका ध्यान रखें। धन खर्च होगा।

सिंह - कार्य सफलता और विरोधियों पर विजय मिलने से मन में प्रसन्नता छाई रहेगी। भाई-बहनों के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटनस्थल पर घूमने-फिरने का आनंद उठा सकेंगे।

कन्या - आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। वाणी की मधुरता से दूसरे लोगों के मन पर अपनी सकारात्मक छाप छोड़ सकेंगे। पारिवारिक वातावरण भी अच्छा रहेगा। वाणी पर संयम बरतने से वाद-विवाद की संभावना कम हो जाएगी।

तुला -आपके प्रत्येक काम में आत्मविश्वास छलकता हुआ दिखेगा। आर्थिक योजनाएं भी सरलतापूर्वक बना सकेंगे। शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। वस्त्राभूषण और आनंद-प्रमोद के पीछे खर्च होगा।

वृश्चिक -स्वभाव में उग्रता और वाणी पर संयम रखने की जरूरत है। शारीरिक शिथिलता और मानसिक चिंता से आपका मन व्यथित रहेगा। वाहन चलाते समय दुर्घटना हो सकती है। संभव हो तो ऑपरेशन या नई चिकित्सा को आज टाल दें।

धनु - आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। आपको आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। मित्रों और परिजनों के साथ पर्यटन स्थल पर जाने से खुशी मिलेगी।

मकर - परिवार और संतान के विषय में आपको आनंद और संतोष का भी अनुभव होगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ हुई भेंट से आपका मन प्रसन्न हो उठेगा।

कुंभ - विरोधियों के साथ वाद-विवाद न करने की सलाह दी जाती है। शारीरिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। शिथिलता और आलस्य बना रहेगा। मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन - आकस्मिक धन लाभ का योग है। व्यापारीवर्ग को रुके हुए पैसे मिलेंगे। आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से अधिक परिश्रम करने पड़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेगा। नियम विरुद्ध काम मुसीबत में डाल सकते हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

गाजा के अल-शिफा अस्पताल में मिला हथियारों का जखीरा : आईडीएफ

तेल अवीव, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईडीएफ को गाजा में अल-शिफा अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड और एमआरआई सेंटर में हथियारों का जखीरा मिला है। आईडीएफ ने यह जानकारी दी है। आईडीएफ ने कहा कि सैनिकों ने अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड और एमआरआई सेंटर से कलाश्निकोव राइफलें, विस्फोटक, मोर्टार, ग्रेनेड और कई अन्य असॉल्ट राइफलें जब्त कीं। हथियार मेडिकल उपकरणों के बीच छिपाए गए थे। आईडीएफ ने आगे यह भी कहा कि सैनिकों ने अस्पताल के अंदर उन पर हमला करने वाले कई आतंकवादियों को

मार गिराया। आईडीएफ के अनुसार, हमास नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करते हुए अस्पतालों और ऐसे अन्य स्थानों से व्यवस्थित और निंदनीय तरीके से काम कर रहा है।

सीरिया में संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में सात ईरानी मिलिशिया लड़ाके मारे गए

तेहरान। पूर्वी सीरिया में मंगलवार को तड़के ईरानी ठिकानों पर संदिग्ध अमेरिकी हमलों में सात ईरान समर्थित मिलिशिया लड़ाके मारे गए। विस्फोटों की एक श्रृंखला ने सीरिया के पूर्वी प्रांत दीर अल-ज़ौर को दहला दिया। साथ ही अज्ञात ड्रोन भी देखे गए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्मयूमन राइट्स के अनुसार विस्फोटों के साथ-साथ अल-बुकामल, अल-मायादीन और दीर अल-ज़ौर सहित कई शहरों में सीरियाई सेना और ईरानी समर्थित मिलिशिया से संबंधित सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर तेज हवाई हमले किए गए। ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने कहा कि वह हवाई हमलों के लिए पुष्टि नहीं कर सकता है।

बोआओ एशिया मंच का वार्षिक सम्मेलन शुरू

बीजिंग, 26 मार्च (एजेंसियां)। बोआओ एशिया मंच का वार्षिक सम्मेलन मंगलवार को शुरू हुआ। इसका विषय 'एशिया और दुनिया : समान चुनौती, समान जिम्मेदारी' है। चार दिवसीय सम्मेलन के दौरान देसी-विदेशी मेहमान इस पर गहन रूप से विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन से संबंधित पहली न्यूज ब्रीफिंग में मंच के महासचिव ने सम्मेलन की तैयारी की स्थिति का परिचय दिया और दो प्रमुख रिपोर्टें जारी कीं। बताया जाता है कि सम्मेलन के पांच मुद्दे हैं-विश्व अर्थव्यवस्था, तकनीकी नवाचार, सामाजिक विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समान चुनौतियां। इनके तहत विभिन्न क्षेत्रों के दृष्टिकोण से वर्तमान में एशिया और दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियों और अवसरों का विश्लेषण किया जाएगा। बोआओ एशिया मंच के महासचिव ली पाओतोंग ने आशा जताई कि पांच मुद्दों पर चर्चा के जरिए यह सहमति मजबूत की जाएगी कि अनवरत विकास करना दुनिया के सभी देशों के समान हित में है।

वर्ग पहेली 6506

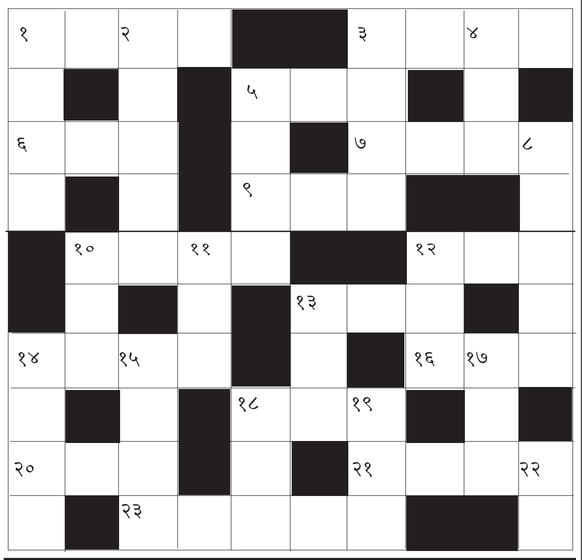

बायें से दायें:-

१. चरम सीमा, आखिरी हद
३. अनियंत्रित
५. निवेदक (उर्दू)
६. झण्डा, ध्वज
७. हिंसा, खूनखराबा (उर्दू)
९. दुर्गा
१०. 'हाईकमिश्नर'
१२. पक्का, मजबूत, जो कभी न टूटे
१३. विस्मय
१४. अयोग्य, नाकाबिल (उर्दू)
१६. अन्यथा (उर्दू)
१८. पीड़ित, उत्सुक
२०. महत्ता
२१. अज्ञानता
२३. सेंधमारी (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. पूरी तरह पका हुआ
२. सुनी सुनाई बातों पर तुरंत विश्वास कर लेने वाला (उपमा)
३. अविश्वसनीयता, लेन-देन में खोटापन(उर्दू)
४. गीत गाने वाली
५. अविभाजित, अखंड
८. तराना, बहुत ज्यादा बातें करना
१०. प्रकाश, रोशनी
११. लड़ाकू
१२. कमी, कसर
१३. बल्कि, किंतु
१४. मूर्ख, अविवेकी
१५. पूजा करने या कराने वाला
१७. रसदार, आम, गन्ना, गेहूं
१८. सहारा, भरोसा, टेक
१९. रात्रि, रात
२२. अंधकार

वर्ग पहेली-6505

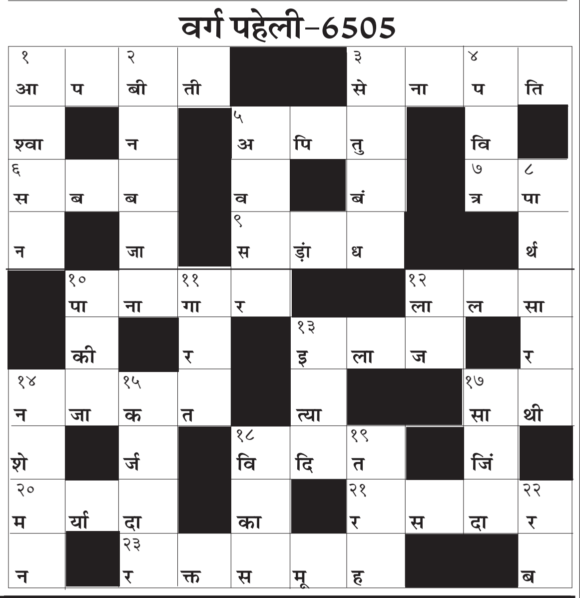

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

जहाज की टक्कर से बाल्टीमोर शहर में ब्रिज गिरा

वाशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज मंगलवार तड़के एक बड़े जहाज से टकराने के बाद गिर गया। स्थानीय अधिकारी कम से कम सात लोगों की तलाश कर रहे हैं जो पानी में गिर गए।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जहाज पुल से टकरा गया। डूबने से पहले उसमें आग लग गई, जिससे ब्रिज पर मौजूद कई वाहन पटाप्सको नदी में गिर गए। मैरीलैंड ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने एक्स पर पोस्ट किया, आई-695 की ब्रिज पर घटना के कारण दोनों दिशाओं की सभी लेन बंद कर दी गईं। ट्रैफिक को बदला गया है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के अनुसार, बाल्टीमोर अग्निशमन विभाग के संचार निदेशक केविन कार्टराईट ने कहा कि कम से कम सात लोगों की तलाश की जा रही है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वो पानी में गिर गए। कार्टराइट ने कहा कि अधिकारियों को स्थानीय समयानुसार देर रात 1:30 बजे के आसपास कॉल प्राप्त हुई।

एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ का ऑस्ट्रेलिया की फेडरल यूनिवर्सिटी से गठजोड़

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ ने आस्ट्रेलिया की फेडरेशन यूनिवर्सिटी के साथ मिल कर रोजगार बाजार की भविष्य की अवश्यकताओं के अनुसार युवाओं को शिक्षित-प्रशिक्षित करने के केंद्र चलाने के लिए भारत के सात विश्वविद्यालयों का चयन किया है।

कंपनी की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है और यह उद्योगों की मांग के अनुरूप विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करता है।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, लैमरिन टेक स्किल्स यूनिवर्सिटी (पंजाब), एमजीएम इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट (मुंबई), भगिनी निवेदिता विश्वविद्यालय (कोलकाता), गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी (बेंगलुरु), नरगुंड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन

■ युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए भारत के सात विश्वविद्यालयों का चयन

(एनजीआई) (बेंगलुरु), और मलनाड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (एमसीई) (हसन) हैं। ये विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया की फेडरेशन यूनिवर्सिटी एवं एम्प्लॉयबिलिटी डॉट लाइफ के साथ मिलकर इंडस्ट्रीज की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके अनुरूप पाठ्यक्रम बनाएंगे तथा इसके परिचालन के लिए सामूहिक संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे।

आज का इतिहास

1668: इंग्लैंड के शासक चार्ल्स द्वितीय ने बांबे (अब मुम्बई) को ईस्ट इंडिया कंपनी के हवाले किया।
1721: स्पेन और फ्रांस ने मैड्रिड समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1794: अमेरिका कांग्रेस ने नौसेना की स्थापना की मंजूरी दी।
1841: पहले स्टीम फायर इंजन का सफल परीक्षण न्यूयॉर्क में किया गया।
1855: अब्राहम गेस्नर ने केरोसिन (मिट्टी के तेल) का पेटेंट लिया।
1871: रग्बी का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच खेला गया।
1898: भारत के मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा की शुरुआत करने वाले सर सैयद अहमद खान की पुण्यतिथि।
1977: स्पेन के कनेरी द्वीपों के मशहूर पर्यटन स्थल टेनेरीफ में दो जंबो जेट हवाई पट्टी पर ही टकरा गए, जिससे 583 लोगों की मौत हो गई।
1990: पश्चिम बंगाल के निंपुरा में एक यात्री बस के एक पुल से टकराकर नीचे गिरने के दौरान बिजली की तारों में अटक जाने से हुए भीषण धमाके में 41 लोगों की करंट लगने से मौत और 21 अन्य बुरी तरह झुलसे।
1998: अमेरिका के खाद्य और औषधि प्रशासन ने दवा बनाने वाली कंपनी पीफिजर की दवा वियाग्रा को नपुंसकता के इलाज की दवा के तौर पर इस्तेमाल करने को मंजूरी दी।
2010: भारत ने उड़ीसा के चांदीपुर में परमाणु प्रौद्योगिकी से लैस प्रक्षेपास्त्र धनुष और पृथ्वी 2 का सफल परीक्षण किया।
2011: जापान के फुकुशिमा में भूकंप के बाद क्षतिग्रस्त परमाणु ऊर्जा संयंत्र की एक इकाई में रेडियोधर्मी विकिरण सामान्य से एक करोड़ गुना अधिक पाया गया।

परेशानी — *बलूचिस्तान में मानवाधिकार की स्थिति बेहद खराब*

सरकार, पुलिस व खुफिया एजेंसी बलूच आबादी को बना रहे निशाना

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। बलूचिस्तान जो पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी द्वारा संचालित दमनकारी सैन्य शासन के चंगुल में फंसा हुआ है, जो अपने लोगों पर हो रहे अत्याचारों से जूझ रहा है। यहां की सरकार और पुलिस तंत्र के साथ खुफिया एजेंसी और सेना सब मिलकर बलूच आबादी को निशाना बना रहे हैं। यहां के लोगों को लगातार गायब किया जा रहा है और कईयों की हत्या तक कर दी जा रही है। इसके बाद भी बलूच आबादी पाकिस्तान से अलग होने के लिए छटपटा रही है, संघर्ष कर रही है।

ऐसे में बलूच राष्ट्रीय आंदोलन (बीएनएम) के मानवाधिकार विभाग ने हाल ही में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट पैंक में बताया कि फरवरी 2024 में बलूचिस्तान में मानवाधिकार की स्थिति बेहद जटिल रही। इस दौरान यहां लोगों को जबरन गायब किए जाने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई, यहां की स्थानीय आबादी कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। फरवरी के महीने में बलूचिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों से जबरन 33 लोगों को गायब किए जाने का मामला सामने आया। इसमें से 28 व्यक्तियों को कैद से रिहाई मिल पाई। इसके अलावा, पांच बलूचों को पाकिस्तान के खिलाफ होने का झूठा लेबल लगाकर ऑपरेशन में मार दिया गया।

बलूचिस्तान में गायब हुए लोगों के परिवारों की वकालत करने वाले

■ 2004 के बाद से बलूच लोगों के गायब होने की संख्या 7,000 से ज्यादा

एक गैर-लाभकारी संगठन 'वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स' के आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। इन आंकड़ों की मानें तो 2004 के बाद से बलूच लोगों के गायब होने की संख्या अनुमानित रूप से 7,000 से ज्यादा है। वहीं पाकिस्तान सरकार की जांच आयोग के आंकड़े काफी कम हैं। सरकार द्वारा जनवरी 2024 तक 2,752 मामले ही दर्शाए गए हैं। ऐसे में दोनों रिपोर्ट में जो बड़ा अंतर नजर आ रहा है, वह साफ दिखा रहा है कि बलूचिस्तान में मानवाधिकार संकट गंभीर है और यहां के लोग लगातार उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। दोनों रिपोर्टों में विरोधाभास इस चीज की जांच के भी संकेत दे रहे हैं कि बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने वाले लोगों की गहन और निष्पक्ष जांच तात्कालिक तौर पर की जानी चाहिए।

बता दें कि मार्च के महीने में पाकिस्तानी सेना और बलूच स्वतंत्रता सेनानियों के बीच संघर्ष के बाद पांच व्यक्तियों को पहले जबरन गायब कर दिया गया और हिरासत में रखा गया, फिर उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ हमलावर करार दिया गया और मौत के घाट उतार दिया गया।

दुनिया को जानें

इस साल पहले दो महीने में 32 लाख पर्यटकों ने की तिब्बत की यात्रा

बीजिंग, 26 मार्च (एजेंसियां)। तिब्बत स्वायत्त प्रदेश के संस्कृति व पर्यटन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस साल जनवरी-फरवरी में कुल 32 लाख से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों ने तिब्बत की यात्रा की। इसके अलावा साल के पहले दो महीने में तिब्बत के ग्रामीण पर्यटन में सात लाख 30 हजार से अधिक व्यक्तियों का सत्कार किया गया और पर्यटन आए 11 करोड़ 50 लाख युवान से अधिक रही। संस्कृति एवं पर्यटन उद्योग तिब्बत के मुख्य उद्योगों में से एक बन चुका है ।

उधर संस्कृति एवं पर्यटन जगत में नए व्यावसायिक मॉडल का तेज़ विकास भी हो रहा है। हाल ही में ऐतिहासिक ड्रामा राजकुमारी वनछंग का 12वां प्रदर्शन सीजन आ गया। इस ड्रामा में आभासी और वास्तविकता के मिश्रण का उपयोग किया गया है, जो दर्शकों को रोमांचित कर रहा है। ऑफ सीज़न में पर्यटन बढ़ाने के लिए तिब्बत ने एयर टिकट, होटल शुल्क और दर्शनीय स्थलों की टिकटों में बड़ी छूट की नीति भी प्रस्तुत की, जिससे अच्छा परिणाम निकला।

प्रादेशिकी

जजपा हरियाणा की 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने मंगलवार को हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की और संकेत दिया कि चंडीगढ़ लोकसभा सीट पर भी अपना प्रत्याशी खड़ा करने पर विचार करेगी। पार्टी के यहां जारी बयान के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला की अध्यक्षता में पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की दिल्ली में एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। बयान के अनुसार हरियाणा की दस सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय हो चुके हैं और इनकी घोषणा जल्द की जाएगी। इसके अलावा बैठक में चंडीगढ़ से भी चुनाव लड़ने का सुझाव आया, जिस पर कि तमाम संभावनायें तलाशने का फैसला लिया गया।

टिहरी सीट से माला राज्य लक्ष्मी शाह ने किया नामांकन

मुख्यमंत्री धामी के साथ रोड शो कर दिखाया शक्ति प्रदर्शन

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 26 मार्च (देशबन्धु)। टिहरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाहने मंगलवार को 26 मार्च को देहरादून में नामांकन किया। नामांकन से पहले माला राज्य लक्ष्मी शाह ने देहरादून में रोड शो निकालकर अपनी शक्ति प्रदर्शन भी किया। माला राज्य लक्ष्मी शाह के रोड शो में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए थे।

भाजपा महानगर कार्यालय से शुरू होकर यह रोड शो पलटन बाजार, धामावाला, राजा रोड से गांधी रोड़ होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। रानी के रोड शो में भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मोजूद रहे। रोड शो के बाद कलेक्ट्रेट में नामांकन के लिए पहुंची महारानी माला राज्यलक्ष्मी शाह के साथ उनके चार प्रस्तावक गंगोत्री से विधायक सुरेश चौहान, मसूरी विधायक और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राजपुर रोड विधायक खजान दास और रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ को मौजूद रहे।

■ **कई विधायक व पूर्व मंत्री गणेश जोशी भी रहे मौजूद**

इसके अलावा नामांकन के दौरान भाजपा प्रत्याशी माला राज्यलक्ष्मी शाह के साथ दून के निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा और देहरादून महानगर भाजपा अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद माला राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करती है कि उन्होंने फिर से उन्हें टिकट दिया है। साथ ही उन्हें पूरी उम्मीद है कि चौथी बार भी टिहरी लोकसभा की जनता उन्हें अपना आशीर्वाद देगी।

माला राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि वह लगातार पिछली तीन बार से टिहरी लोकसभा सीट पर विजय हो रही है हो रही है। इससे साफ पता चलता है कि लगातार उन्हें लोगों का प्यार मिल रहा है। आगे भी लोगों का आशीर्वाद मिलेगा उन्हें पूरी उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिस तरह से केंद्र और राज्य सरकार अच्छा काम कर रही है, उसी का अंजाम है कि आज उनके साथ जन समर्थन देखने को मिल रहा है।

पौड़ी से अनिल बलूनी ने किया नामांकन, ईरानी भी पहुंचीं

पौड़ी, 26 मार्च (देशबन्धु)। गढ़वाल लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी अनिल बलूनी ने मंगलवार 26 मार्च को पौड़ी के कलेक्ट्रेट ऑफिस में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन किया। इस मौके पर अनिल बलूनी से साथ केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, उत्तराखंड बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत मौजूद रहे है।

नामांकन करने से पहले अनिल बलूनी ने केंद्र और राज्य के बड़े नेताओं के साथ पौड़ी में शक्ति प्रदर्शन भी किया। उनका रोड शो रामलील मैदान पौड़ी गढ़वाल से कलेक्ट्रेट ऑफिस तक निकला। इस मौके पर पौड़ी से वर्तमान सांसद तीरथ सिंह रावत और मनीष खंडूड़ी भी मौजूद रहे। बता दें कि अनिल बलूनी की साधा मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल से है। गणेश गोदियाल बुधवार 27 मार्च को पौड़ी के कलेक्ट्रेट ऑफिस में अपना नामांकन करेंगे। अनिल बलूनी मूल रूप से पौड़ी जिले के ही नकोल गांव के रहने वाले हैं। अनिल बलूनी का राजनीतिक सफर उत्तराखंड के पौड़ी जिले से ही शुरू हुआ था। यूपी से अलग हुए उत्तराखंड में पहली बार साल 2002 में विधानसभा चुनाव हुए थे। तब अनिल बलूनी ने पौड़ी जिले की कोटद्वार विधानसभा सीट से नामांकन किया था, लेकिन उनका नॉमिनेशन रद्द हो गया था, जिसके खिलाफ अनिल बलूनी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक में अपील की थी। साल 2002 में कोटद्वार से कांग्रेस के सुरेंद्र सिंह नेगी जीते थे, लेकिन सुप्रीम ने अनिल बलूनी के नॉमिनेशन को सही पाते हुए साल 2002 में कोटद्वार विधानसभा सीट पर हुए चुनाव को कैंसिल कर दिया था, जिसके बाद यहां 2005 में फिर से उप चुनाव हुआ था। हालांकि 2005 के उपचुनाव में अनिल बलूनी हार गए थे। इसके बाद अनिल बलूनी ने ग्राउंड पर कोई चुनाव नहीं लड़ा। 2005 के बाद अनिल बलूनी ने दिल्ली का रूख किया और केंद्रीय नेताओं के बीच रहने लगे। अनिल बलूनी पीएम मोदी के काफी करीबी माने जाते हैं। साल 2024 में बीजेपी ने अनिल बलूनी को पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाने के साथ ही राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी भी सौंपी। इसके बाद साल 2018 में बीजेपी ने उत्तराखंड से अनिल बलूनी को राज्यसभा भेजा था, जिसका कार्यकाल साल 2024 में पूरा हो गया था। अनिल बलूनी जगह बीजेपी ने साल 2024 में अपने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को राज्यसभा भेजा है और अनिल बलूनी को गढ़वाल लोकसभा सीट से टिकट देकर मैदान में उतारा है।

कांग्रेस पार्टी महिला सम्मान करने का करती है ढकोसला : आशा नौटियाल

देहरादून, 26 मार्च (देशबन्धु)। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का चेहरा बेनकाब हुआ है भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल का कहना है कि कांग्रेस पार्टी नारी शक्ति सम्मान करने ढकोसला करती है। उनका कहना है कि उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों में से एक सीट पर भी कांग्रेस पार्टी महिला को अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया महिलाओं के सम्मान को लेकर कांग्रेस पार्टी ढोंग करती है। चुनाव के पहले कांग्रेस पार्टी बड़े-बड़े खोखले दावे किए थे नारी सम्मान की बात की थी मगर चुनाव आते-आते हैं कांग्रेस का चेहरा बेनकाब हो गया। भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं का पार्टी में उचित सम्मान नहीं करती है। ना तो 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश में किसी महिला को अपना प्रत्याशी घोषित किया और ना ही 2019 के लोकसभा चुनाव में किसी महिला को प्रत्याशी बनाया और ऐसे ही हालत 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हैं इससे साबित हो गया है कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं का सम्मान नहीं करती है। उनका कहना है कि भाजपा पांच में से एक लोकसभा सीट पर महिला प्रत्याशी घोषित किया है चाहे 2014 का लोकसभा चुनाव रहा हो 2019 लोकसभा चुनाव रहा हो महिलाओं के सम्मान के लिए भाजपा आगे रहती है। मगर कांग्रेस पार्टी की हकीकत सभी जानते हैं उनका कहना है कि यही वजह है कि चुनाव दर चुनाव कांग्रेस पार्टी का जनाधार गिरता जा रहा है क्योंकि कांग्रेस पार्टी केवल खोखले दावे करती है।

सार संक्षेप

बसपा ने हरिद्वार से उतारा पैराशूट प्रत्याशी

हरिद्वार। बसपा सुप्रीमो मायावती ने हरिद्वार लोकसभा सीट पर मौलाना पर भरोसा जताया है। बसपा ने धर्मनगरी हरिद्वार में भाजपा के त्रिवेंद्र सिंह रावत, कांग्रेस के उम्मीदवार हरीश रावत के बेटे वीरेंद्र रावत और निर्दलीय उमेश कुमार शर्मा के मुकाबले पूर्व विधायक हजरत मौलाना जमील अहमद कासमी को चुनाव मैदान में उतारा है। धर्मनगरी हरिद्वार में अब लोकसभा चुनाव की स्थिति धीरे-धीरे साफ होती नजर आ रही है। भाजपा ने जहां उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को इस लोकसभा चुनाव में अपना कैंडिडेट बनाकर उतारा है, तो वहीं कांग्रेस द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत को लोकसभा की सीट का प्रत्याशी घोषित किया गया है। इसी के साथ अब बसपा ने भी अपना उम्मीदवार लोकसभा सीट पर उतार दिया है। जहां पहले कयास लगाए जा रहे थे कि बसपा भावना पांडे को इस लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारेगी। लेकिन एक बार फिर से मायावती ने चौंकाने वाला फैसला लिया है। उन्होंने मीरापुर विधानसभा सीट से पूर्व बीएसपी विधायक हज़रत मौलाना जमील अहमद कासमी को हरिद्वार से मैदान में उतारा है।

डेकोरेशन की दुकान में लगी आग

हिसार। हरियाणा में हिसार शहर के पारिजात चौक पर एक डेकोरेशन की दुकान में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। दुकान दिलबाग डेकरैशन के मालिक और ग्लोबल स्पेस निवासी दिलबाग ने बताया कि आग दुकान की पहली मंजिल पर सुबह नौ बजे के करीब लगी और उन्हें इसका पता तब चला जब एक राहगीर ने उन्हें बताया कि पहली मंजिल से धुआं निकल रहा है। दमकल विभाग ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया पर दिलबाग के अनुसार आग से उन्हें सात लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

सब-इंस्पेक्टर पांच हजार रु की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गुरदासपुर के रीडर के तौर पर तैनात गुरप्रताप सिंह, सब-इंस्पेक्टर (स्थानीय रैंक) को पांच हजार रु की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि मुलजिम को गुरदासपुर के दीनानगर कस्बे के चंदर शेखर आज़ाद की शिकायत पर गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को बताया कि आरोपी ने पुलिस जांच रिपोर्ट उसके हक में भेजने के बदले 10 हजार रु की मांग की थी जिसमें पांच हजार रु पहले ही ले लिये थे।

सुडोकू 6507 का हल

8	5	1	2	9	3	7	6	4
4	2	7	6	5	1	9	8	3
6	9	3	7	8	4	1	2	5
5	1	4	8	3	2	6	7	9
3	6	9	5	1	7	2	4	8
2	7	8	4	6	9	5	3	1
9	4	5	3	2	6	8	1	7
1	3	2	9	7	8	4	5	6
7	8	6	1	4	5	3	9	2

गंगा मां का आशीर्वाद ले त्रिवेन्द्र ने किया नामांकन

हरिद्वार, 26 मार्च (देशबन्धु)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को हर की पौड़ी पर गंगा पूजन किया और मां गंगा से अपनी जीत का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान त्रिवेंद्र सिंह रावत की पत्नी और बेटी के साथ हरिद्वार विधायक मदन कौशिक समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि इस बार चुनाव में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक विचारधारा भारतीय जनता पार्टी की है और दूसरी कांग्रेस की। भाजपा की विचारधारा देश की मिट्टी की सुगंध से निकली विचारधारा है। जबकि कांग्रेस की विचारधारा पश्चिम से निकली है और इसकी जड़ें गोरों ने रोपी थी। पूर्व सीएम हरीश रावत के दावे पर निशाना साधते हुए त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि चार जून को पता चल जायेगा कि कौन दीवाली और होली मनाता है। गौरतलब है कि त्रिवेंद्र सिंह रावत आज फिजिकल नामांकन दाखिल करेंगे और हरिद्वार में कई कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने आज नामांकन करने से पूर्व हर की पौड़ी पहुंचे।

हरिद्वार की जनता भारी बहुमत से जिताएगी : वीरेंद्र रावत

देहरादून, 26 मार्च (देशबन्धु)। हरिद्वार लोकसभा संसदीय क्षेत्र से टिकट मिलने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत अपने पिता यानी पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के साथ कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वीरेंद्र रावत अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त दिखे। वहीं, पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि उनके राजनीतिक अनुभव का लाभ वीरेंद्र रावत को मिलेगा।

हरिद्वार लोकसभा संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र रावत का कहना है कि वो कल यानी 27 मार्च को सुबह 11 बजे नामांकन करने जा रहे हैं। उन्हें टिकट देकर शीर्ष नेतृत्व ने अपना आशीर्वाद दिया है। वीरेंद्र रावत का कहना है कि वो साल 2009 से हरिद्वार की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। इसलिए हरिद्वार की जनता और कार्यकर्ताओं में कांग्रेस के प्रति भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। वीरेंद्र रावत ने हरीश रावत के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि जब हरीश रावत मुख्यमंत्री रहे, उस दौरान हरिद्वार वासियों का दूसरा घर मुख्यमंत्री आवास हुआ करता था। इसी तरह की छवि हरिद्वार वासी उनसे चाह रहे हैं। जिस तरह साल 2009 में हरीश रावत को हरिद्वार की जनता ने प्यार जताया और वोट देकर जिताया, उसी तरह उन्हें भी हरिद्वार की जनता इस बार के चुनाव में भारी बहुमत से जीताने जा रही है।

मेरे अनुभव का लाभ वीरेंद्र रावत को मिलेगा : हरीश रावत

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने साफ किया कि 25 सालों के राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर जो अनुभव वीरेंद्र रावत ने अर्जित किए हैं, उन अनुभवों के आधार पर शीर्ष नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र रावत काफी अच्छे जनप्रतिनिधि के तौर पर उभरे हैं। जो कुछ उन्होंने अपने 57 सालों के राजनीतिक जीवन में सीखा है, उसका भी लाभ वीरेंद्र रावत को लोकसभा चुनाव में मिलने जा रहा है।

लोकतंत्र को बचाने के लिए सभी पार्टियों को एक मंच पर आना चाहिए : सैलजा

चंडीगढ, 26 मार्च (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व उत्तराखंड की प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि हिंदुस्तान एक ऐसा देश बन चुका है, जहां सरकारी तंत्र की चाबियां भाजपा के हाथ में हैं, यहां ईडी, आईटी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का उपयोग निजी लाभ के लिए किया जा रहा है। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने इन संस्थाओं का इस्तेमाल प्राइवेट कंपनियों से वसूली के लिए किया है। योजनाबद्ध तरीके से किया गया यह भ्रष्टाचार लोकतंत्र की नींव के लिए खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि आइए हम इस भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के खिलाफ आवाज उठाएं और अपने लोकतंत्र को बचाने के लिए एकजुट हों। देश में विरोधी पार्टियों के विरूद्ध द्वेष भाव से कार्रवाई की जा रही है। लोकतांत्रिक सिस्टम से कार्रवाई होनी चाहिए वो चाहे किसी अन्य पार्टी में हो या फिर भाजपा में। कोई नेता अगर बीजेपी में चला जाता है तो उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए जो भी पार्टी हमारा साथ देगी उनको कांग्रेस इंडिया गठबंधन के तहत साथ लेकर चलेगी। उन्होंने कहा कि आज देश में सबसे बड़ा मुद्दा लोकतंत्र को बचाने का है। इसमें जो भी पार्टी हमारा साथ देगी उसको साथ लेकर चलेंगे। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा इलेक्टोरल बॉन्ड से 8252 करोड रुपए वसूल रही थी और देश की खुशियां उजड़ रही थी। धंधा बचाए रखने के लिए अंबानी की सिस्टर कंपनी ने 33 करोड़ का मुनाफा कमाकर भाजपा को 375 करोड़ चंदा दिया। इसी प्रकार केवेंटर फूड पार्क ने भाजपा को 353 करोड़ रुपए का चंदा दिया। भारती एयरटेल ने 100 करोड़ के घाटे के बावजूद भाजपा को 236 करोड़ रुपए का चंदा दिया।

भाजपा कंपनियों से वसूल रही है चंदा

भाजपा प्रत्याशी बलूनी लखपति, तो पत्नी दीप्ति हैं करोड़पति

देहरादून, 26 मार्च (देशबन्धु)। उत्तराखंड के पौड़ी (गढ़वाल) लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी ने मंगलवार को अपना नामांकन करा लिया। भारत निर्वाचन आयोग को सौंपे गए उनके संपत्ति के विवरण के मुताबिक अनिल बलूनी लखपति (चल संपत्ति) हैं, जबकि उनकी पत्नी दीप्ति जोशी के बैंक खाते में एक करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है। उत्तराखंड में सरकारी सेवक दीप्ति जोशी अपने पति अनिल बलूनी से अधिक कमाती हैं। अनिल बलूनी के नामांकन के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत विभिन्न राष्ट्रीय व प्रदेश के नेतागण शामिल रहे। इस दौरान नामांकन रैली में भारी हुजूम भी देखने को मिला। भारत निर्वाचन आयोग को सौंपे गए भाजपा प्रशाशी अनिल बलूनी के शपथ पत्र के मुताबिक उनकी वार्षिक आय 12.33 लाख रुपए है, जबकि उनकी पत्नी दीप्ति जोशी 29.10 लाख रुपये सालाना कमाती है। आय का यह विवरण उन्होंने वर्ष 2022-23 से आयकर रिटर्न में दर्शाया है। अनिल बलूनी के बैंक खाते में कुल 38.71 लाख रुपये जमा हैं, जबकि उनकी पत्नी के खाते में 1.08 करोड़ रुपए जमा हैं। अचल संपत्ति की बात की जाए तो भाजपा प्रत्याशी अनिल बलूनी व उनकी पत्नी के नाम पर विभिन्न भूमि व भवन दर्ज हैं। अनिल बलूनी के नाम पर दर्ज अचल संपत्ति का वर्तमान बाजारी भाव 1.10 करोड़ रुपए है, जबकि दीप्ति जोशी के नाम पर दर्ज संपत्ति का मूल्य 1.21 करोड़ रुपए है।

हरिद्वार सीट पर त्रिकोणीय हुआ मुकाबला

हरिद्वार, 26 मार्च (देशबन्धु)। वीरेंद्र रावत कांग्रेस के प्रत्याशी पर बोलते हुए त्रिवेंद्र सिंह रावत का कहना है कि जनता सब जानती है। यह जनता को निर्णय करना है, लेकिन हम परिवारवाद के खिलाफ हैं। हरीश रावत खुद वीरेंद्र रावत की कमान संभाल कर चल रहे हैं। इसके साथ ही हरिद्वार लोकसभा सीट पर चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। आज बसपा ने भी अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। बसपा ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर विधानसभा सीट से पूर्व विधायक हज़रत मौलाना जमील अहमद कासमी को हरिद्वार से मैदान में उतारा है। जमील अहमद कासमी बीच में बसपा छोड़कर चले गए थे। अब उन्होंने फिर बसपा में वापसी की है तो मायावती ने उन्हें उत्तराखंड की हरिद्वार सीट से टिकट दे दिया।

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर बधाई देने के लिए उमड़ा सैलाब

शिमला, 26 मार्च (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता व आम लोग बड़ी संख्या में उन्हें बधाई देने ओकओवर पहुंचे। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, मंत्रियों, विधायकों, कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों सहित हज़ारों लोगों ने ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी और उनकी दीर्घायु की कामना की। इस दौरान समर्थकों ने खूब नाटी डाली।

■ **मंत्री, विधायक, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व लोग पहुंचे**

कांग्रेस के छह बागियों को भाजपा का टिकट मिलने से साबित हो जाता है कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने हॉर्स ट्रेडिंग की थी: ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के छह बागियों को भाजपा का टिकट मिलने से साबित हो जाता है कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने हॉर्स ट्रेडिंग की थी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश देवी देवताओं की भूमि है और राज्य के इतिहास में पहली बार हॉर्स ट्रेडिंग हुई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग इस तरह की खरीद-फरोख्त की परंपरा को स्वीकार नहीं करते हैं। बागी नेताओं ने कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ा और जनता ने उन्हें विजयी बनाया, लेकिन यह नेता बिक गए और उसी जनता का साथ इन लोगों ने धोखा किया है। उन्होंने कहा कि ये न्याय की लड़ाई है और एक जून को हिमाचल प्रदेश की जनता इसका जवाब देगी। उन्होंने कहा कि संघर्ष उनके जीवन का हिस्सा रहा है और राजनीतिक चुनौतियों का उन्होंने हमेशा डटकर मुक़ाबला कर सफलता पाई है। लेकिन दुख इस बात है कि भाजपा ने धनबल से सत्ता को हथियाने का प्रयास किया है।

चुनाव

भाजपा ने कांग्रेस के बागियों को थमाए टिकट

अब भाजपा में बगावत, मारकंडा ने छोड़ी भाजपा, कांग्रेस से चुनाव लड़ने का ऐलान

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 26 मार्च (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में पहली जून को होने वाले 6 विधानसभा उपचुनाव में विपक्षी दल भाजपा ने कांग्रेस के सभी 6 बागियों को चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा ने अपने वायदे के मुताबिक इन सभी 6 बागी कांग्रेस विधायकों को उन्हीं के चुनाव क्षेत्रों से पार्टी टिकट थमाया है। पार्टी के सबसे वरिष्ठ विधायक सुधीर शर्मा को धर्मशाला से, राजेंद्र राणा को सुजानपुर से, इंद्र दत्त लखनपाल को बड़सर से, रवि ठाकुर को लाहौल स्पीति से, देवेंद्र भुट्टो को कुटलैहड़ से और चैतन्य शर्मा को गगरेट से भाजपा ने उपचुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया है। इसी के साथ राज्य में भाजपा ने उपचुनाव के लिए टिकट घोषित करने में भी बाजी मार ली है। इसके विपरीत दूसरी ओर राज्य में सत्ता दल कांग्रेस लोकसभा उम्मीदवारों की तर्ज पर विधानसभा उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों की तलाश में है और और उसकी नज़रें भाजपा के बागियों पर टिकी हुई है। क्योंकि कांग्रेस के जीते हुए विधायकों को भाजपा पहले ही अपना बना चुकी है। ऐसे में कांग्रेस के पास उम्मीदवारों का संकट है। भाजपा द्वारा लोकसभा की सभी चार सीटों तथा विधानसभा उपचुनाव की सभी 6 सीटों पर पार्टी उम्मीदवार घोषित कर दिए जाने के बावजूद कांग्रेस को उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं इस बीच विपक्षी दल भाजपा द्वारा विधानसभा की 6 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस के बागियों को टिकट थमाने के बाद अब भाजपा में भी बगावत का बिगुल बज गया है। लाहौल स्थित से भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक डॉ. रामलाल मारकंडा ने भाजपा छोड़ने का ऐलान किया है।

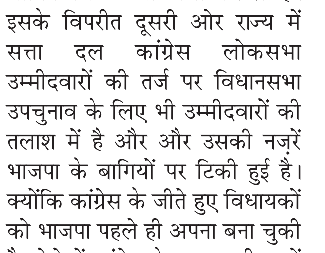

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने दिया धोखा

डॉ. रामलाल मारकंडा ने केलांग में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रवि ठाकुर को टिकट दिए जाने पर खेद जताते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें लाहौल जाने और लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगने का आदेश दिया था। इसके बावजूद उन्होंने पार्टी नेतृत्व से पूछा की कहीं भाजपा में आए कांग्रेस के बागी रवि ठाकुर को टिकट तो नहीं दिया जा रहा है। मारकंडा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें विश्वास दिलाया था कि पार्टी टिकट उन्हें ही मिलेगा। इसके बावजूद आज भाजपा के नेतृत्व ने रवि ठाकुर को पार्टी का उपचुनाव में टिकट दे दिया जो सरासर गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के बागी विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालने के लिए 50-50 करोड़ रुपए की रिश्वत ली है और इस बात का दवा स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा माकपा नेता राकेश सिंघा ने किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है जिस पर अपना राज्यसभा का वोट बेचने के लिए 50 करोड़ रुपए लेने का इल्जाम है।

एनएसयूआई ने किया रवि ठाकुर का विरोध

इस बीच आज शिमला में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करने के लिए रिज मैदान स्थित आशियाना में पहुंचे कांग्रेस के बागी विधायक व अब भाजपा के लाहौल-स्पीति से उम्मीदवार रवि ठाकुर को कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा। एनएसयूआई के ये कार्यकर्ता अचानक पत्रकार वार्ता स्थल पर पहुंचे और रवि ठाकुर के विरोध में नारेबाजी की। एनएसयूआई के इन कार्यकर्ताओं ने पत्रकार वार्ता स्थल पर घुसने का प्रयास भी किया जिन्हें भाजपा के पदाधिकारियों और बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने मुश्किल से रोका। इस दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया था।

प्रादेशिकी

दबंगों ने परिवार पर चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां, युवक ने तोड़ा दम

फर्रुखाबाद, 26 मार्च (देशबन्धु)। पड़ोसी जिले एटा में होली पर आखत डालते समय दबंगों की गोली से घायल दो युवकों को डॉक्टर राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। थाना जसरथपुर के गांव नगला मुरली निवासी मृतक के भाई अवनीश ने बताया कि गांव में राम अवतार और अवधेश के बीच विवाद चल रहा था। राम अवतार ने आखत न डालने की सभी को चेतावनी दी थी। वह लोग आखत डालने पहुंचे तो परिवार के ऊपर दबंगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से प्रदीप यादव, विवेक यादव पुत्र औसान यादव व राजीव व राकेश सहित चार लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल प्रदीप यादव व विवेक यादव को लेकर डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने प्रदीप यादव को मृत घोषित कर दिया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में प्रबुद्ध सम्मेलन के जरिए आमजन से जुड़ेगी सरकार

■ 15 जनपदों में प्रबुद्धजनों संग लोगों से संवाद स्थापित करेंगे मुख्यमंत्री

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा आम चुनावों की घोषणा के बाद अब बुधवार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फुल एक्शन में नजर आएंगे। चुनावी रैलियों से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के अंदर प्रबुद्ध सम्मेलनों के जरिए अलग-अलग जनपदों में प्रबुद्ध लोगों से वार्तालाप करेंगे और सरकार द्वारा किए गए कार्यों का पूरा लेखा-जोखा प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रबुद्ध सम्मेलनों की शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होने जा रही है, जहां पहले कुछ चरणों में चुनाव भी होने वाला है। 31 मार्च तक प्रस्तावित इन सम्मेलनों के माध्यम से सीएम योगी यहां लोगों के साथ संवाद स्थापित कर वह चुनावों से पूर्व 'फिर एक बार मोदी सरकार' के संकल्प की चुनावी जमीन तैयार करेंगे। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी 27 से 31 मार्च तक यानी 5 दिनों में 15 जनपदों को कवर करेंगे। उनके प्रबुद्ध सम्मेलनों की शुरुआत बुधवार 27 मार्च को मथुरा, मेरठ और गाजियाबाद से होगी, जहां वह गणमान्य लोगों के साथ ही आम लोगों से भी संवाद स्थापित करेंगे। इसके अगले दिन यानी गुरुवार 28 मार्च को मुख्यमंत्री योगी का बिजनौर, मुरादाबाद और अमरोहा में कार्यक्रम प्रस्तावित है। यहां भी उन्हें प्रबुद्ध जनों के साथ संवाद में हिस्सा लेना है। 29 मार्च को मुख्यमंत्री शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में प्रबुद्ध सम्मेलन में हिस्सा लेंगे तो 30 मार्च को बागपत (मोदीनगर), बुलंदशहर और गौतमबुद्धनगर, जबकि 31 मार्च को बरेली, रामपुर और पीलीभीत में वह प्रबुद्ध सम्मेलन करेंगे। इन प्रबुद्ध सम्मेलनों के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी प्रदेश सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। साथ ही डबल इंजन की सरकार में आम लोगों तक पहुंच रही योजनाओं के बारे में भी बात करेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने 2023 में निकाय चुनावों से पहले भी प्रबुद्ध सम्मेलन किए थे, जिसका भाजपा को भरपूर लाभ मिला था और पार्टी ने सभी नगर निगमों में क्लीन स्वीप किया था। मुख्यमंत्री योगी एक बार फिर प्रबुद्ध सम्मेलन के माध्यम से लोकसभा चुनावों में चुनौती देने के मिशन को लेकर मैदान में उतरने वाले हैं।

पहले तीन चरणों में पश्चिमी यूपी में होना है चुनाव

मुख्यमंत्री योगी के इन प्रबुद्ध सम्मेलनों की शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हो रही है, जहां शुरुआती चरणों में चुनाव होना है। पहले चरण यानी 19 अप्रैल 2024 को सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत में चुनाव होना है तो वहीं दूसरे चरण यानी 26 अप्रैल को अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में चुनाव होना है। इसी तरह तीसरे चरण में संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं और बरेली जैसे जनपदों में चुनाव की घोषणा हुई है। इसी कार्यक्रम को देखते हुए सीएम योगी के प्रबुद्ध सम्मेलनों की शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से की जा रही है, ताकि उनके संवाद का ज्यादा से ज्यादा असर आम लोगों तक हो सके।

बच्चों के बाद मां की भी हुई मौत

मेरठ, 26 मार्च (देशबन्धु)। पल्लवपुरम थाना क्षेत्र की जनता कालोनी में होली से एक रात पहले बड़ा हादसा हुआ। किराए के मकान में रहने वाले जॉनी के घर में मोबाइल चार्जर से शॉर्टसर्किट के कारण गद्दे में आग लगी। आग से पूरा परिवार जल गया। जॉनी के चारों बच्चे, पत्नी बबीता और जॉनी खुद बुरी तरह जल गया। सभी घायलों को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सबसे पहले चारों बच्चों ने दम तोड़ दिया।

■ मोबाइल विस्फोट के बाद लगी थी आग

पत्नी बबीता की हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल अस्पताल मेरठ से दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। जहां धुलेड़ी के दिन इलाज के दौरान बबीता की भी मौत हो गई है। 6 लोगों के परिवार में केवल जॉनी अकेला बचा है। जो मेडिकल अस्पताल में भर्ती है और इलाज करा रहा है। मूल रूप से मुजफ्फरनगर सिखेड़ा गांव निवासी जॉनी परिवार संग यहां मेरठ में रहकर मजदूरी करता और जीवन चला रहा था। लेकिन ये होली उसके पूरे परिवार पर बेहद भारी गुजरी।

महाकुंभ के महाआयोजन को सफल बनाने में जुटे विभाग

लखनऊ, 26 मार्च (देशबन्धु)। 2025 में होने जा रहे महाकुंभ को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। इस महाआयोजन के लिए करोड़ों भक्तों के प्रयागराज पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 2022 में दोबारा सत्ता संभालते ही प्रयागराज में पर्यटन और यात्री सुविधाओं के साथ-साथ इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं को पूरी ताकत से आगे बढ़ाया है। इसी क्रम में सरकार महाकुंभ और महाकुंभ से इतर यहां 384 विकास परियोजनाओं पर 7500 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है। इसके तहत सरकार अब तक शुरू हो चुके 250 प्रोजेक्ट्स के लिए 2228 करोड़ रुपए जारी भी कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ से संबंधित 284 योजनाओं के लिए 4462 रुपए से ज्यादा का फंड स्वीकृत किया गया है, जिसके सापेक्ष शुरू हो चुके 170 प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1540 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं तो वहीं, महाकुंभ से इतर चल रहे 100 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स के लिए योगी सरकार ने 3057 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की थी, जिसमें शुरू हो चुके 80 प्रोजेक्ट्स के लिए 688 करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि जारी हो चुकी है। कुंभ को लेकर कुल 14 विभागों के प्रोजेक्ट कार्य चल रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग के 5 प्रोजेक्ट भी हैं। इनमें 3 की शुरुआत हो चुकी है, जिसके लिए प्रस्तावित 28 करोड़ के बजट के एवज में 8.64 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है। इसी तरह इरीगेशन डिपार्टमेंट के सभी 8 प्रोजेक्ट्स के लिए प्रस्तावित 250 करोड़ में से करीब 90 करोड़ रुपए प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए जा चुके हैं। प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत 42 प्रोजेक्ट्स के लिए 175 करोड़ रुपए, यूपी ब्रिज के 4 प्रोजेक्ट्स के लिए 255 करोड़ रुपए, पीडब्ल्यूडी के 41 प्रोजेक्ट के लिए 320 करोड़ रुपए हैं।

■ 250 योजनाओं के लिए 1540 करोड़ की धनराशि की जा चुकी है जारी
■ पर्यटन व यात्री सुविधाओं के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट कार्य प्रगति पर

सार संक्षेप

डीएम ने बचत भवन में बने कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

मेरठ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को पारदर्शी, निष्पक्ष, सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन में लगातार कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा बचत भवन में बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया। उन्होंने वहां सोशल मीडिया सेल, सी विजील ऐप, सीसीटीवी कैमरा, मीडिया सेल, ड्यूटी चार्ट रजिस्टर इत्यादि को देखते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सी-विजिल एप पर प्राप्त शिकातयों पर निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशो के अनुसार ससमय कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा आमजन को इस एप की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु प्रचार-प्रसार किया जाए। इस अवसर पर एसएसपी रोहित सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त सूर्य कांत त्रिपाठी, मुख्य कोषाधिकारी वरूण खरे उपस्थित रहे।

सर्विस सेंटर में लगी आग

मेरठ। नौचंदी थाना क्षेत्र स्थित पीवीएस मॉल के सामने मोजूद एलजी के सर्विस सेंटर में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई, आग इतनी भयंकर थी कि आग के कारण आसमान में काले धुएं के गुब्बार छा गए। भीषण आग से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर मौके पर दमकल विभाग की आधा दर्जन गाड़ियां पहुंच गई और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। लेकिन तब तक शोरूम में मौजूद लाखों का सामान जलकर राख हो चुका था।

मेरठ पहुंचे अरुण गोविल

मेरठ। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और पर्दे के राम अरुण गोविल मंगलवार को मेरठ पहुंचे। स्वागत में लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। अरुण गोविल ने कहा, मैंने अपने जीवन में कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे लोग मेरे ऊपर लांछन लगा सकें। मेरठ की जनता को प्यार और मोहब्बत देने आया हूं। अरुण गोविल ने कहा, मैं बहुत ही खुश हूं कि मुझे भाजपा के टिकट पर मेरठ से चुनाव लड़ने का मौका मिला है। मेरा जन्म और पालन-पोषण मेरठ में ही हुआ है। मेरठ की सभी यादें आंखों के सामने घूम रही हैं। यहां की गलियां, स्कूल और घर सब याद आ रहा है। मेरठ मेरी अपनी जगह है। मेरठ से मैंने पढ़ाई की है यहां पैदा हुआ हूं, पला-बढ़ा हूं।

कैंसर से जूझ रहे मरीज का सफल इलाज

मेरठ। अपने इनोवेटिव और व्यापक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध सीके बिरला अस्पताल गुरुग्राम ने पेट के कैंसर की स्टेज चार से पीड़ित 54 वर्षीय मरीज संजीव गुप्ता का सफल इलाज किया है. मरीज को कैंसर के साथ टीबी भी थी। संजीव गुप्ता जून 2023 में सीके बिरला अस्पताल आए थे। उन्हें पेट में समस्या थी, लोअर लिम्ब में सूजन थी, पेट में दर्द था और 10-15 किलो वजन गिर गया था। गहन जांच की गई तो पेट का मेटास्टेटिक एडेनोकार्सिनोमा डायग्नोज हुआ। संजीव की कंडीशन गंभीर थी क्योंकि कैंसर उनके लिवर, ओमेंटम व मीडियास्टिनम तक फैल चुका था। कई अस्पतालों में दिखाने के बाद जब हालात में सुधार नहीं हुआ तब संजीव गुप्ता की फैमिली ने बड़ी उम्मीद के साथ सीके बिरला अस्पताल का रुख किया।

नहर में कूदा युवक, तलाश में जुटे गोताखोर

मेरठ, 26 मार्च (देशबन्धु)। सरधना का रहने वाला एक युवक सरधना-दौराला रोड स्थित गंगनहर पुल पर पहुंच गया और युवक ने पुल पर खड़े होकर नहर में छलांग लगा दी। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को नहर में छलांग लगते देखने के बाद स्थानीय गोताखोरों को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद गोताखोर नहर पर पहुंच गए और युवक की तलाश शुरू कर दी। आसपास के लोगों ने युवक के नहर में छलांग लगाने की जानकारी पुलिस और युवक के परिवार वालों को दी। सरधना थाना क्षेत्र स्थित मोहल्ला नवाबान का रहने वाला 24 साल का वसीम पुत्र अनीश ट्रक ड्राइवर है सोमवार शाम वसीम की पैसे को लेन देन को लेकर जीजा से मारपीट हो गई थी। मारपीट के दौरान वसीम की मां वसीम को बनने के चक्कर में घायल हो गई थी। इसी के चलते वसीम डिप्रेशन में चल रहा था। मंगलवार करीब 3 बजे वसीम बाइक पर सवार होकर सरधना दौराला रोड स्थित गंगनहर पुल पर पहुंचा और बाइक को नहर के किनारे खड़ी करने के बाद वसीम ने बाइक पर अपना आधार कार्ड भी रख दिया।

चुनावी सीरीज जीतने का खम ठोंक रहे लल्लू सिंह

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 26 मार्च (देशबन्धु)। पांच बार विधायक रह चुके फैजाबाद लोकसभा से सांसद लल्लू सिंह लोकसभा के चुनाव में पांचवीं बार मैदान में हैं। लोकसभा का यह चुनाव उनके सक्रिय राजनीति का अंतिम चुनाव माना जा रहा है। विगत लोकसभा के चार चुनावों में दो हार व दो जीत के साथ भाजपा प्रत्याशी इस बार जीतकर चुनावी सीरीज पर कब्जा करने की जुगत लगा रहे हैं। मतदाताओं को रिझाने के लिए उनके पिटारे में स्वंय की बेदाग छवि, विकसित होती अयोध्या के सपने व राममंदिर का सम्मोहन बाण है। विगत तीन दशक से अयोध्या राजनीति की धुरी बन चुकी थी। मंडल कमंडल की राजनीति में जनहित के तमाम मुद्दे नेपथ्य में चले गए। वर्तमान लोकसभा चुनाव में विपक्ष के पास बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दे हैं तो इस बार भी भाजपा मोदी छवि के साथ अयोध्या व राममंदिर के सहारे है। यूं तो भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मतदाताओं को राम व अयोध्या के सम्मोहन में बांधने का जतन कर रही है लेकिन अयोध्या के आसपास जनपदों के एक दर्जन लोकसभा क्षेत्रों में जोर कुछ ज्यादा ही है।

आचार संहिता लगने के पहले उसने रामदर्शन यात्रा योजना से पूरे देश से लोगों को लाकर अपने पाले में आने का पांसा फेंक दिया है। देश की राजनीतिक दिशा तय करने वाली अयोध्या खुद एक लोकसभा है जिसे फैजाबाद लोकसभा के नाम से जाना जाता है। कांग्रेस का गढ़ रही इस लोकसभा के मतदाताओं का रुख भांपना बहुत आसान नहीं है। यहां के मतदाताओं ने भगवा को नकार कर लाल सलाम भी बोला है तो हाथी की मदमस्त चाल भी देखा है। वर्तमान सांसद लल्लू सिंह इसी लोकसभा की अयोध्या विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रह चुके हैं। उनका यह पांचवा लोकसभा चुनाव है। विधायक रहते हुए वो 2004 व 2009 में लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं। 2012 में विधायकी का चुनाव हारने के बाद पार्टी ने उन्हें फिर 2014 के लोकसभा चुनाव में उतारा, जीत के बाद 2019 का चुनाव भी उन्होंने जीत लिया।

■ लोकसभा चुनाव में दो हार, दो जीत के साथ पांचवीं बार मैदान में हैं भाजपा प्रत्याशी
■ अपनी छवि व राममंदिर मुद्दे के दम पर चुनावी मैदान में आजमा रहे भाग्य

इंडिया गठबंधन से सपा के अवधेश प्रसाद से है मुकाबला

इस बार यहां से इंडिया गठबंधन से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद मैदान में हैं तो भाजपा ने निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह पर भरोसा जताया है। अवधेश प्रसाद भी आठ बार विधायक रह चुके हैं। लगभग बीस लाख मतदाता आगामी बीस मई को अठ्ठारहवीं लोकसभा के लिए अपना नुमाइंदा चुनेंगे। लाल नीले रंग के साथ ओबीसी बाहुल्य यह सीट सात बार कांग्रेसी व चार बार भगवा रंग में रंग चुकी है।

विद्युत उपभोक्ताओं से शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें राजस्व वसूली : ईशा दुहन

■ मार्च क्लोजिंग को देखते हुए पीवीवीएनएल के अधिकारियों को एमडी ने दिए निर्देश

मेरठ, 26 मार्च (देशबन्धु)। मार्च क्लोजिंग को देखते हुए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबन्ध निदेशक ईशा दुहन ने अधिकारियों को बकायेदार उपभोक्ताओं से शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस सम्बन्ध में सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से आग्रह है कि अपने विद्युत बिलों का नियमित रूप से भुगतान करें। उपभोक्ताओं को विभाग द्वारा बिजली बिल जमा कराने की विभिन्न सुविधायें प्रदान की गयी है। उपभोक्ता pvvnl-org/uppcl-org वेबसाइट पर जाकर घर बैठे अपने बिजली के बिल का आनलाईन भुगतान कर सकते है इसके अतिरिक्त बिलिंग ऐजेन्सियों के प्रतिनिधियों द्वारा घर-घर बिल वितरण करने के साथ-साथ ई एण्ड पीओएस मशीन के द्वारा बिजली के बिल जमा कराए जा रहे है।

उपभोक्ता अपने घर के नजदीक जन-सुविधा केंद्र एवं नजदीकी राशन की दुकान पर भी बिजली का बिल जमा करा सकते है। ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सखियों द्वारा घर-घर जाकर विद्युत बिल जमा कराने की सुविधा विभाग द्वारा प्रदान की गई है।

आईजी व आयुक्त ने किया कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण

मेरठ, 26 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत आईजी नचिकेता झा व आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने वहां बैरिकेडिंग,

सुरक्षा व्यवस्था, प्रत्याशियों के नामांकन स्थल पर आने-जाने, न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट परिसर सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया व नामांकन की बिन्दुवार समीक्षा की जिस पर जिलाधिकारी ने आयुक्त को नामांकन की प्रक्रिया के बारे में की गई तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नामांकन को शांतिपूर्ण ढ़ग से संपन्न कराया जाएगा।

समर्पण विनय का प्रतीक है भाव : भूषण महाराज

मवाना/हस्तिनापुर, 26 मार्च (देशबन्धु)। प्राचीन बुद्धि गंगा नदी किनारे स्थित कैलाश पर्वत दिगम्बर जैन मन्दिर में विश्व की सुख-शान्ति-समृद्धि के लिये 48 दिवसीय भक्तामर विधान एवं पाठ के 38वें दिन सर्वप्रथम विधानाचार्य सुदीप शास्त्री ने मांगलिक मन्त्रों से क्रियाओं का शुभारम्भ किया। तदोपरांत भगवंतो का स्वर्ण कलश अभिषेक जितेन्द्र जैन और शान्तिधारा प्रकाशचंद जैन प्रमोद जैन पंकज जैन के द्वारा की गई। अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले दीप का प्रज्जवलन मनीषा जैन, शचि जैन, विजित जैन ने किया। बा.ब्र. सुनीता दीदी ने विश्व के सभी जीव सुखी रहें ऐसी मंगल भावना के साथ शान्तिधारा का उच्चारण किया। विधान के मध्य आयोजित धर्म सभा में गुरूवर 108 भावभूषण मुनिराज ने कहा कि गुरू के प्रति श्रद्धा व समर्पण का भाव होना चाहिए। समर्पण से ही भक्ति का प्रादुर्भाव हुआ है। समर्पित भक्त की भक्ति ही भक्त को भगवान बना देती है। जैन धर्म में समर्पण का विशेष महत्व है। समर्पण विनय का प्रतीक है। जब श्रावक में भक्ति का जागरण होता है। तो समर्पण का भाव स्वत: ही प्रकट होता है। तदोपरान्त विभिन्न प्रांतों से आए 91 परिवारों ने देव-शास्त्र-गुरू की पूजन आदिनाथ भगवान की पूजन कर तीर्थंकरों को 48 अर्घ्य चढ़ा धर्म लाभ अर्जित किया।

पर्व — *छुटपुट घटनाओं के बीच होली का त्यौहार शांतिपूर्ण हुआ संपन्न*

रंगों की फुहार के बीच होली के खुमार में डूबे नजर आए लोग

मेरठ/मवाना, 26 मार्च (देशबन्धु)। सोमवार को रंगों का त्यौहार होली पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। रविवार शाम शहर से लेकर देहात अलग-अलग जगहों पर होली का दहन किया गया था। पुलिस प्रशासन ने त्यौहार पर सुरक्षा बढ़ा दी थी। इसी के चलते शहर व देहात के क्षेत्रों में छुटपुट घटनाओं के बीच होली पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पर्व को लेकर जगह सुरक्षा व्यवस्था के मुक्कमल व्यवस्थाएं की गई थी। पुलिस गश्त करते नजर आए। इस दौरान एसडीएम लोग से मिलते जुलते भी नजर आए। उन्होंने होली पर्व कि शुभकामनाएं दीं। लोगों से शांतिपूर्ण होली मनाने की अपील की। रविवार की रात्रि होलिका दहन की परंपरा निभाई।

■ जगह-जगह पर होली के गानों पर खूब थिरके युवा

होलिका दहन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिए। बाद के दिन रंगों की फुहार के बीच होली के खुमार में हर कोई डूबा हुआ नजर आया। मवाना नगर के साथ देहात भर में धूमधाम से होली मनाई गई। कई जगह युवाओं की टोली ने होली का जोगीरा सारा र पर थिरकते नजर आए। ढोलक के ताल पर युवा खूब नाचे। जगह-जगह पर होली के गानों पर युवा खूब थिरके। गिले शिकवे भुलाकर लोग एक दूसरे के गले लगे। मवाना नगर और देहात क्षेत्र रंगों से सरोबार रहा। गली-गली, घर-घर बच्चों ने खूब गुलाल उड़ाया। जो भी दिखा उसे रंगों से पोत दिया। इस दौरान नगर में संवेदनशील और अतिसंवेदनशील जगहों पर कड़ी सुरक्षा रही। ऐसी जगहों पर शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल को तैनात किया गया। रंगों की फुहार और उड़ते हुए गुलाल ने माहौल को रंगीन कर दिया। घरों से निकले हुडदंगियों पर बच्चों और महिलाओं ने घरों की छतों से रंगों की बौछार की। बच्चों और युवाओं में रंगों के त्यौहार पर उमंग और उत्साह दिखा। महिलाओं और बच्चों ने भी जमकर रंगों की बौछार की और गुलाल उड़ाया। अनुमंडल में अन्य जगहों पर भी होली का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। वही ऐतिहासिक तीर्थ नदी हस्तिनापुर में छुटपुट घटनाओं के बीच रंगों का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। होलिका दहन के बाद लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाब लगा होली की शुभकामनाएं दीं।

पुलिसकर्मियों ने अधिकारियों के साथ मनाई होली

मेरठ। होली के दूसरे दिन यानी मंगलवार को पुलिसकर्मियों ने धूमधाम से होली का पर्व मनाया पुलिस लाइन सहित शहर और देहात के थाना परिसर में जमकर रंग और गुलाल उड़ा। मंगलवार को पुलिसकर्मी होली की मस्ती में नजर आ रहे है। पुलिस लाइन में एडीजी, आईजी और एसएसपी व अन्य अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मी डीजे की धुन पर थिरककर एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर बधाइयां दे रहे हैं। मंगलवार को पुलिस लाइन में एडीजी आईजी और एसएसपी सहित अन्य अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मियों और उनके परिवार वालों ने जमकर होली खेली। पुलिस लाइन के ग्राउंड में डीजे की धुन और होली के गीतों पर पुलिसकर्मी थिरकते नजर आ रहे है। शहर से लेकर देहात तक जिले के सभी थानों में सुबह से ही होली का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। पुलिस कर्मी मंगलवार सुबह से ही होली की तैयारी में जुट गए थे। सोमवार को होली का त्योहार शांतिपूर्वक निबटने के बाद मंगलवार को खाकी रंगों की मस्ती में डूब गई, पुलिस लाइन सहित शहर और देहात के थानों में पुलिसकर्मियों ने मस्ती के साथ होली का त्योहार मनाया। डीजे सहित ढोल नगाड़े की थाप पर पुलिसकर्मी जमकर थिरक रहे है, वही पुलिस लाइन में पहुंचे अधिकारियों से गले मिलकर पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें रंग और गुलाल लगाए अधिकारियों ने भी पुलिस कर्मियों के साथ जमकर होली खेली और एक दूसरे को होली की बधाई दी।

दुनिया रंग-बिरंगी

देशबन्धु नई दिल्ली, बुधवार, 27 मार्च, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

सुकुमार के साथ फिर काम करेंगे राम चरण

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राम चरण जानेमाने निर्देशक सुकुमार के साथ फिर से काम करते नजर आएंगे। राम चरण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नई फिल्म की अनाउंसमेंट की है। राम चरण ने एक पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में राम चरण और सुकुमार नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरों पर गुलाल लगा हुआ है। राम चरण ने कैप्शन में लिखा, आरसी17 एक बार फिर हम साथ काम करेंगे। यह फिल्म राम चरण के करियर की 17वीं फिल्म होने वाली है, इसलिए इस फिल्म को आरसी17 कहा जा रहा है। वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म 'रंगस्थलम' में राम चरण और सुकुमार ने साथ काम किया था। 'रंगस्थलम' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी।

एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी : सारा अली

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। अपनी बेबाक बातों के लिए मशहूर अभिनेत्री सारा अली खान ने कहा है कि एक कलाकार होने के लिए मोटी चमड़ी होनी जरूरी है, जो उनके पास है। सारा ने कहा कि उनके रास्ते में जो भी आता है वह उसे सकारात्मक तरीके से हंसी में लेती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें कौन से सवाल परेशान करते हैं? सारा ने लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई के मौके पर बताया कि कोई भी चीज वास्तव में मुझे परेशान नहीं करती। पिछले कुछ वर्षों में मेरी चमड़ी मोटी हो गई है। मैं हर चीज को सकारात्मक तरीके से लेती हूं।

सारा को फिल्में देखना बहुत पसंद है और उसके पास अपना पसंदीदा सेट है। अभिनेत्री ने कहा कि मेरे पास पसंदीदा कलाकारों का अपना एक सेट है। मुझे दूसरे लोगों का काम देखना पसंद है क्योंकि मैं हर किसी से और अपने आस-पास मौजूद हर चीज से सीखते रहना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा कि हर कलाकार की अपनी खूबियां होती हैं, मैं उसे चुनना और उसे अपने काम में शामिल करना पसंद करती हूं। मुझे खुद को बेहतर बनाना पसंद है। जब संगीत की बात आती है तो सारा पूरी तरह से 'बॉलीवुड प्रेमी' हैं।

एक्टेस ने कहा कि मेरे पास अपनी प्लेलिस्ट है जो मेरे हर वाइब के लिए अलग है, मुझे हिंदी संगीत बहुत पसंद है इसलिए मुझे लगता है कि मैं पूरी तरह से बॉलीवुड की शौकीन हूं।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया

इंसान जानवरों में फैलाते हैं वायरस

- पूरी प्रजाति के लिए संरक्षण का खतरा पैदा कर सकता है
- टीम ने लगभग 12 मिलियन वायरल जीनोम का किया विश्लेषण

लंदन, 26 मार्च (एजेंसियां)। एक अध्ययन में पाया गया है कि इंसान अक्सर जंगली और घरेलू जानवरों में वायरस फैलाते हैं, जिससे उनमें बीमारी scei का खतरा बढ़ जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने वायरल जीनोम का विश्लेषण किया जिससे पता चला कि मनुष्यों को कभी भी वायरस फैलाने का स्रोत नहीं माना गया है और मानव-से-पशु में वायरस के फैलने पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। यूसीएल के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट और फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट के डॉक्टरेट छात्र, प्रमुख लेखक सेड्रिक टैन ने कहा कि जब जानवर इंसानों से वायरस पकड़ते हैं, तो यह न केवल जानवरों को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि पूरी प्रजाति के लिए संरक्षण का खतरा पैदा कर सकता है। बल्कि इसे रोकने के लिए बड़ी संख्या में पशुओं को मारने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, यदि मनुष्यों से लाया गया कोई वायरस किसी नई पशु प्रजाति को संक्रमित करता है, तो मनुष्यों के बीच ख़त्म होने के बाद भी यह पनपता रह सकता है। नेचर इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के लिए, टीम ने लगभग 12 मिलियन वायरल जीनोम का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि इंसानों से जानवर में फैलने वाला वायरस लगभग दोगुने से अधिक है। यह पैटर्न अधिकांश वायरल परिवारों में सुसंगत था।

यूसीएल जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट के सह-लेखक प्रोफेसर फ्रेंकोइस बलौक्स ने कहा कि मनुष्यों से जानवरों में वायरस का फैलना संक्रमण का एक तरीका है, इसके अलावा और भी तरीके हैं।

■ नई दिल्ली में लोगों ने धूमधाम से रंगों का त्योहार होली मनाया। इसमें विदेशी पर्यटक। ने भी जमकर हिस्सा लिया। छाया : इम्तियाज खान

मेले में बिछुड़ी बुजुर्ग महिला को परिजनों से मिलवाया

- पास न तो कोई पहचान का कार्ड था
- न घर के फोन नम्बर याद व न ही अपने गांव शहर का नाम पता

सिरसा, 26 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की एक बुजुर्ग महिला राजस्थान के खाटू धाम में भारी भीड़ के कारण अपने साथियों से बिछुड़ कर हरियाणा के ऐलनाबाद पहुंच गई। बुजुर्ग महिला को यहां के समाजसेवियों ने मंगलवार को उसके परिवार से मिलवा दिया। दिव्य युवा मंच के संस्थापक सुभाष चौहान के अनुसार राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू धाम में श्रीश्याम बाबा के मेले में बाबा के दर्शन करने आई हिमाचल प्रदेश की बुजुर्ग महिला भारी भीड़ के कारण अपने परिजनों से बिछुड़ गई और अपने गंतव्य की बजाय ऐलनाबाद पहुंच गई। उसके पास न तो कोई पहचान का कार्ड था, न घर के फोन नम्बर याद और न ही अपने गांव शहर का नाम पता। बुरी तरह घबराई होने के कारण किसी ने इनकी बात सुनने समझने की कोशिश नहीं की। पंजाबी बोली और पहनावे को देखते हुए इन्हें रिंगस स्टेशन से बठिंडा जाने वाली रेलगाड़ी में बैठा दिया। रेलगाड़ी में इनकी मुलाकात ऐलनाबाद के नजदीक ढाणी शेरां निवासी बीरबल गोदारा से हुई। उन्होंने दिव्य युवा मंच के संस्थापक व समाजसेवी सुभाष चौहान को बुजुर्ग महिला की तस्वीरे भेजकर इनके परिजनों की खोज शुरू की। थोड़ी देर में मेहनत रंग लाई और पता चला कि यह बुजुर्ग महिला हिमाचल प्रदेश में ऊना जिले के गांव चुहड़ी की निवासी है।

चौहान ने उनके परिजनों को माता के यहां सुरक्षित होने की सूचना दी तो उन्हें भी सुकून मिला। पूरा मामला एसडीएम डॉ. वेद प्रकाश बेनीवाल व थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप किमर के संज्ञान में लाया गया। कल शाम को बुजुर्ग महिला के परिजन उन्हें लेने आए। बुजुर्ग महिला को यहां सुरक्षित पाकर उनके परिजन भी बहुत खुश हुए वहीं अपने परिजनो से मिलकर महिला भी बहुत खुश हुई। यहां बीरबल गोदारा, अमरीक बिलासपुरिया व अन्य साथियो की मौजूदगी में बुजुर्ग महिला को उनके परिजनों को सौंप दिया।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने परिवार के साथ मनाई होली

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। ग्लोबल स्ट्रीमिंग सीरीज 'सिटाडेल' का हिस्सा रहीं एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारत में हैं। उन्होंने अपने दोस्तों और फैमिली फ्रेंड्स के साथ जमकर होली खेली। नोएडा में अपने परिवार के साथ होली का जश्न मनाते हुए एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की।

एक्ट्रेस ने होली के जश्न की फोटोज के साथ वीडियो भी शेयर किए। तस्वीरों में उनके पति, गायक-गीतकार निक जोनस, उनकी बेटी मालती मैरी और प्रियंका की मां मधु चोपड़ा को भी देखा जा सकता है। प्रियंका ने अपने पूरे परिवार के साथ नोएडा में होली के जश्न का आनंद लिया। पहली फोटो में प्रियंका अपनी बेटी को गोद में लिए हुए हैं। वहीं निक और प्रियंका एक-दूसरे को प्यार से देख रहे हैं। अन्य तस्वीरों और वीडियो में सेलिब्रिटी जोड़ा ढोल और नगाड़े का आनंद लेते हुए रंगों में सराबोर दिख रहा है। इससे पहले अभिनेत्री ने मुंबई में प्राइम वीडियो इवेंट में अपनी आगामी डॉक्यूमेंट्री के बारे में बात की। प्रियंका द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री का शीर्षक 'वीमेन ऑफ माई बिलियन' है और यह भारत में महिलाओं को एकजुट करने वाले सभी प्रकार की हिंसा के खिलाफ संघर्ष, सपनों के अधिकार और लड़ाई के बारे में है। यह फिल्म कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक की 240 दिनों में 3,800 किलोमीटर की यात्रा को दिखाती है। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर एक महत्वपूर्ण सवाल उठाती है जो सिर्फ भारत का मुद्दा ही नहीं बल्कि एक वैश्विक मुद्दा है।

फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे को साड़ियां बेहद पसंद

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने साड़ियों के प्रति अपने प्यार को जाहिर किया है, और नाइन-यार्ड वंडर को अब तक की सबसे आरामदायक पोशाक का टैग दिया है। साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार करते हुए अंकिता ने कहा कि मुझे लगता है कि बचपन से ही मुझे साड़ियां पसंद थीं। जब हम छोटे होते हैं तो हम अपनी मां की साड़ियों के साथ खेलते थे।

अंकिता ने अपनी यादों को ताजा किया और याद किया कि कैसे वह अपनी मां की साड़ी पहनती थी और 'टीचर-टीचर' खेलती थी। अंकिता ने कहा कि मैं उनकी साड़ियां पहनकर टीचर-टीचर खेलती थी, मेरी मां जानती हैं कि साड़ी में खुद को कैसे स्टाइल करना है। मेरी मां की वजह से यह मुझ पर भी अच्छी लगती है। मुझे साड़ियां बहुत पसंद हैं, यह अब तक का सबसे आरामदायक पहनावा है।

स्वातंर्त्य वीर सावरकर में भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि मैं साड़ी में सेक्सी, ग्लैमरस, खूबसूरत और सिंपल दिख सकती हूं, यह सबसे अच्छी पोशाक है।

'रामायण' के लिए तीरंदाजी सीख रहे हैं 'एनिमल' स्टार रणबीर कपूर

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सफलता के बाद एक्टर रणबीर कपूर फिलहाल तीरंदाजी सीख रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई फोटो में एक्टर को उनके तीरंदाजी के कोच के साथ देखा जा सकता है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह उनकी फिल्म रामायण का हिस्सा हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म लंबे समय से प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसके प्रोडक्शन और कास्टिंग के पैमाने को देखते हुए इसमें देरी हो रही है। फिल्म में रणबीर जहां भगवान राम की भूमिका निभाएंगे, वहीं एक्ट्रेस साई पल्लवी सीता की भूमिका में नजर आएंगी।

इस फोटो को एक्स पर एक फैन ने शेयर किया, जिसमें दावा किया गया कि ये तस्वीरें रणबीर की 'रामायण' की तैयारी की हैं। फोटो में रणबीर को तीरंदाजी कोच के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, एक तस्वीर में टेबल पर रखे कुछ तीर भी नजर आ रहे हैं। अपने किरदार में जान डालने के लिए मशहूर एक्टर रणबीर भगवान राम के किरदार में ढल रहे हैं।

'कलाकार ही किरदारों में जान फूंकते हैं' : बुडाकोटी

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। रवीना टंडन अभिनीत स्ट्रीमिंग फिल्म 'पटना शुक्ला' के निर्देशक विवेक बुडाकोटी ने कहा कि लेखक और निर्देशक केवल शब्द प्रदान कर सकते हैं लेकिन कलाकारों को ही वास्तव में इसमें जान फूंकनी होती है, और इसे पर्दे पर उतारना होता है।

निर्देशक ने फिल्म में एक्ट्रेस रवीना टंडन के साथ काम करने के बारे में बात की। रवीना ने इस फिल्म में एक वकील की भूमिका निभाई है, जो शिक्षा प्रणाली में घोटाले से लड़ने में एक छात्रा की मदद करने के लिए अपने कर्तव्य से ऊपर उठती है।

इस बारे में विस्तार से बताते हुए विवेक ने कहा कि यह काफी अद्भुत अनुभव था। मुझे एक पल के लिए भी नहीं लगा कि मैं किसी स्टार के साथ काम कर रहा हूं। वह अपने और तन्वी शुक्ला के बीच की दूरियों को मिटाकर, पूरी प्रक्रिया का हिस्सा बन गईं। लेखक और निर्देशक के रूप में हम शब्द प्रदान कर सकते हैं, लेकिन यह कलाकार ही हैं जो उन शब्दों में जान डालने का काम करते हैं।

विवेक ने कहा कि फिल्म में रवीना के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा है। उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि वह किसी स्टार के साथ काम कर रहे हैं क्योंकि रवीना हमेशा अपनी कला को बेहतर बनाने और फिल्म में अपने हिस्से को प्रामाणिकता देने के लिए उत्सुक रहती थीं।

ऋषिकेश एम्स का नया कदम

शिशु की हुई सफल शल्य चिकित्सा

तीन वर्षीया बच्ची, टीओएफ, एसीएसडी नामक जन्मजात बीमारी से थी ग्रसित

देहरादून, 26 मार्च (एजेंसियां)। देश के बहुत कम चिकित्सालयों में उपलब्ध शिशु हृदय शल्य चिकित्सा की सुविधा अब तक उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में तो बिलकुल ही नहीं थी। इसलिए मरीजों को दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़ जैसे महानगरों के चक्कर लगाने पड़ते थे जो उपचार हेतु समय की बरबादी के साथ, आर्थिक रूप से सुविधाजनक नहीं था। ऐसे में ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में शिशु शल्य चिकित्सा सुविधा से उत्तराखंड व समीपवर्ती राज्यों के लोगों को काफी हद तक राहत मिली है। यहां के सीटीवीएस विभाग में हाल ही में शिशुओं के बेहद दुर्लभ और जटिलतम ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए। जिससे, न सिर्फ चिकित्सकीय टीम के अनुभव, बल्कि संस्थान प्रबंधन की प्रतिबद्धता भी सिद्ध होती है।

एम्स के बाल शल्य चिकित्सक डॉ. अनीश गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि हरिद्वार निवासी एक तीन वर्षीया बच्ची, जो टीओएफ, एसीएसडी (टेट कैनाल) नामक जन्मजात बीमारी से ग्रसित थी। उन्होंने बताया कि इस रोग में बच्चा नीला पड़ जाता है। बच्चे के माता-पिता बच्ची के इलाज के लिए महानगरों के सभी बड़े अस्पतालों से निराश होकर आखिरी उम्मीद लेकर एम्स, ऋषिकेश आए। उन्होंने बताया कि बच्ची की बीमारी की संपूर्ण जांच कराने के उपरांत, अपनी उनकी टीम के साथ सफलतापूर्वक उपचार को अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि शल्य चिकित्सा के दौरान, उसके दिल के दो वाल्व रिपेयर किए गए और दो छेद बंद किए। साथ ही फेफड़े में खून जाने का रास्ता खोला गया। हृदय की सफल जटिल शल्य चिकित्सा के बाद अब बच्ची पूरी तरह से स्वस्थ है। डा. गुप्ता ने बताया कि यह बच्ची डाउन सिंड्रोम से भी ग्रसित है। पहले इस तरह की बीमारियों से ग्रसित बच्चे इलाज के अभाव मे दम तोड़ देते थे। मगर अब एम्स, ऋषिकेश में इस तरह की बीमारियों का सफल उपचार नियमित रूप से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि टेट कैनाल एक जटिल बीमारी है, जबकि डाउन सिंड्रोम एक जेनेटिक बीमारी है जिससे बच्चा दिमागी तौर से कमजोर होता है। यह दोनो एक साथ में होने से समस्या और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि एक तरफ दिल की बीमारी तथा दूसरी तरफ बच्चे का मानसिक रूप से कमजोर होना। ऐसे बच्चे समय पर चिकित्सा के अभाव में खासकर कम स्वास्थ्य सुविधाओं वाले उत्तराखंड जैसे राज्यों में अक्सर ज़िंदगी से हाथ धो बैठते हैं।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि सीटीवीएस विभाग ने इस तरह की दुर्लभ बीमारियों की शल्य चिकित्सा पहले भी सफलतापूर्वक की है। उन्होंने बताया कि यहां आयुष्मान भारत योजना लागू होने के कारण, मरीजों को आर्थिक कारणों से भी उपचार कराने में परेशान नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि जनसाधारण को बच्चों के इस तरह की समस्या से ग्रसित होने की स्थिति में जागरुक रहने की आवश्यकता है।

झारखंड के इस गांव में मनाई अनूठी होली

झारखंड में मिट्टी के ढेलों व खूंटा उखाड़ की परंपरा

- खूंटा उखाड़ने और ढेला फेंकने की परंपरा के पीछे कोई रंजिश नहीं
- लोग खेल की तरह भाईचारा की भावना के साथ परंपरा का करते हैं निर्वाह

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के लोहरदगा जिला अंतर्गत बरही चटकपुर गांव में मंगलवार को वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार ढेलों की बारिश के बीच होली मनाई गई। गांव के मैदान में गाड़े गए एक विशेष खंभे को छूने-उखाड़ने की होड़ के बीच मिट्टी के ढेलों की बारिश की जाती है। परंपरा यह है कि होलिका दहन के दिन पूजा के बाद गांव के पुजारी मैदान में खंभा गाड़ देते हैं और होली के दिन इसे उखाड़ने और पत्थर (ढेला) मारने के उपक्रम में भाग लेने के लिए गांव के तमाम लोग इकट्ठा होते हैं। मान्यता के अनुसार, जो लोग पत्थरों से चोट खाने का डर छोड़कर खूंटा उखाड़ने के लिए बढ़ते हैं, उन्हें सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। ये लोग सत्य के मार्ग पर चलने वाले माने जाते हैं।

गांव के लोगों को कहना है कि इस पत्थर मार होली में आज तक कोई गंभीर रूप से जख्मी नहीं हुआ। खास बात यह है कि इस खेल में गांव के मुस्लिम भी भाग लेते हैं। अब ढेला मार होली को देखने के लिए दूसरे जिलों के लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचने लगे हैं। खूंटा उखाड़ने और ढेला फेंकने की इस परंपरा के पीछे कोई रंजिश नहीं होती, बल्कि लोग खेल की तरह भाईचारा की भावना के साथ इस परंपरा का निर्वाह करते हैं।

लोहरदगा के एक बुजुर्ग मनोरंजन प्रसाद बताते हैं कि बीते कुछ वर्षों में बरही चटकपुर की इस होली को देखने के लिए लोहरदगा के अलावा आसपास के जिले से बड़ी संख्या में लोग जमा होते हैं, लेकिन इसमें सिर्फ इसी गांव के लोगों को भागीदारी की इजाजत होती है। यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। वह बताते हैं कि इस परंपरा की शुरुआत होली पर गांव आने वाले दामादों से चुहलबाजी के तौर पर शुरू हुई थी। गांव के लोग दामादों को खंभा उखाड़ने को कहते थे और मजाक के तौर पर उन पर ढेला फेंका जाता था। बाद में गांव के तमाम लोग इस खेल का हिस्सा बन गए।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	2.18 प्रतिशत
एलटी	1.38 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.32 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.81 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	0.66 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.07 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.99 प्रतिशत
विप्रो	1.50 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.11 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	1.10 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	66,778
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74750
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

ग्रोथ को लेकर हो रहे 'प्रचार' पर भरोसा कर भारत कर रहा गलती : रघुराम

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत अपनी तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था और विकास के कारण विश्व पटल पर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इस बीच रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने विकास को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि भारत अपनी मजबूत आर्थिक वृद्धि के बारे में प्रचार पर भरोसा करके एक बड़ी गलती कर रहा है क्योंकि देश में महत्वपूर्ण संरचनात्मक समस्याएं हैं जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है।

राजन ने कहा कि नई सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती कार्यबल की शिक्षा और कौशल में सुधार करना है। उन्होंने कहा, इसे ठीक किए बिना, भारत अपनी युवा आबादी का लाभ उठाने के लिए संघर्ष करेगा, ऐसे देश में जहां 1.4 अरब आबादी में से आधे से ज्यादा 30 वर्ष से कम उम्र के हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी

हमारे पास कार्यबल बढ़ रहा है, लेकिन यह तभी फायदेमंद है जब वे अच्छी नौकरियों में लगे हों : रघुराम राजन

गलती प्रचार पर भरोसा करना है। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कई वर्षों की कड़ी मेहनत करनी है कि प्रचार वास्तविक हो। राजनेता चाहते हैं कि आप प्रचार पर भरोसा करें क्योंकि वे चाहते हैं कि आप विश्वास करें कि हम आ गए हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन 'उस विश्वास के आगे झुकना भारत के लिए एक गंभीर गलती' होगी।

6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है भारत की अर्थव्यवस्था : एसएंडपी

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में मजबूत घरेलू गति के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि 6.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया था। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ाकर मंगलवार को 6.8 प्रतिशत कर दिया। अमेरिका स्थित एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में मजबूत घरेलू गति के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि 6.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। एसएंडपी ने कहा कि एशियाई उभरती बाजार (ईएम) अर्थव्यवस्थाओं के लिए हम आम तौर पर मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं, जिसमें भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम अग्रणी हैं। एजेंसी के अनुसार, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़े पैमाने पर घरेलू मांग-आधारित अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खर्च करने की क्षमता पर उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के प्रभाव ने दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कम किया है। एसएंडपी ने कहा कि हमे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 (मार्च 2025 को समाप्त) में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत हो जाएगी।

■ एससंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बढ़ाया भारत का ग्रोथ अनुमान

भारत का विनिर्माण उद्योग रैंसमवेयर हमलों के लिए सबसे बड़ा टारगेट : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण उद्योग में 2023 में सबसे ज्यादा रैंसमवेयर के हमले देखे गए। एक ग्लोबल रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

पालो ऑल्टो नेटवर्क की यूनिट 42 की रिपोर्ट 250 से अधिक संगठनों और 600 से अधिक घटनाओं के डेटा पर आधारित है। इसने लीक साइटों के प्लेटफार्मों से 3,998 पोस्टों की जांच की, जहां धमकी देने वाले सार्वजनिक रूप से पीड़ितों को फिरौती देने के लिए मजबूर करने के साधन के रूप में विभिन्न रैंसमवेयर समूहों से चुराए गए डेटा का खुलासा किया।

विश्व स्तर पर साल 2022-2023 तक मल्टी-एक्सटॉर्शन रैंसमवेयर हमलों में साल-दर-साल 49 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि भारत में विनिर्माण सेक्टर सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ। पालो अल्टो नेटवर्क के एमडी अनिल वल्लूरी ने एक बयान में कहा कि भारत में विनिर्माण सेक्टर बीते वर्ष में रैंसमवेयर हमलों के प्राथमिक लक्ष्य के रूप में उभरा है। यह अस्थिर प्रवृत्ति भारतीय विनिर्माण सेक्टर के भीतर महत्वपूर्ण कमजोरियों को रेखांकित करती है। उन्होंने आगे कहा कि संगठनों को सुरक्षा की परतें बनाने के लिए एंटरप्राइज-वाइड जीरो ट्रस्ट नेटवर्क आर्किटेक्चर को लागू करना चाहिए, जो एक हमलावर को नेटवर्क के चारों ओर घूमने से रोकता है।

रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि फ़िशिंग 2022 में शुरुआती घटनाओं के एक तिहाई

■ विश्व स्तर पर साल 2022-2023 तक मल्टी-एक्सटॉर्शन रैंसमवेयर हमलों में साल-दर-साल 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई

हिस्से से घटकर 2023 में सिर्फ 17 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट के अनुसार कि यह फ़िशिंग को कम प्राथमिकता देने का संकेत है। साइबर अपराधी अधिक तकनीकी रूप से एडवांस और शायद अधिक कुशल घुसपैठ के तरीकों को अपना रहे हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में सॉफ्टवेयर और एपीआई कमजोरियों के शोषण में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

जनवरी में कम पैदा हुई नई नौकरियां : ईपीएफ

■ पिछले साल जनवरी में ईपीएफ से जुड़े थे 8,30,047 ग्राहक

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ने जनवरी में औपचारिक श्रम बाजार में मंदी का अनुभव किया। जनवरी महीने के दौरान कम नई नौकरियां पैदा हुईं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा जारी नवीनतम पेरोल डेटा के मुताबिक, जनवरी 2024 में कर्मचारी भविष्य निधि के तहत नए मासिक ग्राहकों की संख्या दिसंबर 2023 के 840,584 की तुलना में लगभग 4 प्रतिशत घटकर 807,865 हो गई। पिछले साल जनवरी में 8,30,047 ग्राहक ईपीएफ से जुड़े थे। यह डेटा महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल औपचारिक कार्यबल ही सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करता है और श्रम कानूनों द्वारा संरक्षित है।

जनवरी में कुल 8,07,865 नए ईपीएफ ग्राहकों में से 18-28 आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी भी जनवरी में थोड़ी कम होकर 66.4 प्रतिशत (536,442) हो गई, जो पिछले महीने में 67.17 प्रतिशत (564,630) थी।

भारत में एम2एम संचार सुविधाओं का तेजी से विस्तार होने की संभावना

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की सिफारिशों के अनुसार मशीनों के बीच परस्पर संचार के लिए आयातित उपकरणों में लगे-लगाए अंतरराष्ट्रीय रोमिंग वाले सिम कार्ड को एक निश्चित समय के अंदर नए तरीके से भारतीय दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की दूरसंचार संचार संबंधी पहचान के साथ समन्वित कराना जरूरी होगा।

दूरसंचार मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ट्राई ने एम2एम संचार के लिए एंबेडेड सिम के उपयोग पर सिफारिशें आज जारी की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत में 5जी दूरसंचार नेटवर्क सेवाएं शुरू होने के साथ एम2एम संचार

■ ट्राई ने एम2एम संचार के लिए एंबेडेड सिम के उपयोग पर सिफारिशें जारी की

सुविधाओं का तेजी से विस्तार होने की संभावना है। ट्राई की सिफारिश है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पर एक आयातित उपकरण में लगे किसी भी एम2एम ई-सिम की पूरी पहचान को उसकी अंतरराष्ट्रीय रोमिंग शुरू होने की तारीख से छह महीने के अंदर बदल कर भारतीय दूरसंचार सेवा प्रदाताओं या एक्सेस सेवा प्रदाताओं की संचार संबंधी पहचान के साथ जोड़नी होगी।

इसके साथ ही ऐसे सिम के संदेशों के निर्बाध प्रवाह के लिए ग्राक-प्रबंधन-सुरक्षित-संचार मार्ग (एसएम-एसआर) के स्वामित्व और प्रबंधन की अनुमति भी भारतीय दूरसंचार सेवा प्रदाता को दी जानी चाहिए। ट्राई के अनुसार ऐसे उपकरणों में दूरसंचार सेवा की प्रोफाइल की स्थापना के लिए उपकरण की मूल विनिर्माता कंपनी और एम2एम सेवा प्रदाता को ग्राहक प्रबंधन-डेटा तैयारी से प्रोफाइल डाउनलोड के बीच चयन करने की छूट दी जानी चाहिए।

सात समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार की तेजी थमी

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, बैंकिंग, एफएमसीजी और वित्तीय सेवाएं समेत सात समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार की पिछले लगातार तीन दिन की तेजी थम गई।

■ सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत की गिरावट लेकर 72,470.30 अंक पर

■ निफ्टी 0.42 प्रतिशत टूटकर 22,004.70 अंक पर बंद

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 361.64 अंक अर्थात 0.50 प्रतिशत की गिरावट लेकर 72,470.30 अंक पर आ गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 92.05 अंक यानी 0.42 प्रतिशत टूटकर 22,004.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं, इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,075.87 अंक पर पहुंच गया जबकि स्मॉलकैप 0.11 प्रतिशत फिसलकर 42,726.22 अंक रह गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4100 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2545 में गिरावट जबकि 1415 में तेजी रही वहीं 140 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 30 कंपनियों के शेयर लुढ़क गए जबकि 20 में बढ़त रही। बीएसई के सात समूहों में बिकवाली का दबाव रहा। इससे एफएमसीजी 0.29, वित्तीय सेवाएं 0.26, आईटी 0.57, दूरसंचार 0.02, ऑटो 0.01, बैंकिंग 0.51 और टेक समूह के शेयर 0.83 प्रतिशत कमजोर रहे। वहीं,

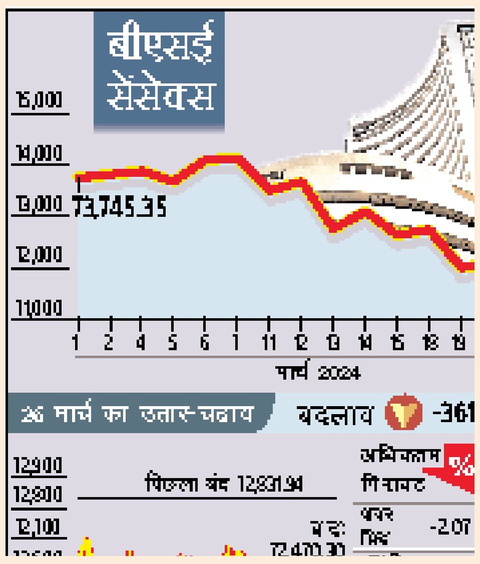

इंडस्ट्रियल्स 0.95, कैपिटल गुड्स 1.19, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.50, तेल एवं गैस 0.84, रियल्टी 1.45 और सर्विसेज समूह के शेयरों में 1.48 प्रतिशत की तेजी रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.25, हांगकांग का हैंगसेंग 0.88, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.71 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.17 प्रतिशत चढ़ गया जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.09 और जापान का निक्केई 0.04 प्रतिशत फिसल गया।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 435 अंक की भारी गिरावट के साथ 72,396.97 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 72,705.29 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में लगातार रहने के बाद यह कारोबार के अंतिम चरण में 72,363.03 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 72,831.94 अंक के मुकाबले 0.50 प्रतिशत कमजोर रहकर 72,470.30 अंक रह गया।

इसी तरह निफ्टी भी 149 अंक का गोता लगाकर 21,947.90 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,073.20 अंक के उच्चतम जबकि 21,947.55 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,096.75 अंक की तुलना में 0.42 प्रतिशत उतरकर 22,004.70 अंक पर बंद हुआ।

जिन कंपनियों ने नुकसान उठाया उनमें पावरग्रिड 2.07, भारती एयरटेल 1.99, विप्रो 1.50, एचडीएफसी बैंक 1.11, अल्ट्रासिमको 1.10, इंफोसिस 1.09, एशियन पेंट 1.01, टीसीएस 0.92, टेक महिंद्रा 0.89, रिलायंस 0.88, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.86, एसबीआई 0.85, आईसीआईसीआई बैंक 0.68, मारुति 0.65, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.53, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.50, सन फार्मा 0.50, टाइटन 0.24 और आईटीसी 0.23 शामिल रही। वहीं, बजाज फाइनेंस 2.18, एलटी 1.38, एनटीपीसी 1.32, एक्सिस बैंक 0.81, टाटा मोटर्स 0.66, इंडसइंड बैंक 0.66, बजाज फिनसर्व 0.66, एचसीएल टेक 0.51, नेस्ले इंडिया 0.49 और टाटा स्टील के शेयर 0.23 प्रतिशत मजबूत रहे।

एजीएसईजेड ने गोपालपुर पोर्ट का किया अधिग्रहण

अहमदाबाद, 26 मार्च (आईएएनएस)। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एजीएसईजेड) ने मंगलवार को कहा कि उसने ओडिशा स्थित गोपालपुर पोर्ट का 3,080 करोड़ रुपए में अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी के इस समझौते में गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल) में एसपी ग्रुप की 56 प्रतिशत और उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड (ओएसएल) की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर करार हुआ है। गोपालपुर पोर्ट देश के पूर्वी तट पर स्थित है और इसकी क्षमता 20 एमएमटीपीए (प्रति वर्ष मिलियन मीट्रिक टन) संभालने की है। ओडिशा सरकार ने साल 2006 में गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड को 30 साल के लिए छूट दी थी, समझौते के मुताबिक इस छूट को 10-10 साल के लिए दो बार बढ़ाया जा सकता है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडाणी ने कहा कि गोपालपुर पोर्ट के अधिग्रहण से हम अपने ग्राहकों को ज्यादा इंटीग्रेटेड और बेहतर सुविधाएं दे पाएंगे। इससे हमें ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के खनन क्षेत्रों तक अभूतपूर्व पहुंच मिल पाएगी। साथ ही हमें दूरदराज के हिस्सों में लॉजिस्टिक्स फुटप्रिंट बढ़ाने में मदद मिलेगी। करण अडाणी ने कहा कि जीपीएल अडाणी समूह के पैन इंडिया पोर्ट नेटवर्क को जोड़ेगा, जिससे समग्र कार्गो वॉल्यूम में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और एपीएसईज़ेड के एकीकृत लॉजिस्टिक्स दृष्टिकोण को मजबूत करेगा।

सार संक्षेप

पहले दो महीने में चीन में संचार उद्योग की शुरुआत स्थिर

बीजिंग। चीनी उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, जनवरी से फ़रवरी तक चीन का संचार उद्योग आम तौर पर स्थिर रहा, दूरसंचार व्यवसाय की कुल मात्रा में दोहरे अंकों की वृद्धि बनी हुई है। चीन में 5जी यूजरों की संख्या आधी है, और गीगाबिट यूजर एक-चौथाई से अधिक हैं। आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत तक, तीन बुनियादी दूरसंचार कंपनियों और चाइना ब्रॉडनेट ने कुल 1.746 अरब मोबाइल फोन यूजर जोड़े हैं, जिनमें से 5जी यूजर 85.1 करोड़ तक पहुंच गए हैं, जो 48.8 प्रतिशत है। तीन बुनियादी दूरसंचार कंपनियों ने 64.3 करोड़ फिक्स्ड एक्सेस ब्रॉडबैंड यूजर जोड़े हैं, जिनमें 17.2 करोड़ गीगाबिट यूजर शामिल हैं, जो 26.7 प्रतिशत है। मॉबाइल डेटा के संदर्भ में, फरवरी के अंत तक, चीन के मोबाइल इंटरनेट का संचयी डेटा 48.76 अरब जीबी तक पहुंच गया, जिसमें गत वर्ष के इसी अवधि की तुलना में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि है।

स्पाइसजेट ने बकाया के निपटान के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने 9.01 करोड़ डॉलर (755 करोड़ रुपए) की देनदारी के निपटान के लिए एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा (ईडीसी) के साथ समझौता किया है। एयरलाइन ने 2011 में 15 विमानों की खरीद के लिए कर्ज लिया था। यह बकाया उसी से जुड़ा है। स्पाइसजेट ने मंगलवार को बयान में कहा कि समझौते की शर्तें एयरलाइन को प्रमुख देनदारियों के निपटान में मददगार होंगी। इससे एयरलाइन का बही-खाता मजबूत होगा। समझौते के तहत स्पाइसजेट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट कनाडा द्वारा वित्तपोषित 13 क्यू400 विमानों का पूर्ण स्वामित्व हासिल करेगी। इससे एयरलाइन की परिचालन क्षमता और बेड़े का प्रबंधन व्यवस्था मजबूत होगी। स्पाइसजेट करीब 9.01 करोड़ डॉलर की बकाया देनदारियों के निपटान के लिए एक व्यापक निपटान राशि का भुगतान करेगी। इसमें कहा गया है कि इस समझौते से स्पाइसजेट को 6.83 करोड़ डॉलर (567 करोड़ रुपए) की बचत होगी।

2024 की पहली तिमाही में स्टार्टअप फंडिंग में गिरावट

नई दिल्ली। 2024 की पहली तिमाही में भारतीय स्टार्टअप्स में निवेश साल-दर-साल 29 प्रतिशत घटकर 1.6 बिलियन डॉलर हो गया। पिछली तिमाही की तुलना में, फंडिंग 2 बिलियन डॉलर से 20 प्रतिशत कम हो गई है। ट्रैक्सन की एक रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और यूनाइटेड किंगडम के बाद भारत क्ता में जुटाई गई फंडिंग में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है। 2023 में तीन तिमाहियों की वृद्धि के बाद भारत में निवेश में कमी आई है। अंतिम चरण की फंडिंग में 46 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि शुरुआती चरण की फंडिंग में 28त्न की वृद्धि हुई थी। भारतीय स्टार्टअप्स को 1.6 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 14 रिंगिट फिसलकर 4338 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायद 0.16 सेंट की गिरावट के साथ 48.86 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5800-5900, दाल चना 6800-6900, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9800-9900, उड़द दाल 10100-10200, अरहर दाल 11800-11900 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कर रहे ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व : अडाणी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन गौतम अडाणी ने मंगलवार को कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम केवल इस पीढ़ी और अगली पीढ़ी के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अपने ग्रह की देखभाल करें।

■ 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंचने का बन रहा लक्ष्य

अदाणी ग्रीन एनर्जी ऊर्जा परिवर्तन का नेतृत्व कर रही है जो इस प्रतिबद्धता का सम्मान करती है। लंदन में साइंस म्यूजियम में एनर्जी क्रांति : अदाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी के उद्घाटन पर गौतम अडाणी ने कहा कि उनका हमेशा मानना था कि हमारा जीवन एक बड़ी कहानी का हिस्सा है। गौतम अडाणी ने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है जो हमारे पूर्वजों को जो कुछ भी पता था उसे उस भविष्य से जोड़ती है जिसे हम बनाना चाहते हैं। हमें अपने सभी कार्यों में आने वाली पीढ़ी के लिए सपने गढ़ते समय अपने पूर्वजों की समझ का सम्मान करना चाहिए। गौतम अडाणी ने सभा को बताया कि गुजरात के खावड़ा में हम दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रहे हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 30 गीगावॉट होगी। इसका 538 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पेरिस से पांच गुना से भी अधिक बड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि हम 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंचने का भी लक्ष्य बना रहे हैं। यह इंग्लैंड के लगभग हर घर को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने जैसा होगा। कंपनी के अनुसार, एनर्जी क्रांति : अडाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी, एक नि:शुल्क गैलरी है। यह गैलरी दिखाती है कि किस तरह इनोवेशन के माध्यम से अतीत, वर्तमान और भविष्य को आकार दिया जा सकता है। यह भी पता लगाते हैं कि हमारे ऊर्जा भविष्य (एनर्जी फ्यूचर) को तय करने में हम सभी की भूमिका कैसे है।

हमें अपने सभी कार्यों में आने वाली पीढ़ी के लिए सपने गढ़ते समय अपने पूर्वजों की समझ का सम्मान करना चाहिए : अडाणी

गौतम अडाणी ने कहा कि यह नई गैलरी सिर्फ स्वच्छ हवा या तेल और गैस से दूर जाने के बारे में नहीं है। यह उस ऊर्जा परिवर्तन के बारे में है जिसकी हमें इस दुनिया को ज़रूरत है और यह उस क्रांति के बारे में है जो ऊर्जा की दुनिया में हो रही है। यह गैलरी स्पेशल है क्योंकि यह हमें सोचने, सपने देखने और बदलाव की कामना करने पर मजबूर करती है।

खेल जगत

शाकिब अल हसन की बांग्लादेश की टेस्ट टीम में एक वर्ष बाद वापसी

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को एक साल बाद 30 मार्च से चटगांव में शुरू होने वाले श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। शाकिब को तौहीद हृदय की जगह टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वहीं चोटिल मुश्फिक हसन के स्थान पर हसन महमूद भी टीम में आए हैं। उल्लेखनीय है कि शाकिब ने इससे पहले अप्रैल 2023 में टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद आंख की समस्या के कारण वह टेस्ट क्रिकेट से दूर हो गए थे। हालांकि इस दौरान वह लगातार सफेद गेंद की क्रिकेट खेल रहे थे। पिछले वर्ष एकदिवसीय विश्वकप में भाग लेने के बाद वह हाल ही में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (टी-20) और ढाका प्रीमियर लीग (लिस्ट ए) का हिस्सा थे।

चेन्नई 26 मई को करेगी 2024 आईपीएल फाइनल की मेजबानी

दूसरा क्वालीफायर चेन्नई में 24 मई को, एलिमिनेटर 22 मई को अहमदाबाद में

17वीं इंडियन प्रीमियर लीग

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। चेन्नई अब से दो महीने बाद यानी 26 मई को 17वीं इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट (आईपीएल) 2024 के फाइनल की मेजबानी करेगी। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 12 बरस के बाद फिर आईपीएल फाइनल खेला जाएगा। चिदाम्बरम स्टेडियम मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का घरेलू मैदान है। चेन्नई इससे पहले 2011 और 2012 में लगातार दो बाद आईपीएल फाइनल की मेजबानी कर चुका है।

चेन्नई साथ ही 24 मई को मौजूदा आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर की भी मेजबानी करेगा जबकि एलिमिनेटर इस बार 22 मई को अहमदाबाद में खेला जाएगा। आईपीएल के दूसरे चरण में प्ले ऑफ सहित 8 अप्रैल से शुरू होने वाले 52 मैचों का कार्यक्रम सोमवार को जारी किया गया। दूसरे चरण का आगाज चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच से 8 अप्रैल को चेन्नई में खेले जाने वाले मैच से होगा। सभी प्ले ऑफ मैच शाम को खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2024 के दूसरे चरण के मैचों के कार्यक्रम की घोषणा सोमवार को की। लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा का इंतजार करने के कारण बीसीसीआई ने आईपीएल 2024 के कार्यक्रम दूसरे चरण की घोषणा की। लोकसभा चुनाव देश भर में 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में आयोजित किए जाएंगे। इससे पूर्व 22 फरवरी को आईपीएल 2024 के अंशिक कार्यक्रम के 22 मार्च से 7 अप्रैल तक खेले जाने वाले 21 मैचों का कार्यक्रम जारी किया गया था।

■ चिदाम्बरम स्टेडियम मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का घरेलू मैदान है

तब शुरू में आईपीएल 2024 का पूरा कार्यक्रम चुनाव आयोग द्वारा देश में होने वाले आम चुनाव की तारीखों की घोषणा के इंतजार के कारण जारी नहीं किया गया था और अब इसकी तारीखों की घोषणा हो चुकी है और ये चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून तक होगे। 2023 की आईपीएल की तरह मौजूदा सीजन में शिरकत करने वाली दस टीमों को पांच-पांच टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रुप में दूसरे ग्रुप की चार टीमों से दो-दो बाद खेलेगी जबकि दूसरे ग्रुप की टीम के खेलते वक्त बार ड्रॉ के जरिए चयन होगा।

दस टीमों के घरेलू मैदानों के अलावा इस बार आईपीएल के मैच विशाखापट्टनम, धर्मशाला और गुवाहाटी में दो-दो मैच खेले जाएंगे। विशाखापट्टनम दिल्ली कैपिटल्स का, धर्मशाला पंजाब किंग्स का और गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स का दूसरा घरेलू मैदान है। गुवाहाटी लीग चरण के राजस्थान रॉयल्स और केकेआर के बीच अंतिम मैच की 19 मई को मेजबानी करेगी।

सीएसके 2022 के आईपीएल चैंपियन और पिछले उपविजेता गुजरात टाइटंस, आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के ग्रुप में हैं। दूसरे ग्रुप में पांच बार चैंपियन रह चुकी मुंबई इंडियंस, केकेआर, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंटस की टीमें हैं। धर्मशाला में 5 मई को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। 9 मई को पंजाब किंग्स का मुकाबला आरसीबी होगा,। गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स 15 मई को पंजाब किंग्स से 19 मई को केकेआर से खेलेगी।

पंथोई चानू ऑस्ट्रेलियाई लीग में खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय महिला टीम की मौजूदा गोलकीपर पंथोई चानू इतिहास रचने और ऑस्ट्रेलिया में पेशेवर रूप से खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर बनने के लिए तैयार हैं। उनकी अभूतपूर्व उपलब्धि ज्योति चौहान, किरण पिस्दा और एम.के. काशमीना के नक्शेकदम पर चलती है, जिससे वह सहयोगात्मक रूप से आयोजित 'वुमैन इन स्पोर्ट्स एलीट फुटबॉल ट्रायल्स, के दूसरे संस्करण' में 27 प्रतिभागियों में से विदेश में अनुबंध हासिल करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गईं। तुर्की में तुर्की महिला कप 2024 में कोसोवो और हांगकांग के खिलाफ भारत के हालिया मैचों में अपनी गोलकीपिंग कौशल का प्रदर्शन करने वाली चानू ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई महिला राष्ट्रीय प्रीमियर लीग में प्रतिस्पर्धा करने वाली टीम मेट्रो यूनाइटेड डब्ल्यूएफसी के साथ एक समझौता किया है। वुमैन इन स्पोर्ट्स ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि वह सितंबर 2024 में सीज़न के समापन तक टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। ऑस्ट्रेलिया में महिला फुटबॉल का उत्थान उल्लेखनीय है। उन्होंने न केवल 2023 में महिला विश्व कप की मेजबानी की और सेमीफाइनल में पहुंचे, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय महिला टीम मटिल्डा से जुड़े हालिया मैचों में रिकॉर्ड तोड़ उपस्थिति देखी गई, जिसमें हर मैच की टिकटें बिक गईं। समर्थन में यह उछाल ऑस्ट्रेलिया में महिला फुटबॉल की बढ़ती ताकत और अपील को दर्शाता है, जो सभी स्तरों पर खेल के लिए एक रोमांचक भविष्य का वादा करता है।

आज आमने-सामने होंगे कमिंस और पांड्या

दोनों के सामने जीत की राह पर लौटने की बड़ी चुनौती

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। हार्दिक पांड्या की अगुआई में हार से आगाज करने वाली मुंबई इंडियंस और नए कप्तान पैट कमिंस की अगुआई में बड़े स्कोर वाला सीजन का अपना पहला मैच हारने वाली सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) जब हैदराबाद में बुधवार को 17वीं आईपीएल 2024 में आमने-सामने होंगी तो दोनों के सामने जीत की राह पर लौटने की बड़ी चुनौती होगी। मुंबई को जीत की राह पर लौटना है हार्दिक को पहले बतौर कप्तान अपने घर को व्यवस्थित करना होगा। मुंबई ने जीत गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के लिए 169 रन का पीछा करते हुए पांच विकेट पर 142 रन बनाने के बाद जिस तरह मात्र 20 रन जोड़ कर अंतिम पांच विकेट चोए उससे उसे सबक लेकर निश्चित रूप से बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। अब तक मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए 21 मैचों में 12 हैदराबाद ने 9 सनराइजर्स ने जीते है। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस और मुंबई इंडियंस ही दुनिया के नंबर एक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर खास तौर पर सभी की निगाहें रहेंगी। बीते बरस भारत में सम्पन्न वन डे विश्व कप लगी चोट के बाद फिट होकर दो सीजन के बाद बतौर कप्तान वापसी करने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की अगुआई में मुंबई इंडियंस ने सीजन के पहले अपने करीब मैच में उनकी पुरानी टीम गुजरात टाइटंस के हाथों आईपील 2024 में छह रन से हार से आगाज किया। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद ने नए सीजन में नए कप्तान ऑस्ट्रेलिया की पैट कमिंस में मेजबान कोलकाता नाइट राइडर्स(केकेआर) के हाथों बड़े स्कोर वाले मैच अत्यंत रोमांचक मैच में छह रन से हार से आगाज किया। रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने वाले हार्दिक पांड्या की अगुआई में मुंबई की हार पर कई सवाल उठे। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की पहले मैच में केकेआर हाथों हार में अकेले तूफानी अर्द्धशतक जड़ने वाले हेनरिक क्लासेन को छोड़ उसकी बाकी बल्लेबाज केकेआर के खिलाफ टिक ही नहीं पाए थे।

■ निगाहें हैदराबाद के तेज गेंदबाज कमिंस, मुंबई इंडियंस के बुमराह पर

■ मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या को दिखाना होगा अनुकरणीय खेल

श्रीजा, तूलिका को मंत्रालय से मिली विदेशी प्रशिक्षण शिविर की मंजूरी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी 128वीं बैठक के दौरान पैडलर और राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एमओसी ने पहलवान बजरंग पुनिया की वित्तीय सहायता, उनके स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विशेषज्ञ काजी किरण मुस्तफा हसन की सेवा को मई 2024 के अंत तक बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी, जब पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम चयन परीक्षण होगा। 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अचंत शरत कमल के साथ साझेदारी में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीतने वाली श्रीजा, कोच लियू जून-लिन के तहत 12 दिनों के लिए ताइपे में प्रशिक्षण लेंगी और अपने प्रवास के दौरान क्लब में विभिन्न अन्य पैडलर्स के खिलाफ भी अभ्यास करेंगी। श्रीजा के अलावा, एमओसी ने तुर्की के अंताल्या में एक ग्रैंड स्लैम कार्यक्रम और उसके बाद उसी स्थान पर एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता के लिए जुडोका तूलिका मान के अनुरोध को भी मंजूरी दे दी। विदेशी प्रशिक्षण के अलावा, एमओसी ने टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानव ठक्कर और पायस जैन के लिए प्रतियोगिताओं में भाग लेने के वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

गोल्फर शुभंकर शर्मा बनें ब्रांड एंबेसडर

राउंडग्लास स्पोर्ट्स

मोहाली, 26 मार्च (एजेंसियां)। एक और ऐतिहासिक पहल के रूप में, राउंडग्लास स्पोर्ट्स ने आज भारत के नंबर एक गोल्फर शुभंकर शर्मा को ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित करने की घोषणा की है। एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं जिसके दौरान राउंडग्लास स्पोर्ट्स चंडीगढ़ के इस 27 वर्षीय गोल्फर का प्राथमिक प्रायोजक होगा। शुभंकर डीपी वर्ल्ड टूर (पूर्व यूरोपीय टूर) पर दो बार विजेता रहे हैं और अब तक उन्होंने 8 करियर ख़िताब हासिल किये हैं। वह विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं, जो 2013 में 16 साल की उम्र में पेशेवर बन गए। वह वर्तमान में विश्व स्तर पर पुरुषों के पेशेवर गोल्फ में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय (आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग में ₹188) हैं और 2018 में एशिया में नंबर 1 खिलाड़ी थे। शुभंकर को 2018 से यूरोपीय और एशियाई टूर पर एक स्टेटस प्राप्त है। वह पीजीए टूर पर भी नियमित रूप से शामिल होते हैं। शुभंकर ने सभी गोल्फ मेजर्स में कई बार प्रदर्शन किया है और उन्होंने दुनिया की सबसे पुरानी गोल्फ चैंपियनशिप 'द ओपन' में किसी भारतीय द्वारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। पिछले साल लिवरपूल में 151वें ओपन में वह संयुक्त आठवें स्थान पर रहे थे। इसके अलावा, शुभंकर ने दो यूरोपीय टूर खिताब जॉबर्ग ओपन और मेबैंक चैंपियनशिप जीते हैं। उनके छह अन्य खिताब भारत के शीर्ष प्रो टूर, प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) में रहे हैं। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के साथ जुड़ाव के बारे में शुभंकर ने कहा कि मैं राउंडग्लास स्पोर्ट्स के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसका भारत में खेलों को विकसित करने का स्पष्ट दृष्टिकोण है। यह फुटबॉल, हॉकी, टेनिस और गोल्फ जैसे खेलों का समर्थन करता है और देश में विश्व स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास कर रहा है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी

मेलबर्न, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर से शुरू होगी, क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2024-25 अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के विवरण की पुष्टि की है। 1991-92 के बाद पहली बार, ऑस्ट्रेलिया और भारत पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें पर्थ स्टेडियम शुरुआती मैच की मेजबानी करेगा, जिसके बाद 6-10 दिसंबर तक एडिलेड ओवल में दिन-रात्रि का गुलाबी गेंद से दूसरा टेस्ट होगा। गाबा, जो कभी टेस्ट समर का पारंपरिक उद्घाटन स्थल था, 14-18 दिसंबर तक तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा, 26-30 दिसंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और नए साल का टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड 3-7 जनवरी, 2025 तक होगा। दोनों टीमों के बीच पिछली चार टेस्ट श्रृंखलाओं में, मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी चैंपियन भारत हर बार जीत हासिल कर अधिक प्रभावशाली टीम रही है। इसमें 2018-19 और 2020-21 लगातार वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतना शामिल है।

सार संक्षेप

छेत्री के पूरे हुए 150 अंतरराष्ट्रीय मैच, एआईएफएफ अध्यक्ष ने दी बधाई

गुवाहाटी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को यहां पुरुष राष्ट्रीय टीम होटल में सुनील छेत्री से मुलाकात की और कप्तान को सीनियर टीम के लिए उनकी 150वीं उपस्थिति पर बधाई दी। एआईएफएफ अध्यक्ष ने सुनील छेत्री को मौजूदा टीम के सभी खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों द्वारा साइन की हुई जर्सी भेंट की। सुनील का आज अपना 150वां मैच खेलना भारतीय फुटबॉल में एक बड़ी उपलब्धि है और मुझे इसका गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है। भारतीय कप्तान के इस उपलब्धि तक पहुंचने पर पूरे फुटबॉल जगत को गर्व महसूस हो रहा है। चौबे ने एआईएफएफ.कॉम को बताया कि जैसा कि मैंने सुनील से कहा कि इस गौरवपूर्ण क्षण को और भी यादगार बनाने के लिए, भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण विश्व कप क्वालीफायर में जीत हासिल करने में सक्षम होना चाहिए।

भारत और पाक महिला टी20 एशिया कप के एक ही ग्रुप में

दुबई। गत चैंपियन भारत को आगामी महिला टी20 एशिया कप 2024 में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ ग्रुप ए में रखा गया है, जो 19 से 28 जुलाई तक श्रीलंका के दांबुला में होने वाला है। टूर्नामेंट के संस्करण में आठ टीमें शामिल होंगी, जो 2022 में पिछले संस्करण की तुलना में एक अधिक है, जो पूरे एशिया में महिला क्रिकेट में बढ़ती रुचि और भागीदारी को दर्शाता है। मंगलवार को यहां एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार ग्रुप बी में बांग्लादेश, मेजबान श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड शामिल होंगे। एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक बयान में कहा कि महिला एशिया कप 2024 क्षेत्र में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए एसीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम टीमों के बीच बढ़ती भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को देखकर उत्साहित हैं, जो महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और महत्व को दर्शाता है।

इजराइल से शिफ्ट होगी 2025 यूरोपीय लयबद्ध जिम्नास्टिक चैंपियनशिप

यरुशलम। इजराइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने कहा कि लयबद्ध जिम्नास्टिक में 2025 की यूरोपीय चैंपियनशिप को इजराइल से शिफ्ट किया जाएगा। यूरोपीय जिमनास्टिक्स (ईजी) ने एक बयान में कहा कि उसने इजराइल में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण अगले साल मई में तेल अवीव में होने वाली चैंपियनशिप की मेजबानी रद्द करने का फैसला किया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईजी ने कहा कि उसने बोली लगाने के लिए कार्यक्रम को फिर से शुरू कर दिया है और बोलियां चार सप्ताह के भीतर भेजी जा सकती हैं।

सब जूनियर बॉक्सिंग नेशनल में हरियाणा बना चैंपियन

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सर्किट में एक बार फिर अपना दबदबा कायम करते हुए, हरियाणा ने ग्रेटर नोयडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में तीसरी सब जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 19 के प्रभावशाली संयुक्त पदक आंकड़े के साथ लड़के और लड़कियों दोनों श्रेणियों में टीम खिताब जीता। लड़कियों के वर्ग में मौजूदा चैंपियन हरियाणा ने 64 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहकर अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने सात स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक सहित 10 पदक जीते। हरियाणा के मुक्केबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन से अपना दबदबा कायम किया और सात में से छह मुक्केबाजों ने सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से आसानी से जीत हासिल की।दीया (61 किग्रा) ने दिल्ली की याशिका पर 5-0 से जीत के साथ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज भी चुना गया। लड़कियों के वर्ग में हरियाणा के लिए अन्य स्वर्ण पदक विजेता भूमि (35 किग्रा), निश्चल शर्मा (37 किग्रा), राखी (43 किग्रा), नैतिक (52 किग्रा), नव्या (55 किग्रा) और सुखरीत (64 किग्रा) हैं।

56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप में होगी 73 टीमों की टक्कर

56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। खो खो को लेकर उम्मीद और उत्साह बढ़ने वाला है, क्योंकि 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के लिए 73 टीमें तैयार हैं। देश भर के 37 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और इकाइयों के 1,332 खिलाड़ियों, कोचों और प्रबंधकों सहित 73 टीमों की रिकॉर्ड-तोड़ भागीदारी के साथ, यह कार्यक्रम एक शानदार और रोमांचक टूर्नामेंट होने का वादा करता है। भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) के अंतर्गत आने वाली दिल्ली खो खो एसोसिएशन (केकेएडी) द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 27 मार्च को शुरू होने वाली है। देश के हर कोने से टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए जुटेंगी, जिससे उत्साह और रोमांचक प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। निष्पक्ष खेल और मैचों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए, चैंपियनशिप में 100 तकनीकी अधिकारियों की सेवाएं ली जाएंगी। इसके अतिरिक्त, केकेएफआई के 50 पदाधिकारियों, दिल्ली के खो खो एसोसिएशन के 100 अधिकारियों और 200 अधिकारी की एक समर्पित टीम सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेगी। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि हम देश भर से इतनी जबरदस्त भागीदारी के साथ 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैंपियनशिप की मेजबानी करके रोमांचित हैं।

हॉकी इंडिया सालाना अवॉर्ड 2023 में बांटे जाएंगे सात करोड़ 56 लाख रुपए

श्रीजेश, सविता, हरमनप्रीत हॉकी इंडिया पुरस्कारों में कई सम्मानों की दौड़ में

हॉकी इंडिया 2023

नई दिल्ली, 26 मार्च (देशबन्धु)। भारत के कप्तान व ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह, गोलरक्षक पीआर श्रीजेश, स्ट्राइकर अभिषेक, महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर वंदना कटारिया, कप्तान गोलरक्षक सविता और आक्रामक मिडफील्डर सलीमा टेटे को हॉकी इंडिया 2023 के सालाना अवॉर्डर्स में दो-दो वर्गों में नामित किया गया है। छठे हॉकी इंडिया सालाना अवॉर्ड 31 मार्च को यहां एक पांच सितारा होटल में दिए जाएंगे और इसमें हॉकी खिलाड़ियों को उनके 2023 में शानदार प्रदर्शन के लिए कुल सात करोड़ 56 लाख रुपए की राशि बांटी जाएगी। हॉकी इंडिया के इन सालाना अवाडर्स के आठ वर्गों में कुल 32 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। साल 2023 में शानदार प्रदर्शन करने के लिए इस अवॉर्डर्स के लिए खिलाड़ियों को नामित किया गया है। हॉकी में वर्षों में असाधारण योगदान करने के सम्मान के लिए हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के विजेता को 30 लाख रुपये दिए जाएंगे।

हॉकी इंडिया के छठे सालाना अवार्ड से पहले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ओलंपियन पद्मश्री दिलीप टिर्की ने कहा कि छठे सालाना हॉकी इंडिया अवार्ड के नामों की घोषणा करते हुए हम 2023 के हॉकी सीजन में चमकने वाले अपने हॉकी सितारों की शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाने को लेकर खासे रोमांचित है। हमारी पुरुष और महिला हॉकी टीमों के हाल ही के उत्कृष्ट प्रदर्शन के मद्देनजर हॉकी इंडिया अवार्ड के लिए नामितों को चुनना खासा चुनौतीपूर्ण था।

हम सभी नामितों को बधाई देते हैं। हम सौहार्द व गर्व से हॉकी के उत्सव का इंतजार कर रहे हैं। हॉकी इंडिया के 2023 के सालाना अवार्ड की खास बात यह है कि इस हॉकी इंडिया बलजीत सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर में पुरुष और महिला वर्ग के लिए 25-25 लाख की बड़ी इनामी दी जाएगी।

हॉकी इंडिया के 2023 के सालाना अवॉर्ड के नामित हैं

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर (इनामी राशि पांच लाख रुपए): मोहित एचएस, पीआर श्रीजेश, सविता, कृष्ण बहादुर पाठक)

हॉकी इंडिया परगट सिंह अवॉर्ड फॉर डिफेंडर ऑफ द ईयर (इनामी राशि पांच लाख रुपए): दीप ग्रेस एक्का, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, उदिता।

हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर(इनामी राशि पांच लाख रुपए): सलीमा टेटे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नवनीत कौर

हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै अवॉर्ड फार फॉरवर्ड ऑफ द ईयर (इनामी राशि पांच लाख रुपए): वंदना कटारिया, अभिषेक, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह।

हॉकी इंडिया असुंता लकड़ा अवॉर्ड अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, महिला अंडर -21 (इनामी राशि दस लाख रुपए) : वैष्णवी विल फाल्कश, दीपिका, दीपिका सोरेंग, सुनीलिता टोपो।

हॉकी इंडिया जुगराज सिंह अवॉर्ड अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर, पुरुष अंडर-21 (इनामी राशि दस लाख रुपए) : उत्तम सिंह, आमिर अली, विष्णुकांत सिंह, अरिजित सिंह हुंदल।

हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवार्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (पुरुष) (इनामी राशि 25 लाख रुपए) : पीआर श्रीजेश,अभिषेक,हार्दिक सिंह, हरमनप्रीत सिंह।

हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)(इनामी राशि 25 लाख रुपए) : सविता, सलीमा टेटे, वंदना कटारिया, नवनीत कौर।